सबकी खबर, सब पर नजर

केलांचल टाईम्स

रांची से प्रकाशित

वर्ष : 01, अंक : 150 , कुल पेज : 12 | 3. 1.2026 | RNI NO:-JHHIN/25/A1170 | www.kelanchaltimes.in

पीएम मोदी ने लोगों का दृढ़ निश्चय से आगे बढ़ने का आह्वान किया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से महाभारत के एक श्लोक से प्रेरणा लेते हुए दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया है। उन्होंने कामना की है कि हर प्रयास में सफलता मिले। नए साल में संकल्प की सिद्धि हो। उन्होंने ने आज सुबह एक्स पर लिखा, '' मेरी कामना है कि आने वाले समय में आपको अपने हर प्रयास में सफलता मिले। दृढ़संकल्प और इच्छाशक्ति से नए साल में आपके संकल्प की सिद्धि हो।'' प्रधानमंत्री मोदी ने इस पोस्ट के साथ ''उत्थातव्यं जागृतव्यं योक्तव्यं भूतिकर्मसु। भविष्यतीत्येव मनः कृत्वा सततमव्यथैः।।'' श्लोक को भी उद्धृत किया है। यह श्लोक महाभारत के उद्योगपर्व (135/29) का है। इसका अर्थ है, "उठना चाहिए, जागते रहना चाहिए, और ऐश्वर्य (कल्याणकारी) कार्यों में लग जाना चाहिए। 'मेरा कार्य अवश्य सिद्ध होगा' ऐसा मन में दृढ़ निश्चय करके, लगातार विषाद (चिंता) रहित होकर कर्म करते रहना चाहिए।

पीएम शनिवार को पिपरावा के पवित्र अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को नई दिल्ली के राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में पिपरावा के पवित्र अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। संस्कृति मंत्रालय "'द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन" विषयक ऐतिहासिक सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन कर रहा है। इस प्रदर्शनी में पूजनीय पिपरावा के पवित्र अवशेषों के साथ उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण प्राचीन वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से भारत के अटूट सभ्यतागत संबंधों और देश की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण व प्रस्तुति के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि कल, 3 जनवरी इतिहास, संस्कृति और भगवान बुद्ध के आदर्शों में रुचि

रखने वालों के लिए बहुत खास दिन है। सुबह 11 बजे, दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरावा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी, 'द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन' का उद्घाटन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में एक सदी से भी ज़्यादा समय बाद वापस लाए गए पिपरावा के अवशेष शामिल हैं। इसके अलावा पिपरावा के असली अवशेष और पुरातात्विक सामग्री जो नेशनल म्यूज़ियम, नई दिल्ली और इंडियन म्यूज़ियम, कोलकाता के कलेक्शन में सुरक्षित हैं। यह प्रदर्शनी भगवान बुद्ध के विचारों को और ज्यादा लोकप्रिय बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह हमारे युवाओं और हमारी समृद्ध संस्कृति के बीच रिश्ते को और गहरा करने का भी एक प्रयास है। मैं उन सभी लोगों की भी सराहना करना चाहूंगा जिन्होंने इन अवशेषों को वापस लाने के लिए काम किया। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के सांस्कृतिक और कूटनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण होगा, क्योंकि प्रदर्शनी में रखी गई चीजों में ऐतिहासिक, पुरातात्विक और आध्यात्मिक महत्व के पवित्र अवशेष शामिल हैं, जिन्हें दुनिया भर के बौद्ध समुदाय पूजते हैं।

मोदी ने जयंती पर समाज सुधारक मन्नथु पद्मनाभन का पुण्य स्मरण किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज केरल के महान समाज सुधारक मन्नथु पद्मनाभन की 48वीं जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श न्यायपूर्ण, दयालु और सद्भावपूर्ण समाज का संदेश देते हैं। उनके आदर्श हम सबका मार्गदर्शन करते रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, '' मन्नथु पद्मनाभन की जयंती पर हम आज उन्हें गहरी श्रद्धा के साथ याद कर रहे हैं। उनका सारा जीवन समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा। वह दूरदर्शी थे। उनका मानना था कि सच्ची प्रगति गरिमा, समानता और सामाजिक सुधार में निहित है। स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उनके प्रयास प्रेरणादायक हैं। उनके आदर्श हमें ऐसे समाज का संदेश देते हैं जो न्यायपूर्ण, दयालु और सद्भावपूर्ण हो।

15 अगस्त 2027 को शुरू होगी बुलेट ट्रेन : रेल मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना में ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में विरार और बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी पहाड़ी सुरंग (माउंटेन टनल-5) में सफल ब्रेकथ्रू हासिल कर लिया गया है। यह महाराष्ट्र में परियोजना की पहली पर्वतीय सुरंग है। रेल मंत्री ने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजना 15 अगस्त 2027 तक पूरी करने का लक्ष्य है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को यहां रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, "इस ब्रेकथ्रू के साथ ठाणे से अहमदाबाद तक का पूरा सेक्शन अब साफ हो गया है। केवल मुंबई-ठाणे के बीच समुद्र के नीचे का हिस्सा शेष है। रेल मंत्री ने बताया कि माउंटेन टनल-5 पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शामिल है। इस सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से की गई और अत्याधुनिक 'ड्रिल एंड ब्लास्ट' तकनीक का उपयोग करते हुए 18 महीनों में कार्य पूरा किया गया। इस तकनीक से खुदाई के दौरान जमीन की स्थिति की रियल टाइम निगरानी संभव होती है और आवश्यकता के अनुसार शॉटक्रीट, रॉक बोल्ट और लैटिस गर्डर जैसे सुरक्षा उपाय अपनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान सभी सुरक्षा मानकों, वेंटिलेशन और अग्नि सुरक्षा उपायों का पूरी तरह पालन किया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले ठाणे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच लगभग पांच किलोमीटर लंबी पहली भूमिगत सुरंग का निर्माण सितंबर 2025 में पूरा हो चुका है। कुल 508 किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना में 27.4 किलोमीटर लंबी सुरंगें शामिल हैं, जिनमें 21 किलोमीटर भूमिगत और 6.4 किलोमीटर सतही सुरंगें हैं। इस परियोजना में कुल आठ पर्वतीय सुरंगें हैं, जिनमें से सात महाराष्ट्र में (करीब 6.05 किलोमीटर) और एक 350 मीटर लंबी सुरंग गुजरात में स्थित है। रेल मंत्री ने बताया कि इस परियोजना में कुल 12 स्टेशन होंगे। इनमें मुंबई (बीकेसी), ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती शामिल हैं। साबरमती अहमदाबाद क्षेत्र का टर्मिनल स्टेशन होगा, जबकि मुंबई में बीकेसी टर्मिनल रहेगा। सामान्यतः 508 किलोमीटर के कॉरिडोर के लिए दो डिपो पर्याप्त होते, लेकिन पूर्ववर्ती महाराष्ट्र सरकार के दौरान अनुमतियों में देरी के कारण तीन डिपो बनाने पड़े। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 'जापानी तकनीक पर आधारित यह बुलेट ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी और मुंबई से अहमदाबाद की यात्रा को वर्तमान 7-8 घंटे से घटाकर लगभग 1 घंटा 58 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। यह परियोजना मध्यम वर्ग के लिए किफायती, आरामदायक और तेज यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी।

संक्षिप्त समाचार

एनएचएआईः 1 फरवरी 2026 के बाद जारी होने वाले नए फास्टैग वाली कारों के लिए केवाईवी बंद

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 1 फरवरी 2026 से सभी नए जारी किए गए फास्टैग वाली कारों (कार/जीप/वैन श्रेणी फास्टैग) के लिए 'नो योर व्हीकल (केवाईवी)' की प्रक्रिया को बंद करने का फैसला किया है। सक्रिय किए जाने से पहले सत्यापन की पूरी जिम्मेदारी जारीकर्ता बैंकों को सौंपकर, एनएचएआई का लक्ष्य राष्ट्रीय राजमार्गों का उपयोग करने वाले लोगों को परेशानी से मुक्त अनुभव प्रदान करना है। यह सुधार सड़क का उपयोग करने वाले उन लाखों आम लोगों को बड़ी राहत देगा, जिन्हें वाहनों के मान्य दस्तावेज होने के बावजूद फास्टैग के सक्रिय होने के बाद जारी होने के उपरांत केवाईवी संबंधी जरूरतों के कारण असुविधा और देरी का सामना करना पड़ रहा था। कारों के लिए पहले से जारी मौजूदा फास्टैग के लिए, अब केवाईवी रूटीन जरूरत के तौर पर अनिवार्य नहीं होगा। केवाईवी केवल वैसे खास मामलों में जरूरी होगा जहां ढीले फास्टैग, गलत जारी होने, या गलत इस्तेमाल से जुड़ी समस्याएं जैसी शिकायतें मिलती हैं। किसी भी शिकायत के न होने पर, मौजूदा कार फास्टैग के लिए किसी केवाईवी की जरूरत नहीं होगी। फास्टैग को सक्रिय करने की अनुमति केवल वाहन डेटाबेस से वाहन के विवरण के सत्यापन के बाद ही दी जाएगी।

ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक सात लोगों की मौत, प्रदर्शनों में छात्र भी शामिल

तेहरान। ईरान में नए विरोध प्रदर्शनों के कारण सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए हैं। विरोध प्रदर्शन तेहरान में शुरू हुए और कम से कम दस यूनिवर्सिटी के छात्रों के इसमें शामिल होने के बाद फैल गए। ये विरोध प्रदर्शन आर्थिक मंदी और ऊंची महंगाई के कारण शुरू हुए, जो दिसंबर में बढ़कर 42.5 फीसदी हो गई थी। ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है और प्रदर्शन प्रांतों में भी फैल गए हैं, जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि सरकार प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के मूड में है। लेकिन प्रदर्शनकारी भी अड़े हुए हैं। राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़ गए हों, लेकिन अन्य जगहों पर इनमें तेजी आई है। बुधवार को दो और गुरुवार को पांच लोगों की मौत चार शहरों में हुई। इन चारों शहरों में लूर जातीय समुदाय की बहुलता है। यह विरोध प्रदर्शन 2022 के बाद से ईरान के सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में पुलिस हिरासत में 22 साल की महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे।

इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहाः राहुल

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन जिम्मेदार है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया।' राहुल गांधी ने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई? लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी?' उन्होंने कहा कि ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह जिम्मेदार है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया, 'मध्य प्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है। कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें।

दुर्भाग्य से हमारे पड़ोसी बुरेः जयशंकर

हमें अपने लोगों को आतंकवाद से बचाने का हक

एजेंसी। चेन्नई

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि पड़ोसी बुरे भी हो सकते हैं, दुर्भाग्य से हमारे हैं। अगर कोई देश यह तय करता है कि वह जानबूझकर, लगातार और बिना पछतावे के आतंकवाद जारी रखेगा तो हमें अपने लोगों को आतंकवाद से बचाने का अधिकार है। विदेश मंत्री ने यह बात IIT मद्रास के एक कार्यक्रम में शुक्रवार को कही। उन्होंने कहा कि हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करेंगे, यह हम पर निर्भर है। कोई हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। हम खुद को बचाने के लिए जो कुछ भी करना होगा, वह करेंगे।

बांग्लादेश पर जयशंकर ने कहा- अच्छे लोग नुकसानदायक नहीं : बांग्लादेश में अशांति पर विदेश मंत्री ने कहा- 'मैं अभी दो दिन पहले बांग्लादेश में था। मैं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करने गया था। हमें कई तरह के पड़ोसी मिले हैं। अगर आपका कोई पड़ोसी आपके लिए अच्छा है या कम से कम आपके लिए नुकसानदायक नहीं है तो इसमें परेशानी नहीं है।

- भारत दुनिया की उन पुरानी सभ्यताओं में से है, जो आज एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में मौजूद हैं। भारत को अपने इतिहास और विरासत का स्पष्ट एहसास है, जो बहुत कम देशों में देखने को मिलता है। भारत ने जानबूझकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया, जिससे लोकतंत्र एक वैश्विक राजनीतिक विचार बना। भारत की जिम्मेदारी है कि वह अपने विचार, संस्कृति और इतिहास को दुनिया के सामने रखे।
- पश्चिमी देशों के साथ साझेदारी जरूरी है और यह साझेदारी सकारात्मक तरीके से की जा सकती है। 'वसुधैव कुटुंबकम' का अर्थ है कि भारत ने दुनिया को कभी दुश्मन या खतरे के रूप में नहीं देखा। सीमित संसाधनों के बावजूद ज्यादा प्रभाव कैसे डाला जाए, यही भारत की विदेश नीति की सोच है। भारतीय कूटनीति अपनी ताकत, प्रतिस्पर्धा और वैश्विक संस्थानों का उपयोग करके समाधान तलाशती है।
- वैक्सीन डिप्लोमेसी का भावनात्मक असर बहुत गहरा रहा। कई देशों में पहली वैक्सीन खेप मिलने पर लोगों की आंखों में आंसू थे। COVID के दौरान कई विकसित देशों ने जरूरत से ज्यादा वैक्सीन जमा कर ली थी। छोटे और गरीब देशों के लिए भारत की वैक्सीन मदद 'जीवनरेखा' जैसी थी। भारत दुनिया के सबसे कुशल वैक्सीन उत्पादकों में से एक है। वैश्विक सप्लाई चेन भारत के बाहर से आती है, इसलिए दुनिया के साथ सहयोग जरूरी है।

दिल्ली में कड़ाके की ठंड, गिर सकता है अधिकतम तापमान, वायु प्रदूषण 'खतरनाक'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज कड़ाके की ठंड है। वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। राजधानी में सुबह घना कोहरा छाया रहा। इससे कुछ क्षेत्रों में दृश्यता काफी कम हो गई। इस सबके बीच इंडिया गेट पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच गणतंत्र दिवस की रिहर्सल जारी रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि आज सुबह दिल्ली में तापमान करीब 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह के शुरुआती घंटों में बहुत घना कोहरा रहा। विभाग के अनुसार, दिन भर घने कोहरे की परत बनी रहेगी। कल से मौसम में सुधार होने की संभावना है। दिल्ली का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15 से 17 और 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहने की संभावना है। इसके अलावा अधिकतम तापमान के सामान्य से काफी नीचे रहने की भविष्यवाणी की गई है। दिल्ली में आज नए साल के दूसरे दिन हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, सुबह करीब 8:00 बजे समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 348 दर्ज किया गया।

स्विट्जरलैंड के क्रान्स-मोंटाना बार में ब्लास्ट से मरने वालों की संख्या 40 पहुंची

100 से ज्यादा घायल

एजेंसी। क्रान्स-मोंटाना

नए साल के पहले दिन स्विट्जरलैंड में हुए ब्लास्ट पर पुलिस का बयान सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, ब्लास्ट में 40 लोगों की मौत हुई है और 100 से ज्यादा लोग घायल हैं। दूसरी ओर किसी हमले या आतंकी धमाके के एंगल को पुलिस ने नकार दिया है। स्विट्जरलैंड पुलिस के मुताबिक, न्यू ईयर पर स्विस बार में हुई घटना में 40 लोगों की मौत हुई है। 100 से ज्यादा अभी घायल हैं। लेकिन इसकी वजह बता पाना अभी जल्दबाजी होगी। जिस बार में ये घटना हुई वह काफी आलीशान है। इसका नाम ले कॉन्स्टेलेशन बार एंड लाउंज है। ये क्रान्स-मोंटाना के शहर में मौजूद है। स्विस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना को आगजनी माना जा रहा है, न कि आतंकवादी हमला। विस्फोट के वक्त बार में 150 से ज्यादा लोग मौजूद थे, यह विस्फोट बार के बेसमेंट में हुआ था। यह घटना तब हुई है जब स्विट्जरलैंड असामान्य सूखे के दौर के बीच जंगल की आग से जूझ रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया है कि फिलहाल धमाके की वजह की जांच जारी है।

डीआरडीओ जल्द करेगा सुदर्शन चक्र का निर्माणः रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजधानी स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के 68वें स्थापना दिवस के अवसर पर सबसे पहले पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को दिए गए भारत के मुंहतोड़ जवाब यानी ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया और कहा कि देश के इस सैन्य अभियान के दौरान संगठन द्वारा विकसित किए गए हथियारों ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। जो हमारे राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के प्रति डीआरडीओ की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसके बाद उन्होंने स्वतंत्रता दिवस-2025 के मौके पर लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित सुदर्शन चक्र को लेकर विश्वास जताते हुए कहा कि डीआरडीओ जल्द ही इसका निर्माण कर लेगा। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान के जरिए यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि सुदर्शन चक्र पहल के तहत संगठन अगले दस वर्षों में पूर्ण हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को वायु रक्षा प्रणाली से लैस करने के लिए जिम्मेदार है। ऑपरेशन सिंदूर में हमने आधुनिक युग में वायु रक्षा के महत्व को देखा था।

नवाचार संग निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाएं : रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ से निरंतर नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने वाले अधिक क्षेत्रों की पहचान करने का आग्रह किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि संगठन को तेजी से विकसित हो रहे प्रौद्योगिकीय इकोसिस्टम के साथ तालमेल बिठाकर आगे बढ़ते रहने और बदलते वक्त के हिसाब से उत्पाद लाते रहने का अनुरोध भी किया। गहन प्रौद्योगिकी और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों की दिशा में जारी प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस दिशा में प्रगति से न केवल राष्ट्र की क्षमताओं में वृद्धि होगी।

दिल्ली-बिहार जीतने के बाद अब 2026 में बंगाल बीजेपी के लिए नाक का सवाल

एजेंसी। नई दिल्ली

खुद अमित शाह ने संभाली कमान, घुसपैठियों का मुद्दा कितना असर दिखाएगा

इस साल बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव जीता जो इसलिए भी अहम रहा क्योंकि यह जीत 27 साल बाद मिली थी। इस साल बिहार में फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बन गई और इस बार पहले से भी ज्यादा सीटों के साथ। बीजेपी सबसे ज्यादा सीटें जीतकर राज्य में सबसे बड़ी पार्टी भी बनी। चुनावी जीत के लिहाज से साल 2025 बीजेपी के लिए काफी अच्छा रहा। अब नया साल शुरु हो चुका है। सवाल है कि बीजेपी और एनडीए के सामने क्या ये साल अलग तरह की चुनौतियां लेकर आएगा। इस साल तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, असम और पुडुचेरी में चुनाव होना हैं। ये चुनावी साल बीजेपी के लिए ज्यादा अहम इसलिए है क्योंकि वह तमिलनाडु और केरल में अपनी जड़ें जमाने की काफी वक्त से कोशिश कर रही है। हालांकि बीजेपी ने केरल में अपनी मौजूदगी दर्ज करना शुरू कर दिया है, लेकिन अब भी मिशन साउथ की सफलता के लिए उसे लंबी राह तय करनी है। पश्चिम बंगाल से उसे पिछले चुनाव में भी बहुत उम्मीद थी, लेकिन वह पूरी नहीं हुई। इस बार उसके लिए यह नाक का सवाल है। यहां खुद गृह मंत्री अमित शाह ने कमान संभाल ली है। बांग्लादेश की उथल-पुथल और घुसपैठियों के मुद्दे के बीच देखना होगा कि बीजेपी पश्चिम बंगाल में कितना असर दिखाती है। असम में बीजेपी की सरकार है और यहां उसके सामने सत्ता बचाने की चुनौती है। पश्चिम बंगाल की तरह ही यहां भी बांग्लादेश के हालात और घुसपैठिए ये दोनों ही बड़ा मुद्दा हैं। इस साल बीजेपी को एक और फ्रंट पर काम करना होगा। वह है सहयोगियों को एकजुट रखना। केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार है और बीजेपी के पास इस बार अपना बहुमत नहीं है। जाहिर है, ऐसे में उसकी आगे की राह उतनी आसान नहीं रहेगी। इन मुश्किलों के संकेत अभी से मिलने लगे हैं। मिसाल के तौर पर एनडीए में शामिल बिहार के ही कुछ छोटे दल राज्यसभा सीट की मांग को लेकर नाराजगी दिखा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट समेत देश भर की अदालतों में पेंडिंग 5.41 करोड़ मामले बने चुनौती

नई दिल्ली। देश में जुडिशरी के सामने अभी भी सबसे बड़ी चुनौती करोड़ों की पेंडेंसी को लेकर है। देश भर की निचली अदालतों, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कुल मिलाकर भारी पेंडेंसी है। 28 दिसंबर 2025 के आंकड़ों के मुताबिक देश भर की निचली अदालतों, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कुल मिलाकर 5 करोड़ 41 लाख केस पेंडिंग हैं। देशभर की निचली अदालतों में 4.76 करोड़ केस पेंडिंग है। इनमें 3.65 करोड़ मामले क्रिमिनल हैं और बाकी सिविल मैटर के हैं। निचली अदालतों में यूपी में कुल 1.13 करोड़ मामले पेंडिंग है। वहीं दिल्ली की निचली अदालतों में 15.85 लाख मामले पेंडिंग हैं। तो सुप्रीम कोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक अभी 91,892 मामले पेंडिंग है। राज्यों के हाईकोर्ट में 63.67 लाख मामले पेंडिंग हैं। इन पेंडेंसी में 19.01 लाख मामले क्रिमिनल है जबकि 44.65 लाख मामले सिविल मैटर हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने नवंबर में शपथ से ठीक पहले कहा था कि उनकी प्राथमिकता होगी कि पेंडेंसी पर काबू पाया जाएं। उन्होंने कहा था, हम सबसे पहले यह देखेंगे कि कैसे कम किया जाए और इसके लिए जो संसाधन है उसका इस्तेमाल बेहतर तरीके से किया जाएगा।

दिल्ली में मर्डरः लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी, पुलिस की जांच पर उठे सवाल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली एक बार फिर गैंगवार और अंडरवर्ल्ड के साए में नजर आई। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में हुए वसीम हत्याकांड की जिम्मेदारी अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ली है। पोस्ट सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच और गैंग एंगल को लेकर सवाल उठने लगे हैं।गैंग की ओर से दावा किया गया है कि यह हत्या उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर हाशिम बाबा के लिए करवाई गई, क्योंकि वसीम कथित तौर पर उसके खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहा था। हालांकि पुलिस इससे पहले इस हत्याकांड को आपसी रंजिश का मामला बताते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर चुकी है। मामला तब और गंभीर हो गया जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में लिखा गया कि वसीम गैंगस्टर हाशिम बाबा के खिलाफ बोल रहा था इसलिए उसे मारा गया। गैंग ने यह भी इशारा किया कि हत्या का आदेश तिहाड़ जेल से दिया गया। हालांकि पुलिस अभी इस पोस्ट की सत्यता और इसके पीछे की मंशा की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड निम्न दबाव के कारण छाये बादल, बढ़ी कनकनी

रांची। रांची सहित आसपास के कई जिलों में निम्न दबाव के चलते शुक्रवार को आंशिक बादल छाया रहा। इससे ठंड में वृद्धि दर्ज की गई। यह जानकारी मौसम विभाग ने शुक्रवार को दी। विभाग के अनुसार उत्तर पश्चिमी बांग्लादेश और इससे सटे हिमालयी क्षेत्र और पश्चिम बंगाल में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसका प्रभाव झारखंड के विभिन्न जिलों में भी देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि शुक्रवार को राज्य के विभिन्न जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। साथ ही देर रात और तड़के सुबह में कुहासा छाया रहा। इसके कारण लोगों को ठंड महसूस हुई हालांकि दिन चढ़ने के साथी मौसम साफ हो गया और धूप निकलने के बाद लोगों को राहत मिली। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते एक निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तरी पाकिस्तान और इससे लगे पंजाब और उत्तर पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर बना हुआ है। इसका प्रभाव आने वाले दिनों में झारखंड सहित विभिन्न राज्यों में दिखाई देगा। इधर मौसम विभाग ने राज्य के उत्तरी जिलों देवघर, दुमका, साहिबगंज, पाकुड़ और गिरिडीह में चार जनवरी तक घना कुहासा छाया रहेगा। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस बहरागोड़ा में और सबसे कम तापमान गुमला में 6.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं, शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री, जमशेदपुर में 26.4 और 11.6 डिग्री, डालटेनगंज में 26.4 और 7.7 डिग्री, बोकारो में 24.5 और 9.1 डिग्री, चाईबासा में 27 डिग्री और 10 डिग्री, खूंटी में अधिकतम 24.9 और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री, लोहरदगा में 24.6 और 8.7 डिग्री, लातेहार में 20.2 और 10.4 डिग्री और सरायकेला में अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती पर होगा फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

रांची। दिशुम गुरु शिबू सोरेन की जयंती पर बुढ़मू में एक विशाल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जनवरी से की जाएगी।आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 64 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रवेश शुल्क 1100 निर्धारित किया गया है। सभी खिलाड़ियों को मैच के लिए जर्सी प्रदान की जाएगी। विधायक प्रतिनिधि शमीम बड़ेहार ने शुक्रवार को बताया कि विजेता टीम को 20,000 का प्रथम पुरस्कार, द्वितीय स्थान पर रहने वाली टीम को 15,000, तृतीय और चतुर्थ स्थान प्राप्त टीमों को 10,000-10,000 रूपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में झारखंड सरकार के खेल मंत्री सुदीप सोनू बतौर मुख्य अतिथि एवं कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे।

खूंटी आएंगे अर्जुन मुंडा तीन को आयेंगे

खूंटी। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा तीन जनवरी को खूंटी आएंगे। अर्जुन मुंडा शनिवार को अपराहन 3:00 बजे मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के पैतृक गांव टकरा पहुंचेंगे और जयपाल सिंह मुंडा जयंती समारोह में भाग लेंगे। उसके बाद अपराह्न 3:30 बजे पीडब्ल्यूडी डाक बंगला में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करेंगे और जमशेदपुर के लिए रवाना होंगे। यह जानकारी पूर्व सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार ने दी।

एक्सएलआरआइ में तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 का आयोजन

नैतिकता, सततता और जिम्मेदार नेतृत्व पर होगा वैश्विक विमर्श

पूर्वी सिंहभूम | जमशेदपुर स्थित देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान एक्सएलआरआइ – जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एक बार फिर वैश्विक बौद्धिक संवाद का केंद्र बनने जा रहा है। जे.आर.डी. टाटा फाउंडेशन फॉर बिजनेस एथिक्स के तत्वावधान में एक्सएलआरआइ में तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में भारत सहित दुनिया भर से उद्योग जगत के दिग्गज, शिक्षाविद, नीति-निर्माता और शोधकर्ता भाग लेंगे। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 9 जनवरी 2026 की शाम 4:30 बजे से शुरू होकर 11 जनवरी 2026 की दोपहर 1:00 बजे तक एक्सएलआरआइ परिसर में आयोजित होगा। शुक्रवार को एक्सएलआरआइ की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, तीन दिनों तक चलने वाला यह सम्मेलन विचारों, अनुभवों और शोध के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा। सम्मेलन का मुख्य विषय "व्यवसाय और नेतृत्व की पुनर्कल्पनाः नैतिकता, सततता और जिम्मेदार विकास का भविष्य" निर्धारित किया गया है। इस विषय के माध्यम से बदलते वैश्विक परिदृश्य में व्यवसाय और नेतृत्व की भूमिका पर गहन चिंतन किया जाएगा। तीन दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नैतिक नेतृत्व, सतत और समावेशी व्यावसायिक मॉडल, मानव-केंद्रित अर्थव्यवस्था और जिम्मेदार कॉर्पोरेट आचरण जैसे अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। सम्मेलन का उद्देश्य यह समझना है कि आधुनिक व्यवसाय किस प्रकार सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ सकता है। सम्मेलन के दौरान कई समकालीन और अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। इनमें मानव-केंद्रित अर्थव्यवस्था के लिए नेतृत्व की नई परिभाषा,लाभ से आगे बढ़कर नैतिक व्यावसायिक ढांचे, संस्थागत पुनर्नवीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानव भविष्य, पृथ्वी-केंद्रित उत्तर-विकास मॉडल जैसे विषय प्रमुख रहेंगे। इस सम्मेलन को विशेष बनाने के लिए वैश्विक स्तर के विशेषज्ञों के मुख्य भाषण, शोध पत्र प्रस्तुतियां, पैनल चर्चाएं, कार्यशालाएं और संवादात्मक सत्र आयोजित किए जाएंगे। इससे प्रतिभागियों को नई सोच और नवाचार से परिचित होने का अवसर मिलेगा। एक्सएलआरआइ का यह आयोजन जिम्मेदार प्रबंधन शिक्षा और नैतिक नेतृत्व को बढ़ावा देने की उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। संस्थान ने उद्योग जगत के पेशेवरों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं से इस परिवर्तनकारी वैश्विक संवाद में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। एक्सएलआरआइ प्रबंधन का मानना है कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से भविष्य के व्यवसाय और नेतृत्व को अधिक नैतिक, सतत और मानव-केंद्रित दिशा दी जा सकती है, जिससे समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण—तीनों का संतुलित विकास संभव हो सके।

तोरपा में पर्यटन स्थलों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर अहम बैठक

एजेंसी। खूंटी

तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया की अध्यक्षता में शुक्रवार को रनिया, तोरपा एवं तपकारा थाना क्षेत्र के पर्यटन स्थलों की सुरक्षा, सुविधा और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में रनिया, तोरपा, तपकारा थाना के प्रभारी, पदाधिकारियों के साथ-साथ पेरवा घाघ, चंचला घाघ, पांडुपुडिंग एवं सप्तधारा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों के पर्यटन मित्रों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य पर्यटन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा दोपहिया वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना था। विचार-विमर्श के दौरान पुलिस प्रशासन एवं पर्यटन मित्रों की सर्वसम्मति से कई अहम निर्णय लिए गए। निर्णय के अनुसार अब पर्यटन स्थलों पर बिना हेलमेट दोपहिया वाहनों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा। इस नियम के अनुपालन में पर्यटन मित्रों को स्थानीय पुलिस बल का सहयोग प्राप्त होगा। इसके साथ ही वाहनों की तेज गति पर नियंत्रण के लिए सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। बैठक में यह भी तय किया गया कि पर्यटन मित्र पर्यटकों के साथ सौहार्दपूर्ण, सहयोगात्मक एवं जिम्मेदार व्यवहार करेंगे, जिससे क्षेत्र की सकारात्मक छवि बने और पर्यटक सुरक्षित एवं सुखद अनुभव के साथ लौटें। इस अवसर पर तोरपा थाना इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, तोरपा थाना प्रभारी मुकेश यादव, तपकारा थाना प्रभारी नितेश कुमार, रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार सहित पर्यटन मित्र कृष्णा चिक बड़ाइक, हिंगूआ गुड़िया, सुखराम गुड़िया एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र के विकास के साथ-साथ पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोपरि है। प्रशासन और स्थानीय लोगों के समन्वय से ही सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आकर्षक पर्यटन स्थल विकसित किए जा सकते हैं।

राकांपा की बैठक में ग्राम सभा अधिकार और जनजाति कल्याण के मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा की ओर से शुक्रवार को जमशेदपुर के मानगो नगर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम सभा के अधिकार, जनजाति कल्याण, रोजगार सृजन और स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता मानगो नगर निगम क्षेत्र प्रभारी तन्मय सरकार ने की, जबकि संचालन महानगर अध्यक्ष सौरव ओझा ने किया। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं नगर निकाय प्रभारी डॉ. पवन पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष अनवर हुसैन, जिला अध्यक्ष जितेन्द्र मिश्रा सहित कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. पवन पांडेय ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा पेशा कानून को लागू करना एक ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने बताया कि यह कानून झारखंड गठन से पूर्व से लंबित था और इसे लागू होने में लगभग 25 वर्ष लग गए। उन्होंने कहा कि इस कानून के जरिए ग्राम सभाओं को संवैधानिक अधिकार मिले हैं, जिससे जनजाति समुदाय के संरक्षण और स्वशासन को मजबूती मिली है। डॉ. पांडेय ने कहा कि अब ग्राम सभाओं की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है और उन्हें इन अधिकारों का उपयोग कर जनजाति समाज को रोजगार और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। डॉ. पांडेय ने गुवा गोली कांड का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों को शहीद का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मृतक परिवारों के सदस्यों को तत्काल सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी वर्तमान सरकार की है और यदि इस मामले में सरकार देरी करती है, तो राकांपा आंदोलन का रास्ता अपनाएगी। बैठक में उपस्थित नेताओं ने जनजाति कल्याण, ग्राम सभा अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन और क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए। बैठक के अंत में डॉ. पवन पांडेय ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, जनजाति अधिकारों की रक्षा और शहीद परिवारों को न्याय दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। इस अवसर पर अनवर हुसैन, जितेन्द्र मिश्रा, सौरव ओझा, तेजपाल सिंह टोनी, कन्हैया अग्रवाल, विनोद सिंह, मनोज मलहान, आशुतोष कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डालसा ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

नववर्ष के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) जमशेदपुर की ओर से संवेदना का परिचय देते हुए रात्रिकालीन कंबल वितरण अभियान चलाया गया। व्यवहार न्यायालय जमशेदपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष अरविंद कुमार पांडेय के निर्देश पर एक जनवरी की रात 10 बजे से 12 बजे तक शहर के विभिन्न चौक-चौराहों और रेलवे स्टेशन क्षेत्रों में सड़क किनारे सो रहे गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किए गए। कड़ाके की ठंड और शीत लहर के बीच प्रधान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) विशाल गौरव तथा डालसा सचिव कुमार शौरव त्रिपाठी ने स्वयं रात्रि भ्रमण कर जरूरतमंदों से मुलाकात की और करीब 50 लोगों को अपने हाथों से कंबल सौंपे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिसका कोई नहीं होता, उसके लिए डालसा सहारा बनकर खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है और न्याय से वंचित या सहायता के इच्छुक लोग डालसा कार्यालय से संपर्क कर निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस कंबल वितरण कार्यक्रम में डालसा कार्यालय के प्रधान सहायक संजय कुमार, रवि मुर्मू सहित पीएलवी नागेंद्र कुमार, दिलीप जायसवाल, संजय तिवारी, मनोज महतो, सुनील पांडेय, अरुण रजक और शंकर गोराई ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस पहल को शहर में नववर्ष पर मानवता, करुणा और सामाजिक दायित्व का सशक्त संदेश माना जा रहा है।

पेसा कानून की आड़ में आदिवासी पहचान कमजोर करने की साजिश : बाबूलाल मरांडी

एजेंसी। रांची

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार और कुछ राजनीतिक दलों पर पेसा कानून की आड़ में आदिवासी पहचान को कमजोर करने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की आस्था, परंपरा और पहचान प्राचीन सनातन मूल्यों से गहराई से जुड़ी हुई है, जो सदियों से उनकी सामाजिक संरचना, स्वशासन व्यवस्था और जीवन पद्धति की मजबूत नींव रही है। शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में मरांडी ने कहा कि झारखंड सरकार और कुछ राजनीतिक दल वोटबैंक की राजनीति और विदेशी धर्मों के प्रभाव में आदिवासी समाज की जड़ों को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में धर्मांतरण, घुसपैठ और लालच जैसे हथकंडों के जरिए आदिवासी समाज को बांटने की सुनियोजित साजिश रची जा रही है। नेता प्रतिपक्ष ने इस पूरे मामले में राज्य सरकार की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में सरकार की मशीनरी भी कहीं न कहीं आदिवासी समाज को उनकी परंपरागत पहचान और मूल से दूर करने का प्रयास करती दिखाई दे रही है, जो बेहद चिंताजनक है। बाबूलाल मरांडी ने पेसा कानून को लेकर भी राज्य सरकार की नीयत पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भले ही अदालत के दबाव में सरकार को पेसा कानून लागू करना पड़ा, लेकिन आज भी आदिवासी समाज को इसके वास्तविक प्रावधानों और अधिकारों को लेकर अंधेरे में रखा जा रहा है। पेसा की मूल भावना यानी आदिवासी स्वशासन को लेकर सरकार की ओर से कोई स्पष्टता नहीं है। मरांडी ने कहा कि आदिवासी समाज की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था सदियों पुरानी है, जिसमें मांझी-परगना, मुंडा-मानकी-दिउरी, ढोकलो-सोहोर, हातु मुंडा, पड़हा राजा, पाहन, सरदार, नापा और डाकुआ जैसे पदों को सामाजिक मान्यता प्राप्त रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेसा कानून तभी सार्थक होगा, जब इन पारंपरिक संस्थाओं और पदाधिकारियों को विधिवत कानूनी मान्यता दी जाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब तक पेसा के वास्तविक अधिकार मूल आदिवासियों और उनकी पारंपरिक ग्राम सभाओं को नहीं सौंपे जाते, तब तक इस कानून का उद्देश्य अधूरा ही रहेगा। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि पेसा नियमावली को सार्वजनिक किया जाए और ग्रामसभा के अधिकारों तथा पारंपरिक स्वशासन पद्धति को लेकर सरकार अपनी स्थिति स्पष्ट करे।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

सोनारी थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचवटी नगर रोड नंबर-2 स्थित एक मकान में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान सलोनी मुखी के रूप में हुई है, जो अपने ही घर में पंखे से फांसी पर झूलती हुई मिली। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई। परिजनों के अनुसार वर्ष 2022 में सलोनी की शादी आपसी सहमति से उमंग मुखी से हुई थी। शादी के बाद से ही सलोनी मानसिक रूप से परेशान रहती थी और अक्सर गुमसुम दिखाई देती थी। हाल के कई महीनों से वह अपने ससुराल में न रहकर बड़ी बहन के घर रह रही थी, जिससे उसके वैवाहिक जीवन में तनाव की बात सामने आ रही है। बताया गया कि गुरुवार की रात सलोनी ने सामान्य रूप से घर में खाना-पीना किया और अपने कमरे में सोने चली गई। शुक्रवार सुबह जब परिजनों ने कमरे में जाकर देखा तो वह पंखे से फांसी लगाई हुई मिली। इस दौरान मृतका का पति उमंग मुखी मौके से फरार बताया जा रहा है, जिससे मामले को लेकर परिजनों का संदेह और गहरा गया है। सूचना मिलने पर सोनारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालांकि परिजनों ने पति की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और इसे हत्या की आशंका बताते हुए ससुराल पक्ष की भूमिका की गहन जांच की मांग की। परिजनों का आरोप है कि यह मामला केवल खुदकुशी का नहीं हो सकता और इसके पीछे पारिवारिक उत्पीड़न की आशंका है। घटना के बाद से ससुराल पक्ष के अन्य लोग भी फरार बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस परिजनों को समझाने का प्रयास कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है।

धालभूम के नवपदस्थापित एसडीओ अर्नव मिश्रा ने संभाला पदभार, उपायुक्त से की शिष्टाचार भेंट

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम के धालभूम अनुमंडल को शुक्रवार को नया अनुमंडल पदाधिकारी मिल गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 2023 बैच के अधिकारी अर्नव मिश्रा ने धालभूम अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी से शिष्टाचार भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। पदभार ग्रहण के बाद नवपदस्थापित एसडीओ अर्नव मिश्रा ने उपायुक्त से मुलाकात की और उन्हें अपनी ओर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस दौरान उपायुक्त ने अर्नव मिश्रा को उनके नए दायित्व के लिए बधाई दी और सफल कार्यकाल की कामना की। शिष्टाचार भेंट के दौरान उपायुक्त ने एसडीओ को प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन, जनहित से जुड़े मामलों के प्रभावी निष्पादन तथा अनुमंडल क्षेत्र में बेहतर विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवपदस्थापित अधिकारी अपने अनुभव और दक्षता से क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। एसडीओ अर्नव मिश्रा ने अपने दायित्वों के निर्वहन में जनसेवा, पारदर्शिता और संवेदनशील प्रशासन को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जताई है। उनके पदभार ग्रहण से धालभूम अनुमंडल में प्रशासनिक कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद की जा रही है। प्रशासनिक हलकों में अर्नव मिश्रा की नियुक्ति को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी जा रही है और जिले के लोगों को उनसे बेहतर प्रशासन और त्वरित जनसमस्याओं के समाधान की अपेक्षा है।

मानगो नगर निगम चुनाव में आरक्षण सहित अन्य मांग को लेकर जदयू जिलाध्यक्ष ने उपायुक्त से की कार्रवाई की मांग

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव और अपने सहयोगियों के साथ मानगो नगर निगम चुनाव में आरक्षण व्यवस्था को लेकर उत्पन्न हो रही विसंगतियों और मानगो क्षेत्र में की जा रही पुलिस जांच से आम जनता को हो रही परेशानी के संबंध में उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से दोनों मामलों में गंभीरता से जांच कर सुधारात्मक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। सुबोध श्रीवास्तव ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि जिला प्रशासन द्वारा मानगो नगर निगम चुनाव के लिए वार्डवार आरक्षण सूची जारी की गई है, जिसमें सामान्य, पिछड़ा वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि आरक्षण की यह व्यवस्था स्वागत योग्य है, लेकिन वर्तमान में कई जनप्रतिनिधियों के जाति प्रमाणपत्र को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कुछ मामलों में जाति प्रमाणपत्र संदिग्ध या त्रुटिपूर्ण हैं, जिसके कारण वास्तविक आरक्षित वर्ग के योग्य उम्मीदवार चुनाव लड़ने से वंचित हो रहे हैं। इससे चुनाव की निष्पक्षता और सामाजिक न्याय की भावना प्रभावित हो रही है। उन्होंने मांग की है कि प्रशासन इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए और सभी संभावित उम्मीदवारों के जाति प्रमाणपत्रों का सत्यापन सुनिश्चित करे, ताकि वास्तविक हकदारों को उनका संवैधानिक अधिकार मिल सके और आरक्षण का उद्देश्य पूरा हो। पत्र में दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा मानगो क्षेत्र में पुलिस द्वारा की जा रही सघन जांच का उठाया गया है। सुबोध श्रीवास्तव ने बताया कि मानगो चौक सहित कई स्थानों पर लगातार पुलिस चेकिंग की जा रही है, जिससे आम नागरिकों, दैनिक यात्रियों, कामकाजी लोगों और व्यापारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा आवश्यक है, लेकिन जिस तरीके से जांच की जा रही है, उससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने सुझाव दिया है कि चेकिंग व्यवस्था की पुनः समीक्षा की जाए और आवश्यकता अनुसार इसे अन्य उपयुक्त स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि सुरक्षा भी बनी रहे और आम जनता को अनावश्यक परेशानी न हो। जदयू जिलाध्यक्ष ने उपायुक्त से इन दोनों विषयों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने की अपील की है। उनका कहना है कि समय रहते कदम उठाने से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता भी बनी रहेगी और जनता का प्रशासन पर विश्वास भी मजबूत होगा।

मासिक लोक अदालत में 17 मामलों का निष्पादन, 1.18 लाख का सेटलमेंट

एजेंसी। खूंटी

राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा), रांची के निर्देश पर शुक्रवार को व्यवहार न्यायालय परिसर, खूंटी में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत का उद्देश्य न्यायालय में लंबित तथा प्री-लिटिगेशन से जुड़े मामलों का त्वरित और सुलभ समाधान सुनिश्चित करना रहा। लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) के अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के तहत मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए कुल चार बेंचों का गठन किया गया, जिनके माध्यम से विभिन्न प्रकृति के वादों की सुनवाई की गई। लोक अदालत में दीवानी एवं फौजदारी न्यायालयों के सुलहनीय प्रकृति के मामले, एनआई एक्ट से संबंधित वाद तथा बिजली विभाग से जुड़े प्रकरण प्रस्तुत किए गए। डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने जानकारी दी कि गठित तीन बेंचों के माध्यम से न्यायालय में लंबित कुल 17 मामलों का आपसी सहमति के आधार पर सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। इन मामलों में कुल 1 लाख 18 हजार 288 रुपये की राशि का सेटलमेंट कराया गया। डालसा सचिव ने कहा कि लोक अदालत आम जनता को त्वरित, सुलभ और कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। इससे न केवल लोगों को शीघ्र न्याय मिल रहा है, बल्कि न्यायालयों पर बढ़ते मामलों के बोझ में भी कमी आ रही है। लोक अदालत के दौरान प्रथम बेंच में जिला जज प्रथम राकेश कुमार मिश्रा, पैनल अधिवक्ता ममता सिंह एवं सुमित कुमार कश्यप उपस्थित थे। द्वितीय बेंच में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अर्जुन साव, पैनल अधिवक्ता मुकुल कुमार पाठक एवं मदन मोहन राम शामिल रहे, जबकि तृतीय बेंच में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष के.के. सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं अधिवक्ता मौजूद थे।

सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग द्वारा चलाया गया सघन वाहन जांच अभियान

♦ बिना हेलमेट वाहन चालकों को गुलाब देकर किया जागरूक

कैलांचल टाइम्स

गोड्डा : नगर थाना के समीप शुक्रवार को जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया ने गुलाब फूल देकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान वाहन चालकों को गुलाब का फूल देकर यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया। उक्त जागरूकता अभियान के क्रम में जिला परिवहन पदाधिकारी

के द्वारा हेलमेट, सीट बेल्ट, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन कागजात एवं ओवरलोडिंग आदि की जांच की गई, साथ ही वाहन चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग, निर्धारित गति सीमा का पालन तथा नशे में वाहन न चलाने के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के जागरूकता अभियान का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ लोगों में सकारात्मक सोच विकसित करना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। इस दौरान बिना हेलमेट पहने बाइक चला रहे लोगों को गुलाब का फूल देकर यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। साथ ही हमेशा हेलमेट का उपयोग करने की अपील की गयी। कार्यक्रम के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गोड्डा के द्वारा जानकारी दी गई की जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता माह 2026 मनाया जा रहा है, इस दौरान लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। बिना हेलमेट व ट्रिपल लोड वाले बाइक चालकों को फूल देकर जागरूक किया जा रहा हैं। इसके बावजूद यातायात नियमों का पालन नहीं करने पर जुर्माना के साथ-साथ कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने अभिभावकों को नाबालिग बच्चों को बाइक व स्कूटी नहीं देने की अपील की। वहीं सदर थाना प्रभारी ने कहा कि अपनी सुरक्षा के लिए दोपहिया वाहन चालक हेलमेट का प्रयोग करें। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की जायेगी।उक्त अभियान में जिला परिवहन विभाग के कर्मी व जिला बल के जवान शामिल थे।

लोगों में जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करने का है प्रयास : डीसी

♦ सड़क सुरक्षा को लेकर उपायुक्त ने जागरुकता रथ को किया रवाना

कैलांचल टाइम्स

गोड्डा : नव वर्ष के अवसर पर गोपनीय शाखा कार्यालय से उपायुक्त अंजली यादव के द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत सड़क सुरक्षा को लेकर जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर जागरुकता रथ को रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में भ्रमण कर लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में बताएगा। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल से सड़क सुरक्षा में सुधार संभव है। सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता रथ को सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता रथ को रवाना किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा नशे की हालत में वाहन न चलाएं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और बहुमूल्य जीवन की रक्षा की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोगों को यातायात नियमों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गुड समैरिटन बनने वालों को अब 25,000 तक की आर्थिक सहायता और सम्मान पत्र दिया जाएगा। ओवरलोडिंग और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। मुख्य चौराहों और सड़कों पर नियमित जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उपायुक्त ने कहा कि यह अभियान लोगों में जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करने का प्रयास है। सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता ही दुर्घटनाओं को रोकने का प्रभावी माध्यम है। मौके पर जिला परिवहन कार्यालय के कर्मीगण मौजूद थे।

नए वर्ष की रात लगी आग, 13 दुकानें जलकर खाक

कैलांचल टाइम्स

धनबाद। निरसा थाना क्षेत्र के निराशा बाजार के समीप फुटपाथ पर स्थित 13 से अधिक दुकानें नए साल की देर रात भीषण आग की चपेट में आकर पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। आग लगने की इस घटना में अनुमानित 15 से 20 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रभावित दुकानों में तीन चिकन-मुर्गा की दुकानें, तीन होटल/खाने-पीने की दुकानें, एक सैलून, तीन फल दुकानें और तीन कपड़ों की दुकानें शामिल हैं। बताया जा रहा है कि आग लगने का कारण इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट हो सकता है। आग की सूचना मिलते ही डीवीसी मैथन सीआईएसएफ फायर ब्रिगेड और एमपीएल की एक फायर

ब्रिगेड गाड़ी मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सीआईएसएफ की तत्परता से आसपास की अन्य दुकानों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया। घटना के बाद दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। एक दुकानदार सुजीत रविदास ने बताया कि उन्हें रात करीब 12 बजे आग लगने की सूचना मिली। जब वे मौके पर पहुंचे तो दुकान पूरी तरह जल चुकी थी। उनके अनुसार उन्हें सात से आठ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यदि दमकल की गाड़ी समय पर पहुंचती, तो कई दुकानें बचाई जा सकती थीं। एक कपड़ा दुकानदार ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दुकान में रखा सारा कपड़ा और सामान जल चुका था। उन्हें तीन से चार लाख रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं एक अन्य दुकानदार ने बताया कि उनकी दुकान में रखा इनवर्टर, फ्रिज, चिकन और अन्य सामान पूरी तरह जल गया। उन्होंने प्रारंभिक नुकसान दो से तीन लाख रुपये बताया है, हालांकि वास्तविक नुकसान इससे अधिक होने की संभावना है।

सोहराय को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल

कैलांचल टाइम्स

गोड्डा :: जिला मुख्यालय सहित सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासी समाज का प्रमुख पर्व सोहराय सह बंधना नौ जनवरी से शुरू हो रहा है। इसको लेकर आदिवासी बहुल गांवों में तैयारी जारी है। ग्रामीणों द्वारा घर के आसपास क्षेत्र सहित गोड-टांडी, गोशाला सहित पूजा स्थल सहित घर व आसपास की सफाई का कार्य जोरों पर है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पथरगामा प्रखंड के बरमसिया गांव निवासी चुनका मुर्मू ने बताया कि सोहराय प्रतिवर्ष नौ जनवरी से शुरू हो जाता है। यह पर्व भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। यह पर्व प्रकृति से जुड़ा हुआ है। भाई अपनी बहन को खासकर इस पर्व में शामिल होने के लिए ससुराल से बिदागरी कराकर लाते हैं और यथोचित सामग्री भी भेंट करते हैं। यह पर्व सात दिनों तक चलता है। पहले दिन को नहाय-खाय के रूप में मनाते हैं। सभी लोग स्नान करने के बाद गोड़-टांडी जाकर अपने देवी- देवता व गुरु का विधिवत पूजन करते हैं। अपनी परंपरा के अनुसार नया अनाज की बनी सामग्री अर्पित करते हैं और मुर्गा की बली भी देते हैं । समाज के लोग आदर सहित प्रसाद ग्रहण करते हैं। दूसरे दिन को झील

दाका के रूप में मनाया जाता है। इसमें लोग पूरे परिवार के साथ पूजन करने के साथ स्वादिष्ट व्यंजन, मांस -मछली खाते है और आनंद मनाते हैं। तीसरे दिन खुटाउं-बंधाउ के रूप में मनाया जाता है। इसमें बैल व बांधने वाला खूंटा का पूजन होता है। बैल के गले में चावल की रोटी का माला पहनाते हैं। गांव के सभी मांजर की थाप पर गांव के पुरुष और महिला की टीम अलग-अलग नाचते-गाते हैं, स्वादिष्ट व्यंजन खाते हैं और मौज मनाते हैं। चौथे दिन को जाली के रूप में मनाते हैं। इस दिन गांव के लोग एक-दूसरे के घर जाकर प्रमाण करते हैं और बड़े-बुढ़ों का आशीर्वाद लेते हैं। फिर मिलजुल खाना खाते हैं और मांदर की थाप पर जकर नाचते- गाते खुशियां मनाते हैं। पांचवें दिन तीर-धनुष का पूजन करते हैं। पूजन के

♦ प्रकृति व भाई-बहन के प्रेम का प्रतिक है सोहराय

दौरान भाई बहन को रक्षा का बरदान देते हैं। छठे दिन सब मिलजुलकर चावल का पूड़ी व अन्य व्यंजन बनाते हैं और कुटुम्ब के साथ आदान- प्रसाद करते हैं। सातवें दिन शिकार करने जाते हैं। शिकार से आने के बाद बहन अपने भाई का पैर धोती है। इसके बाद ही घर घुसने के लिए दिया जाता है। उनके द्वारा लाये गए शिकार को बनाते हैं और सभी मिलजुल खाते हैं। फिर मांदर की थाप पर नाते-गाते हुए खुशियां मनाते हैं। पथरगामा प्रखंड के ढ़ीबा गांव के मांझी हड़ाम हेमलाल मुर्मू ने बताया कि यह पर्व का प्रकृति से जुड़ा हुआ है। नया अनाज को अपनी देवी-देवताओं को अर्पित करने के उपरांत ही उसका उपयोग करने की प्राचीन परंपरा है। इसमें भाई- बहन सहित पूरे गांव के लोग एक साथ सभी देवी-देवताओं का पूजन करते हैं व अपनी पारंपरिक रीति-रिवाज को अक्षुण्ण बनाने का प्रयास करते हैं।

सोहराय महोत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक, राजेंद्र स्टेडियम में कार्यक्रम का होगा आयोजन

कैलांचल टाइम्स

महागामा : पारंपरिक सोहराय महोत्सव मानने को लेकर आदिवासी समाज की बैठक आयोजित की गई। इस महोत्सव की तैयारी को लेकर आदिवासी समुदाय में उत्साह चरम पर है। इस वर्ष सोहराय महोत्सव का भव्य आयोजन राजेंद्र स्टेडियम, महागामा में किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी विषय पर आयोजित बैठक में आदिवासी समाज के वरिष्ठ एवं सामाजिक कार्यकर्ता बेटा राम मुर्मू ने सोहराय पर्व के महत्व, परंपरा और आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए बेटा राम मुर्मू ने कहा कि सोहराय पर्व केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह आदिवासी समाज की सभ्यता, संस्कृति और प्रकृति-पूजन की जीवंत पहचान है। यह पर्व हमें

अपनी जड़ों से जोड़ता है और आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराता है।

फसल कटाई के बाद मनाया जाता है सोहराय : सोहराय पर्व मुख्य रूप से फसल कटाई के बाद मनाया जाता है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। इस अवसर पर धरती माता, पशुधन और कृषि से जुड़े सभी संसाधनों के प्रति धन्यवाद प्रकट किया जाता है। आदिवासी समाज में सोहराय का विशेष महत्व है क्योंकि यह पशुओं की पूजा, घरों की दीवारों पर पारंपरिक सोहराय चित्रकला, नृत्य-संगीत और सामूहिक उत्सव का पर्व है। सभ्यता और संस्कृति का प्रतीक सोहराय पर्व हमारे समाज की उस परंपरा को दर्शाता है, जिसमें मानव, पशु और प्रकृति के बीच संतुलन को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। इस दौरान महिलाएं पारंपरिक रंगों से घरों की दीवारों पर चित्र बनाती हैं, जो समृद्धि, खुशहाली और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक माने जाते हैं। वहीं ढोल-नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और पारंपरिक वेशभूषा इस पर्व की शोभा बढ़ाते हैं। सोहराय महोत्सव को भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारी की जा रही है। आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक नृत्य-गीत, सोहराय चित्रकला की झलक और स्थानीय कलाकारों को मंच देने की योजना है। बैठक में मौजूद लोगों ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से आदिवासी संस्कृति को संरक्षण मिलेगा और युवा पीढ़ी अपनी परंपराओं को गर्व के साथ अपनाएगी। अंत में बेटा राम मुर्मू ने सभी से अपील की कि वे इस महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग करें और सोहराय पर्व के माध्यम से एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक गौरव का संदेश पूरे क्षेत्र में फैलाएं।

महागामा में शहरी रोशनी की नई पहल, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने किया शिलान्यास

कैलांचल टाइम्स

महागामा संवाददाता : नगर पंचायत क्षेत्र में शहरी बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई। वहीं पूजा अर्चना कर विधिवत शिलान्यास किया गया। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत सभी वार्डों में हाई मास्ट, मिनी हाई मास्ट, सोलर स्ट्रीट लाइट एवं स्ट्रीट लाइट के अधिष्ठापन कार्य का शिलान्यास शुक्रवार को किया गया। इस महत्वाकांक्षी योजना पर कुल 2 करोड़ 19 लाख 76 हजार 289 रुपये की राशि व्यय की जाएगी।शिलान्यास कार्यक्रम में महागामा विधानसभा क्षेत्र की विधायक एवं झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास सह पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि शहर की बेहतर रोशनी न सिर्फ सुरक्षा बढ़ाएगी, बल्कि आमजन के जीवन को भी सुगम बनाएगी। मंत्री ने कहा कि नगर क्षेत्र के हर वार्ड में आधुनिक प्रकाश व्यवस्था से रात्रि में आवागमन आसान होगा और असामाजिक गतिविधियों पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्मार्ट सुविधाओं से युक्त बनाना है। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे नगर पंचायत के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। इस कार्यक्रम के मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी आलोक वरण केसरी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद, नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद प्रसाद अग्रवाल, अंचलाधिकारी डॉ खगेन महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी सोनाराम हंसदा, थाना प्रभारी मनोज पाल, जिला अध्यक्ष याहया सिद्दीकी, कांग्रेस नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज दास, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मिहिनाज आलम सहित अन्य कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा वनभोज की हो रही तैयारी, मंत्री दीपिका होंगी शामिल

कैलांचल टाइम्स

ठाकुरगंगटी : नववर्ष के आगमन के अवसर पर महागामा विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का वन भोज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम ठाकुरगंगटी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नेचर पार्क ककरघट के उत्तर दिशा स्थित खुले पहाड़ी मैदान में संपन्न होगा, जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस वन भोज कार्यक्रम को लेकर युवा कांग्रेस नेता अंकेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में महागामा विधानसभा क्षेत्र के सभी कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे। खास बात यह है कि कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की भी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं के आपसी संवाद और संगठनात्मक मजबूती पर भी चर्चा होगी। वहीं वन भोज के अवसर पर विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जिससे कार्यक्रम और भी आकर्षक बनेगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में इस कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

जमशेदपुर में सड़क सुरक्षा माह, यमराज बनकर प्रशासन ने दिया जीवन रक्षा का संदेश

कैलांचल टाइम्स

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर में जिला उपायुक्त के निर्देश पर 01 जनवरी से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाना है। इसी क्रम में जिला प्रशासन की ओर से शहर में कई रचनात्मक और जन-संवेदनशील गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जमशेदपुर की सड़कों पर इन दिनों एक अनोखा और चौंकाने वाला दृश्य लोगों का ध्यान खींच रहा है। एक ओर वाहन अपनी रफ्तार से दौड़ते नजर आ रहे हैं, तो दूसरी ओर यमराज गदा थामे लोगों को चेतावनी देते दिखाई दे रहे हैं। यह दृश्य किसी नाटक या फिल्म का हिस्सा नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन की

एक विशेष और रचनात्मक पहल है। शहर की प्रमुख सड़कों पर शुक्रवार को यमराज का रूप धरे कलाकार नजर आए। ये कलाकार बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों और यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों को रोककर उन्हें संभावित खतरों का एहसास करा रहे थे। कभी गर्जना तो कभी प्रतीकात्मक तांडव के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा था कि लापरवाही की कीमत जान से भी चुकानी पड़ सकती है। हालांकि यह रूप लोगों को डराने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें समय रहते सचेत करने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया। अभियान के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) और ट्रैफिक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) स्वयं सड़क पर मौजूद रहे। इस अभियान की सबसे खास बात यह रही कि नियम तोड़ने वालों को दंडित करने के बजाय उन्हें फूल भेंट कर समझाया गया। अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा नियम केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का मजबूत आधार हैं। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनें, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करें, ट्रैफिक संकेतों और नियमों का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने कहा कि थोड़ी-सी सावधानी न केवल स्वयं की, बल्कि दूसरों की जान भी बचा सकती है। जिला प्रशासन का मानना है कि इस तरह के रचनात्मक और मानवीय प्रयासों से लोगों में यातायात नियमों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होगी। सड़क सुरक्षा माह के दौरान ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि जमशेदपुर की सड़कों को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके।

यह जीत युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी : उपायुक्त

♦ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने पर डीसी ने झारखंड टीम को दी बधाई

कैलांचल टाइम्स

गोड्डा : समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त अंजली यादव ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने पर विजेता टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सचिव रंजन कुमार ने उपायुक्त को ट्रॉफी सौंपी। उपायुक्त ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए यह प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल की है, यह ट्रॉफी गोड्डा आने पर जो जिले के लिए गर्व का विषय है। उपायुक्त ने खेल संघ के सचिव, खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि यह जीत युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और खेल संस्कृति को और सशक्त करेगी। उन्होंने भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए भी टीम को शुभकामनाएं दीं। मौके पर उपाध्यक्ष अमित बोस, तनवीर अहमद इरफानी एवं क्रिकेट संघ के सदस्य गण मौजूद थे।

मालगोदाम रोड पर जल्द लगेगी स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन, रेल यात्रियों को मिलेगी बड़ी सुविधा

कैलांचल टाइम्स

पाकुड़ : मालगोदाम रोड पर रेल यात्रियों की सुविधा के लिए जल्द ही स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन लगाए जाने की दिशा में पहल तेज हो गई है। प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक पूर्व रेलवे कोलकाता उदय शंकर झा को ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के अध्यक्ष हिसाबी राय द्वारा सौंपे गए मांग पत्र के आलोक में मालगोदाम पथ पर अवस्थित दोनों फुट ओवर ब्रिज के नीचे स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन को लेकर स्थल निरीक्षण किया गया। यह संयुक्त निरीक्षण स्टेशन प्रबंधक पूर्व रेलवे पाकुड़ लखीराम हेम्ब्रम, यातायात निरीक्षक वाणिज्य रामपुरहाट सौरभ कुमार दास के नेतृत्व में किया गया। निरीक्षण के क्रम में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता कार्य पाकुड़ परितोष रंजन, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता दूरभाष संजय कुमार ओझा, वरिष्ठ विद्युत अनुभाग अभियंता राजू कुमार, निरीक्षक सह थाना प्रभारी रेलवे सुरक्षा बल संजय कुमार सिंह, मुख्य टिकट निरीक्षक पाकुड़ अखिलेश कुमार चौबे, ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के अध्यक्ष हिसाबी राय, सचिव राणा शुक्ला उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि हावड़ा एवं मालदा छोर पर अवस्थित दोनों फुट ओवर ब्रिज के पास स्थल का चयन किया गया है। दोनों स्थानों पर स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन लगाए जाने के संबंध में सभी पदाधिकारियों ने सहमति जताते हुए यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने की योजना बनाई। ज्ञात हो कि दोनों फुट ओवर ब्रिज से मालगोदाम की ओर सैकड़ों की संख्या में आम यात्रियों का प्रतिदिन आना-जाना होता है, ऐसे में मालगोदाम पथ की ओर से आने-जाने वाले रेल यात्रियों के लिए यह सुविधा अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। तदोपरांत पाकुड़ रेलवे स्टेशन एवं परिसर का मासिक निरीक्षण स्टेशन सुधार समूह द्वारा किया गया। यह निरीक्षण सहायक अभियंता रामपुरहाट विश्वजीत मंडल, सहायक वाणिज्य प्रबंधक हावड़ा गौरचंद किस्कू तथा सहायक संकेत एवं दूरभाष अभियंता रामपुरहाट मुकेश कुमार चौधरी, सहायक सुरक्षा आयुक्त रामपुरहाट राजकुमार साहू के नेतृत्व में सभी स्थानीय पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस क्रम में यह निर्णय लिया गया कि जो भी कार्य स्थानीय स्तर पर किए जा सकते हैं, उन्हें अगले निरीक्षण की तिथि से पूर्व पूर्ण किया जाएगा। प्लेटफार्म संख्या एक एवं दो पर एक शौचालय की व्यवस्था करने की योजना बनी। साथ ही हावड़ा छोर पर अवस्थित फुट ओवर ब्रिज पर दो सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा स्टेशन परिसर में अतिरिक्त कैमरा लगाने का सुझाव दिया गया। कैमरों की संख्या बढ़ाने हेतु रेलवे सुरक्षा बल के साथ अलग से संयुक्त जांच प्रतिवेदन तैयार करने पर भी सहमति बनी। स्टेशन परिसर में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक अतिरिक्त हाई मास्ट लाइट तथा अतिरिक्त विद्युत खंभा लगाने का निर्णय लिया गया। दोनों प्लेटफार्म पर अलग से स्टील कुर्सियां लगाने का निर्देश दिया गया। प्लेटफार्म संख्या एक एवं दो पर रखरखाव के अभाव में खराब पड़े जल शुद्धिकरण यंत्र को शीघ्र मरम्मत कराने का सुझाव भी दिया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य टिकट निरीक्षक अखिलेश कुमार चौबे, वाणिज्य पर्यवेक्षक सिकंदर मंडल एवं वरिष्ठ अनुभाग अभियंता संकेत रणधीर कुमार भी उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी की कोर कमेटी बैठक में धरना कार्यक्रम पर चर्चा

कैलांचल टाइम्स

पाकुड़ : भारतीय जनता पार्टी की कोर कमेटी की बैठक बिरसा चौक स्थित हनुमान मंदिर में जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि 05 जनवरी को नगर परिषद कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा शामिल होंगे। धरना नगर निकाय चुनाव शीघ्र कराने, दलीय आधार पर चुनाव कराने, बैलेट पेपर के स्थान पर ईवीएम से चुनाव, शहरी जलापूर्ति योजना को जल्द पूरा करने, नगर की सफाई एवं सौंदर्यकरण सहित अन्य मांगों को लेकर दिया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बैठक में जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र त्रिवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मीरा प्रवीण सिंह, वरिष्ठ नेता विश्वनाथ भगत, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सम्पा साहा, सपन कुमार दुबे, हिसाबी राय सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परगनैत नियुक्ति वादों का निष्पादन, दो परगनैतों को सनद प्रदान

पाकुड़ : अनुमंडल पदाधिकारी के न्यायालय में लंबित परगनैत नियुक्ति से संबंधित वादों का निष्पादन करते हुए हिरणपुर अंचल अंतर्गत परगना महाल धोवाडांगाल एवं परगना महाल मोहनपुर में परगनैत की नियुक्ति की गई। इस क्रम में परगना महाल धोवाडांगाल के परगनैत पद पर नारायण टुडू तथा परगना महाल मोहनपुर के परगनैत पद पर मिसिर टुडू को सनद प्रदान की गई। बताया गया कि परगना महाल धोवाडांगाल के अंतर्गत 26 ग्राम जबकि परगना महाल मोहनपुर के अंतर्गत 33 ग्राम शामिल हैं। परगनैत का पद ग्राम प्रधान से उच्चतर माना जाता है और इसकी नियुक्ति संथाल परगना मैनुअल 1911 के प्रावधानों के अनुसार की जाती है। परगनैत परगना स्तर पर प्रशासनिक, सामाजिक एवं परंपरागत दायित्वों के निर्वहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नव नियुक्त परगनैतों से अपने-अपने क्षेत्र में न्याय, समन्वय एवं परंपरागत व्यवस्था को सुदृढ़ करने की अपेक्षा जताई गई।

बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

कैलांचल टाइम्स

पाकुड़ : जिले में एसआईआर एवं प्री-एसआईआर प्रक्रिया, धुंधले एवं श्वेत–श्याम मतदाता पहचान पत्र सुधार तथा मतदान केंद्रों के रेशनलाइजेशन से संबंधित बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम रविन्द्र भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मतदाता सूची की शुद्धता, अद्यतन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। निर्वाचन कार्यों में समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया। बताया गया कि मतदाता सूची से संबंधित किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। प्रशिक्षण में निर्देश दिया गया कि जिन क्षेत्रों में अब तक मैपिंग पूर्ण नहीं हुई है, वहां शीघ्र सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से ऐसे टोला एवं क्षेत्र जहां बीएलओ अब तक नहीं पहुंचे हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर कवर करने को कहा गया। नगर क्षेत्र में वंचित मतदाताओं की पहचान कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मृत मतदाताओं के नाम हटाने, स्थानांतरित मतदाताओं की प्रविष्टि सुधारने एवं डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान कर सूची से हटाने का कार्य पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ करने पर बल दिया गया। प्रशिक्षण सत्र में फील्ड स्तर पर आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, दस्तावेज सत्यापन, ऑनलाइन प्रविष्टि एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन पर विशेष चर्चा की गई।

खुड़ुकडांगा में जियोन झरना मसीही क्लब का एक दिवसीय स्पोर्ट्स प्रोग्राम आयोजित

कैलांचल टाइम्स

महेशपुर : महेशपुर प्रखंड अंतर्गत जयनगरा पंचायत के ग्राम खुड़ुकडांगा में जियोन झरना मसीही क्लब की ओर से एक दिवसीय स्पोर्ट्स प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य पिंकु शेख और प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजकों ने मुख्य अतिथियों का पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज के तहत ढोल-मांदर बजाकर स्वागत किया। खेल कार्यक्रम में क्षेत्र के युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरे आयोजन में उमंग का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में युवाओं का जोश, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों के हाथों पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए पिंकु शेख ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे खेल आयोजनों से युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। खेल शारीरिक क्षमता के साथ अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को भी मजबूत करते हैं। वहीं अब्दुल वदूद ने कहा कि खेल से मानसिक और शारीरिक विकास होता है और ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन युवाओं के लिए प्रेरणादायक हैं। कार्यक्रम में टाइगर शेख, लक्ष्मण मरांडी, साहेबराम मुर्मू, कालिदास किस्कु, संतोष मुर्मू, कालेश्वर सोरेन, जोनातन सोरेन, पीटर टुडू, सुशीला टुडू, झामुमो कार्यकर्ता, क्लब अध्यक्ष नाथानियल सोरेन, सचिव साऊल हेम्ब्रम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान, पाकुड़ के पांच अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र

कैलांचल टाइम्स

पाकुड़ः रांची में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित झारखंड सीजीएल परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। पाकुड़ जिले से सफल अभ्यर्थियों में नेसार अहमद (प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, हिरणपुर प्रखंड), विजय कुमार साह (अस्सिटेंट सेक्शन ऑफिसर, महेशपुर प्रखंड), वासुदेव मिधा (श्रम प्रवर्तन अधिकारी, महेशपुर प्रखंड), सूरज प्रकाश (प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, पाकुड़ प्रखंड) और बीरबल कुमार चौधरी (श्रम प्रवर्तन अधिकारी, पाकुड़िया प्रखंड) शामिल हैं। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शाल ओढ़ाकर और पौधा देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी को ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की शुभकामनाएं दी और कहा कि यह सफलता जिले और राज्य के लिए गौरव का क्षण है। उपायुक्त ने यह भी बताया कि कठिन परिश्रम और समर्पण से ही यह सफलता संभव हुई है और अब अभ्यर्थियों को अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी योगदान देने की प्रेरणा मिलेगी।

पारिवारिक विवाद में ससुर के साथ मारपीट, घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती

कैलांचल टाइम्स

पाकुड़िया : थाना क्षेत्र के उपर पारकूड़ा गांव में शुक्रवार को सास और पुत्रवधू के बीच हुए पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान ससुर निमाई दास के साथ मारपीट की गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए पाकुड़िया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। इस संबंध में अस्पताल में इलाजरत निमाई दास ने पाकुड़िया थाना में आवेदन देकर समधी पक्ष के लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह उनकी पत्नी और पुत्रवधू चांदनी दास के बीच कहासुनी हुई थी। सामान्य विवाद को पुत्रवधू ने अपने मायके पक्ष को बढ़ा-चढ़ाकर बताया। आरोप है कि इसके बाद दोपहर में पुत्रवधू के मायके पक्ष के लोग उनके घर पहुंचे और बिना दोनों पक्षों की बात सुने आक्रामक हो गए। इसी दौरान उनके साथ मारपीट की गई, जिससे वे घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

आपसी विवाद में बमबाजी, झिकरहटी पश्चिम गांव में दहशत

कैलांचल टाइम्स

पाकुड़ : जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत झिकरहटी पश्चिम गांव में आपसी विवाद को लेकर बमबाजी की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार एक जनवरी को गांव में पिकनिक के दौरान किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर उसी रात गांव में पंचायती कर मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद शुक्रवार दो जनवरी की दोपहर बाद गांव के पास खेतों में अचानक बमबाजी की गई। विस्फोट की आवाज से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस के पहुंचने तक स्थिति सामान्य हो चुकी थी। पुलिस की मौजूदगी में पूरे गांव में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दोनों गुटों के लोग फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस गांव और आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चला रही है। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नए आधार केंद्र का उद्घाटन, लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

कैलांचल टाइम्स

पाकुड़िया : प्रखंड परिसर में शुक्रवार को नए आधार केंद्र का उद्घाटन बीडीओ सोमनाथ बनर्जी ने किया। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख कालिदास मरांडी, पंचायत समिति सदस्य गायत्री देवी, मुखिया अनिता सोरेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मौके पर बताया गया कि आधार केंद्र का कार्य लंबे समय से किसी कारणवश बाधित था, जिससे लोगों को आधार से जुड़े कार्यों के लिए दुमका या पाकुड़ जाना पड़ता था। इससे ग्रामीणों को समय और धन दोनों का नुकसान हो रहा था। वर्तमान समय में आधार के बिना अधिकांश सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्य आगे नहीं बढ़ पाते हैं। जनता की समस्या को देखते हुए बीडीओ सोमनाथ बनर्जी ने पाकुड़ उपायुक्त से अनुरोध कर प्रखंड परिसर में नए आधार केंद्र की शुरुआत करवाई। ग्रामीणों ने इसे नए साल का बड़ा तोहफा बताया। कार्यक्रम में बीपीओ जगदीश पंडित, सहायक अभियंता रोहित गुप्ता, आधार केंद्र संचालक विष्णु यादव सहित सभी प्रखंडकर्मी उपस्थित थे।

दिनदहाड़े घर में घुसे चोर को लोगों ने बांधकर पीटा, पुलिस ने लिया हिरासत में

कैलांचल टाइम्स

धनबाद। शहर के सबसे व्यस्तम इलाकों में से एक हीरापुर हटिया में शुक्रवार को दिनदहाड़े चोरी की घटना स्थानीय लोगों की सजगता के कारण नाकाम हो गई। लोगों ने मौके पर आरोपित युवक को दबोच लिया और उसकी खंभे से बांधकर पीटाई कर दी। जानकारी के अनुसार एक अज्ञात युवक चोरी की नीयत से हीरापुर हटिया स्थित एक मकान में दाखिल हुआ। घर के लोग दूसरे कामों में व्यस्त थे जिसका फायदा उठाकर चोर कमरों की तलाशी लेने लगा। घर के मालिक गुड्डू सिंह ने बताया कि चोर बेडरूम में घुसकर पलंग का बिस्तर हटाकर कीमती सामान और नकदी ढूंढ रहा था। तभी घर की महिला की नजर उस पर पड़ गई। महिला ने अजनबी को घर के अंदर चोरी की नीयत से सामान खंगालते देख शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर आसपास के पड़ोसी और स्थानीय दुकानदार तुरंत मौके पर जुट गए। इसके बाद भागने की कोशिश कर रहे युवक को भीड़ ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। आक्रोशित स्थानीय लोगों ने पकड़े गए युवक को घर के बाहर एक बिजली के खंभे से बांध दिया। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही धनबाद थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने उत्तेजित भीड़ को शांत कराया और युवक को बंधन मुक्त कर हिरासत में लिया। पकड़ा गया आरोपित कुम्हार पट्टी का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस उसे थाने ले जाकर पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किसी गिरोह का हिस्सा है या अकेले ही वारदातों को अंजाम देता है। इस संबंध में घर के मालिक ने बताया कि वह घर पर थे और अचानक पत्नी के चिल्लाने की आवाज आई। जब अंदर जाकर देखा तो एक युवक पलंग में लगे बिस्तर को उलट-पुलट कर रहा था। शोर सुनकर मुहल्ले वाले आ गए और उसे पकड़ लिया।

तीन अलग-अलग मामलों में चार अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

कैलांचल टाइम्स

पाकुड़ : पाकुड़ मुफ्सिल थाना क्षेत्र में पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पाकुड़ मुफ्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई प्राप्त सूचना और शिकायतों के आधार पर की गई। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी के बाद सभी अभियुक्तों को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी मामले अलग-अलग हैं और कार्रवाई के दौरान कानून के सभी नियमों का पालन किया गया।

जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनी गईं, त्वरित समाधान के निर्देश

पाकुड़ : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। जनता दरबार के दौरान जमीन, सड़क, सहायिका सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। लोगों की समस्याएं सुनने के बाद संबंधित विभागों को सभी आवेदनों की भौतिक जांच कर शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए गए। कहा गया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के भीतर प्रतिपुष्टि कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए, ताकि मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित हो सके। जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना बताया गया, जिससे उन्हें कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के आगमन पर जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन

- राज्य क्रिकेट टीम की सफलता का गवाह बना साहिबगंज
- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का हुआ भव्य स्वागत
- सिदो-कान्हू स्टेडियम में हुए स्वागत कार्यक्रम में एसपी, डीडीसी सहित अतिथियों व सैंकड़ों क्रिकेटरों ने की शिरकत

केलांचल टाइम्स.

साहिबगंज। शहर के सिदो-कान्हू स्टेडियम में शुक्रवार को देश की प्रतिष्ठित सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के आगमन पर जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, डीडीसी सतीश चंद्रा, जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा सहित अन्य ने शिरकत की। इस कार्यक्रम के साथ ही साहिबगंज राज्य क्रिकेट टीम की सफलता का गवाह बन गया। कार्यक्रम में शामिल अतिथियों, जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों, क्रिकेटरों ने इस गौरवांवित करने वाले पल को आत्मसात किया। इसके पूर्व जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा ने अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने क्रिकेट खिलाड़ियों को उभारते हुए कहा कि राज्य क्रिकेट टीम की सफलता सभी क्रिकेटरों को प्रेरित करने वाली है। इससे सभी क्रिक्रेटरों को सबक हासिल कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सफलता के लिए मेहनत की एक रास्ता है। डीडीसी सतीश चंद्रा ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के सभी जिलों में ट्रॉफी का भ्रमण खिलाड़ियों को मेहनत करने और राज्य टीम में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगा। मेहनत ही सफलता की गारंटी है। जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा ने कहा कि बीसीसीआई से आयोजित सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी भारतीय खिलाड़ियों को टी 20 फॉर्मेट में अपनी प्रतिभा दिखाने और आईपीएल और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। झारखंड ने पहली बार इस ट्रॉफी जीत कर इतिहास रच दिया है। वहीं झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन ने इस ट्रॉफी को पूरे राज्य में भ्रमण करा क्रिकेट खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। यह ट्रॉफी झारखंड क्रिकेट की ऐतिहासिक उपलब्धि, खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और राज्य की प्रतिभा का प्रतीक है। इससे जिला के क्रिकेट खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। मौके पर डॉ रंजन कुमार, डॉ सुमित कुमार,चेतन भरतिया, चतुरानंद पांडेय, जयप्रकाश सिन्हा, आफताब आलम, गोपाल चोखानी, सतीश सिन्हा, गोपाल सिंह, राकेश गुप्ता, मो अशफाक आलम, राकेश रोशन, श्याम रंजन तिवारी, चंदन यादव, रवि, अनिकेत, अंकित, चंदन सहित दर्जनों क्रिकेटर, खिलाड़ी और क्रिकेट प्रेमी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

एक सप्ताह से अधिक दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ने से लोग परेशान

साहिबगंज। आसपास के इलाकों में बीते एक सप्ताह से अधिक दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस दौरान सुबह के समय अधिकांश समय कुहासा छाए रहने से और अधिक परेशानी हो रही है। शुक्रवार की सुबह तक मौसम साफ रहा और सूर्योदय होने पर सूर्य भी निकल गयी थी।इसके बाद अचानक फिर वातावरण में चारों ओर घना कुहासा छा गया। इससे सड़क पर दृश्यता काफी कम हो गई तो वाहनों का परिचालन काफी बाधित रहा। हलांकि करीब एक घंटा बाद नौ बजे तक कुहासा छंट गया। इसके बाद धूप भी काफी खिली खिली रही। धूप निकलने के बाद लोगों को ठंड से कुछ राहत मिली।

जनवितरण प्रणाली दुकानदारों को मिला 4जी ई-पॉस मशीन

केलांचल टाइम्स.

उधवा। प्रखंड सभागार कक्ष में शुक्रवार को बीडीओ सह प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी उधवा जयंत कुमार तिवारी की अध्यक्षता में जनवितरण प्रणाली दुकानदारों को एक दिवसीय प्रशिक्षण देकर 4जी ई-पॉस मशीन वितरित की गई। इस दौरान उन्होंने जनवितरण प्रणाली दुकानदारों को ई-पॉस मशीन संचालित करने की विस्तृत जानकारी दी गई। जानकारी के अनुसार लंबे समय से राशन डीलरों द्वारा 2 जी ई पॉस से कार्य कर रहे थे। जिससे लाभुकों को अनाज वितरण करने में धीमी गति के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब 4जी ई-पॉस मशीन से कार्य करने में डीलर को काफी सुविधा मिलेगी। कम समय में ज्यादा से ज्यादा लाभुकों का एंट्री कर अनाज वितरण की जा सकेगी। मौके पर डीलर अब्दुल शेख व कुश रविदास सहित अन्य मौजूद थे।

मिर्ज़ाचौकी प्रशासन के द्वारा चलाया गया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

केलांचल टाइम्स.

मिर्ज़ाचौकी। थाना क्षेत्र अंतर्गत मिर्ज़ाचौकी पश्चिमी फाटक स्थित हनुमान मंदिर के पास शुक्रवार को मिर्ज़ाचौकी थाना प्रभारी के निर्देशानुसार एएसआई विलसन हांसदा तथा एएसआई अमित कुमार के द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल चला रहे वाहन चालकों को रोककर उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।इस अभियान के तहत पुलिस प्रशासन ने सकारात्मक तरीका अपनाते हुए बिना हेलमेट चालकों को फूल देकर तथा माला पहनाकर हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दिया।पुलिस प्रशासन ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश मौतें सिर में गंभीर चोट लगने से होती हैं, जिन्हें हेलमेट पहनकर काफी हद तक रोका जा सकता है। इसलिए सभी दोपहिया वाहन चालकों को नियमों का पालन करते हुए हेलमेट अवश्य पहनना चाहिए।इस अवसर पर मिर्ज़ाचौकी थाना प्रशासन दल-बल के साथ मौजूद थे।

बरहेट पुलिस ने बिना हेलमेंट पहन का बाइक चालको को गुलाब दे कर कई तरह का निर्देश दिए

बरहेट। शुक्रवार को बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार क़े आदेश पर बरहेट थाना क़े पुलिस ने बिना हेलमेंट पहन कर बाइक चलाने वालो को एस आई मनसा हाज़म ने गुलाब का फूल दे कर निर्देश दिए।बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार एवं उनके टीम क़े द्वारा लगातार प्रयास कर क़े लोगो को बता रहे हैं की रोड एक्सीडेंट से कैसे निजात पाए ! बरहेट थाना पुलिस ने बाइक चालको को बताया की कभी भी घर से बाइक क़े जरिए बहार निकले तो हेलमेंट जरूर लगा कर निकले आगे उन्होंने कहा की इस बाइक से ज्यादा कीमती आपका ज़िन्दगी हैं ! इसलिए हेलमेंट जरूर पहन का बाइक चलाये और अपना ज़िन्दगी और अपने घर परिवार क़े लोगो को खुशहाल रखे ! इस अभियान के दौरान दर्जनों लोगों को गुलाब का फूल देकर जागरूक किए ! मोके पे एस आई मनसा हाजम, हरिशंचंद मंडल, अन्य पुलिस बल ! मौजूद रहे।

उधवा में हेलमेट नहीं पहनने वाले बाइक चालकों को राधानगर पुलिस ने दिया फूल

उधवा। पुलिस कप्तान साहेबगंज अमित कुमार सिंह के निर्देशानुसार राधानगर थाना पुलिस ने शुक्रवार को फोरलेन पर राधानगर थाना के सामने वाहन जांच अभियान चलाया।वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो पहिया वाहन चालकों को जांच के लिए बारी-बारी से रोका। जांच अभियान के दौरान पुलिस ने चालकों से रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस,ड्राइविंग लाइसेंस,हेलमेट व जूता आदि का जांच किया। पुलिस ने बिना हेलमेट पहने चालकों को गुलाब का फूल देकर आगे से हेलमेट लगाकर वाहन चलाने को कहा। इस दौरान थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने कहा कि वाहन चालकों को यातायात नियमों का अनुपालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट पहने वाहन चलाने से आएं दिन सड़क दुर्घटना में चालकों की जान चली जाती है। जब तक आप सुरक्षित नहीं रहेंगे तब-तक आपका परिवार सुरक्षित नहीं रहेगा। इसलिए चालकों को हमेशा हेलमेट पहनकर बाइक चलाने को कहा गया। वहीं चालकों ने पुलिस को भरोसा दिलाया कि वे आगे से हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की बात कही। मौके पर राधानगर थाना के सहायक अवर निरीक्षक शिशिर यादव सहित अन्य पुलिस बव मौजूद थे।

कंबल पाकर खिले जरूरतमंदों के चेहरे, ग्रामीणों ने जताया आभार

मण्डरो। प्रखंड अंतर्गत महादेवबरण पंचायत में बढ़ते ठण्ड तथा शीतलहर को देखते हुए प्रभारी प्रखंड प्रमुख शीला देवी के द्वारा शुक्रवार को पंचायत के जरुरतमंद, गरीब तथा असहाय ग्रामीणों के बीच 75 कम्बल का वितरण किया गया !कार्यक्रम को पूरी तरह व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से पात्र लाभुकों को क्रमवार कंबल प्रदान किया गया !वही प्रभारी प्रमुख शीला देवी ने कहा की ठण्ड के मौसम में गरीब,असहाय तथा जरूरतमंद ग्रामीणों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है तथा आवश्यकता अनुसार ओर कम्बल वितरण का कार्य किया जाएगा ! वही कंबल पाकर ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रहा था। लाभुकों ने ठंड के इस कठिन समय में मदद के लिए प्रखंड प्रशासन एवं पंचायत प्रतिनिधियों का आभार जताया !मौके महादेववरण पंचायत सचिव रमेश कुमार, वार्ड सदस्य दिलीप चौरसिया सहित कई ग्रामीण मौजूद थे !

तेज रफ्तार बाइक ने एक व्यक्ति को धक्का मारकर गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कॉलेज रोड निवासी विकास प्रसाद स्वर्णकार गुरुवार दोपहर को एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान कॉलेज रोड निवासी विकास प्रसाद स्वर्णकार उम्र 51 वर्ष के रूप में हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों व उनके परिवार के अनुसार विकास प्रसाद स्वर्णकार अपने धर से एक स्कूटी पर सवार होकर किसी काम को लेकर धूमने निकले थे। इसी दौरान कॉलेज रोड स्थित पानी सीवरेज के पास एक तेज रफ्तार से आ रही एक मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार धक्का मार दिया, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही उनके परिवार वाले ने घटनास्थल पर पहुंचकर उससे सदर अस्पताल में इलाज कराने के लिए पहुंच गए।सदर अस्पताल में ड्यूटी में तैनात डॉक्टर केशव कृष्ण ने उनका इलाज करते हुए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया।

बरहरवा बरहेट मुख्य मार्ग में दर्दनाक सड़क हादसा, तीन की मौके पर मौत कई घायल

- आक्रोशित ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भी की तोड़ फॉर की
- बरहरवा बरहेट मुख्य मार्ग में दर्दनाक सड़क हादसा में कुल चार की मौत

केलांचल टाइम्स.

साहिबगंज। शुक्रवार की सुबह बरहेट बरहरवा मुख्य मार्ग में ऑटो और टैंकर की जोरदार भिड़ंत से भीषण सड़क दुर्घटना हो गई,मिली जानकारी के अनुसार बरहेट की ओर से यात्रियों से भरी ऑटो बरहरवा की ओर आ रही थी जबकि टैंकर बरहरवा से तेल खाली कर बरहेट की ओर जा रही थी ,इसी दौरान डाँड़ पुल छोटा रांगा के पास दोनों की आमने सामने भीषण टक्कर होने पर ऑटो में सवार यात्रियों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।बताया जा रहा है कि ऑटो में सवार सभी यात्री डहुआ जोर चौक पर उतरने वाले थे।परन्तु उससे पहले की ये दुःखद हादसा हो गया। घायलों को अलग अलग स्थानों पर आनन फानन में इलाज के लिए भेजा गया है ,वहीं रांगा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ईलाज में लापरवाही को लेकर आक्रोशित स्थानीय ग्रामीणों ने जमकर हो हल्ला मचाया और तोड़ फोड़ करने लगी ओर ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी कर्मचारियों को एक कमरा में बंद करके बंधक बना लिया। ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल में ऑक्सीजन की व्यवस्था नहीं थी एवं चिकित्सक भी उपस्थित नही थे।इलाज में लापरवाही हुई जिससे माहौल काफी तनावपूर्ण हों गया।सूचना मिलते ही बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल के नेतृत्व में बरहरवा एवं रांगा थाना पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुँच कर माहौल को शांत कराया,ओर पुलिस प्रशासन ने बनाए हुए सभी बंधक को छोड़वाया गया।इस दौरान पुलिस मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने का प्रयास कर रही थी परंतु ग्रामीणों ने विरोध करते हुए रोक दिया।मृतकों की पहचान घटियारी निवासी नंदनी सोरेन (30 वर्ष),डाहुजोर निवासी शांति हेम्ब्रम (6 वर्ष),बड़ा रांगा निवासी समरा साह (30 वर्ष) के रूप में हुई है।वहीं दो लोगों को साहिबगंज रेफर कर दिया था जिसमें एक महिला तलामई हेंब्रम उम्र 35 पिता बबलू हेंब्रम गांव आठगावा निवासी बताया जा रहा हे वह अभी धायल हे। एक पुरुष मनोज उम्र 20 गांव विशनपुर निवासी लाते वक्त रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई है।पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

सभी डीलरों के बीच 4जी ई-पॉश मशीन का वितरण और चलाने की ट्रेनिंग दी गई

केलांचल टाइम्स.

तालझारी। प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को सीओ सह एमो राम सुमन प्रसाद की अध्यक्षता में प्रखंड के सभी 69 जनवितरण प्रणाली डीलरों के साथ बैठक की गई। बैठक में 4जी ई-पॉश मशीन वितरण सह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।रांची से आए प्रशिक्षक सर्विस इंजीनियर कुंदन कुमार राय एवं सानी कुमार दास के द्वारा सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को नया ई-पॉश मशीन फोर जी को चलाने, रखरखाव तथा अन्य तकनीकी जानकारी दी गई। खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा सभी डीलरों को पुरानी टू जी ई-पॉश मशीन के बदले नई फोर जी मशीन उपलब्ध कराई गई है। जिससे नेटवर्क की समस्या से निजात मिल सके तथा राशन वितरण का कार्य तेजी से हो सके। इस अवसर पर सीओ सह एमो राम सुमन प्रसाद ने कहा कि सभी डीलर आज नई मशीन प्राप्त कर इसी मशीन से राशन वितरण का कार्य करें। अब यह शिकायत नहीं मिलनी चाहिए कि नेटवर्क की समस्या है। उन्होंने सभी डीलरों को नियमित रूप से लाभुकों को समय पर और पारदर्शी तरीके से राशन उपलब्ध कराने को कहा. साथ ही कहा कि पूरे प्रखंड के 69 पीडीएस संचालकों में से 54 पीडीएस संचालकों व डीलरों को 4जी ई-पॉश मशीन उपलब्ध करायी गयी है. नयी मशीन वाई-फाई से भी कनेक्ट होगी. इससे दूरस्थ इलाकों में नेटवर्क की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी.इस अवसर पर प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक धीरेंद्र कुमार, ऑपरेटर सहनाज फातिमा, मनोज चौरसिया,अनिस कुमार पंडित सहित सभी डीलर उपस्थित थे।

जन्म मृत्यु प्रशिक्षण सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

केलांचल टाइम्स.

बरहेट। शुक्रवार को जन्म मृत्यु से संबंधित प्रशिक्षण सा कार्यशाला का आयोजन प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे के अगुवाई में आयोजित की गई है। जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि जन्म मृत्यु की घटनाओं के रजिस्ट्रीकरण की विहित प्रक्रिया के संबंध में बहुत कम लोगों को जानकारी है ।साथ इसके प्रति आम लोगों की जागरूकता भी काफी कमी है। जिसके परिणामस्वरुप जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पा रही है। जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण कब क्यों और कहां किया जाता है,बैठक में विशेष रूप से चर्चा की गई। परिवार में प्रत्येक जन्म या मृत्यु की घटना का पंजीकरण 21 दिनों तक निशुल्क करवाया जा सकता है। 21 दिन के बाद रजिस्ट्रेशन के लिए विलंब शुल्क लग सकता है। बताया गया की जन्म एवं मृत्यु की तारीख एक प्रमाणिक दस्तावेज है जो हर क्षेत्र में उपयोगी है। मौके पर कन्या क्षेत्रीय अन्वेषक पंकज रजवार ,कंप्यूटर ऑपरेटर, जिला सांख्यिकी कार्यालय साहिबगंज से सुमित कुमार सिंह सहित अन्य ब्लॉक कर्मी एवं आंगनबाड़ी सेविकाएं मौजूद थी।

75 कंबलों का वितरण किया

केलांचल टाइम्स.

बोरियो। प्रखंड अंतर्गत बड़ा मदनशाही पंचायत में जेएमएम युवा नेता-सह-वार्ड सदस्य मो. महताब आलम ने गरीब व असहाय लोगों के बीच कुल 75 कंबलों का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि ठंड में लगातार वृद्धि को देखते हुए राज्य सरकार के निर्देशानुसार पंचायत में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबल वितरण किए जाने के बावजूद कई ऐसे जरूरतमंद छूट गए थे ठंड के मौसम में गरीब परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए 75 कंबलों का वितरण जरूरतमंदों और असहायों के बीच वितरण किया गया। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी देखी गयी। इस मौके पर जेएमएम के पूर्व अल्पसंख्यक सचिव अलामीन अंसारी, साजसेवी, मो.शहाबुद्दीन, आस मोहम्मद उर्फ ओसीम जेएमएम नेता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

रोड एट रोड जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन

केलांचल टाइम्स.

साहिबगंज। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 के अवसर पर जिला परिवहन विभाग, साहिबगंज द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में आज जिले के सभी थाना क्षेत्रों में "रोड एट रोड जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना तथा उन्हें सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना है। इस दौरान वाहन चालकों को गुलाब का फूल एवं माला पहनाकर सम्मानपूर्वक जागरूक किया गया और उनसे अपील की गई कि सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करें।हेलमेट, सीट बेल्ट एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करें।निर्धारित यातायात मानकों का पालन करें। तीन पहिया वाहनों में क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएँ।इस अवसर पर मोटरयान निरीक्षक कुमार उत्कर्ष एवं अभिषेक मुंडा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह,रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पाराशर,आईटी सहायक राजहंस,साथ ही सभी थाना प्रभारी एवं पुलिस बल उपस्थित रहे।

संपादकीय समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष हो

नया साल 2026 अनेक आशाओं, अपेक्षाओं, उम्मीदों और संकल्पों के साथ हमारे सामने है। वर्ष 2025 जहाँ वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर इम्तिहान, अस्थिरता और इंतज़ार का साल रहा, वहीं 2026 से शांति, खुशहाली और प्रगति की बहाली की संभावना बनती दिख रही है। बीते वर्ष की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुरानी समस्याओं के उत्तर पुराने तरीकों से नहीं मिल सकते। इसलिए 2026 में हमें बीते बस के सवालों के जवाब नए वक्त, नई सोच और नए विवेक में ढूंढने होंगे। यह वर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं, बल्कि सोच, दृष्टि और प्राथमिकताओं के पुनर्निर्धारण का अवसर है। यह वर्ष समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष बने, इसके लिये हमें तत्पर होना होगा, तैयारी करनी होगी। दुनिया के मोर्चे पर देखें तो रूस-यूक्रेन और इज़राइल-फ़िलिस्तीन के युद्धों के अतिरिक्त भी कम-से-कम दस बड़े संघर्ष ऐसे हैं, जहाँ मानवता निरंतर घायल हो रही है। आतंकवाद, नस्ली विद्वेष, धार्मिक कट्टरता और सत्ता-लिप्सा ने इंसानी खून को सस्ता बना दिया है। वर्ष 2025 में यह रक्तपात थमा नहीं, पर नए साल में इन युद्धों, संघर्षों और आतंकवादी हरकतों से मुक्ति की आकांक्षा केवल भावनात्मक कामना नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिकता की अनिवार्यता बननी चाहिए। भारत, जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश विश्व को दिया है, शांति और संवाद की इस वैश्विक पहल में एक बार फिर नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्ष में दुनिया को जता दिये है कि वे वैश्विक नेतृत्व करने एवं दुनिया को उन्नत बनाने की भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत की अहिंसक सोच, सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति एवं सकारात्मक मानवीय नजरिया दुनिया के लिये उपयोगी हो सकता है। भारत के लिए 2026 कई अर्थों में निर्णायक वर्ष है। आंतरिक राजनीतिक चुनौतियाँ हों या वैश्विक दबाव, नए साल में हमें कड़वे और कभी-कभी हिंसक अनुभवों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद बीते वर्षों की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति, अहिंसा, सौहार्द और सद्भावना के दीप जलाने का संकल्प दोहराएगा। प्रधानमंत्री का यह कथन विशेष अर्थ रखता है कि जहाँ 2025 सुधारों की बात अर्थात भारत के रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार रहने का वर्ष था, वहीं 2026 से 2047 तक का कालखंड भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है। यह यात्रा केवल आर्थिक आँकड़ों की नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक सुदृढ़ता की भी है। विभिन्न क्षेत्रों में किये जाने वाले सुधारों को प्रभावी बनाने के लिये यह अनिवार्य है कि राजनीति की ही भांति नौकरशाही के प्रत्येक स्तर पर सुधार हो। यह ठीक है कि केन्द्र सरकार से जुड़ी उच्च स्तर की नौकरशाही में बीते वर्षों में व्यापक बदलाव हुए है, लेकिन निचले स्तर पर उसका तौर-तरीका जस का तस है। सबसे चिन्ताजनक है कि नौकरशाही का भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कारण अनेक कार्य-योजनाओं का जैसा परिणाम आना चाहिए वैसा नहीं आ रहा है। हालाँकि, यह स्वीकार करना होगा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक मूल्यों में गिरावट को लेकर जो वातावरण बन रहा है, उसे गंभीरता से लेना आवश्यक है। लोकतंत्र केवल चुनावों का आयोजन भर नहीं है; यह संवाद, असहमति के सम्मान, संस्थाओं की गरिमा और संविधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है, पर पिछले वर्षों में संसद की कार्रवाई का बार-बार अवरोधित होना, हंगामे और गतिरोध लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करते हैं। नए साल में यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि संसद अवरोध का मंच नहीं, बल्कि समाधान और विमर्श का केंद्र बने। सत्ता और विपक्ष-दोनों की यह साझा जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय हितों को दलगत राजनीति से ऊपर रखें। लोकतांत्रिक प्रणाली को एक नई ऊँचाई पर ले जाने के लिए राजनीतिक मूल्यों का पुनर्जागरण आवश्यक है। पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिकता और जन-सरोकार-इन चार स्तंभों पर ही सशक्त लोकतंत्र खड़ा होता है। 2026 में राजनीति को केवल सत्ता-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, बल्कि लोक-सेवा का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। यदि राजनीति आम आदमी के दुःख-दर्द, रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ती है, तभी लोकतंत्र में जनता का विश्वास मजबूत होगा। नया साल आम आदमी के जीवन में रोशनी बनकर आए-यह तभी संभव है जब हम समस्याओं का रोना रोने के बजाय समाधान की संस्कृति विकसित करें। महँगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक विषमता और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ केवल सरकारी घोषणाओं से नहीं सुलझेंगी; इनके लिए सामूहिक संकल्प और सहभागिता चाहिए। भारत की जनता में यह सामर्थ्य है कि वह झूठ को पहचानती है, सज्जनता को स्वीकार करती है और इंसानियत के मायने जानती है। हमारी सभ्यता की जड़ें अहिंसा और शांति में हैं-इसी बल पर हमें अपने समय की जटिल चुनौतियों का समाधान खोजना होगा। स्वास्थ्य के मोर्चे पर 2026 को विशेष सतर्कता का वर्ष बनाना होगा। महामारी के बाद की दुनिया ने यह सिखाया है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा का प्रश्न है। खानपान की संस्कृति को नया आयाम देना होगा, स्थानीय, पौष्टिक और संतुलित आहार को बढ़ावा देते हुए। योग, ध्यान और जीवनशैली में संयम को अपनाकर ही हम स्वस्थ समाज की नींव रख सकते हैं। साथ ही 'स्वदेशी' के मंत्र को नई ऊँचाई पर ले जाना होगा-चाहे वह उत्पादन हो, उपभोग हो या तकनीकी नवाचार। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और सांस्कृतिक भी होनी चाहिए।

2026 का वर्ष, सत्ता पक्ष के लिए चुनौती?

सनत जैन

साल 2026 भारतीय राजनीति के लिए निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। यह वर्ष केवल कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाला समय यह भी तय करेगा, राष्ट्रीय राजनीति की धुरी किस दिशा में घूमेगी। एक ओर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपने सियासी विस्तार को दक्षिण और पूर्वी भारत तक फैलाने के इरादे से चुनाव मैदान में उतर रही है, दूसरी ओर कांग्रेस के सामने अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को दोबारा हासिल करने की चुनौती है। इसके साथ वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस एवं अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के लिए भी 2026 का वर्ष किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। बीजेपी के लिए 2026 इसलिए अहम है, क्योंकि जिन पांच राज्यों—असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी—में चुनाव होने हैं, उनमें से केवल असम में उसकी पूर्ण बहुमत की सरकार, और पुडुचेरी में वह सहयोगी दलों के सहारे सत्ता में है। असम में बीजेपी पिछले दस वर्षों से सत्ता में है। अब उसके सामने जीत की हैट्रिक लगाने की चुनौती है। हालांकि यह राह आसान नहीं दिख रही है। कांग्रेस ने गौरव गोगोई के नेतृत्व में राज्य में नई ऊर्जा दिखाई है, जिससे असम में मुकाबला कड़ा होने की संभावना है। कांग्रेस असम में मजबूत प्रदर्शन करती है, तो बीजेपी की पूर्वोत्तर रणनीति को बड़ा झटका लग सकता है। पुडुचेरी में भी एनडीए सरकार की स्थिति अस्थिर मानी जा रही है। आंतरिक कलह और कमजोर जनाधार के कारण यहां सत्ता में वापसी बीजेपी के लिए कठिन हो सकती है। वहीं पश्चिम बंगाल में दशकों से कमल खिलाने का सपना अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। ममता बनर्जी की बंगाल की सत्ता पर मजबूत पकड़ है। बीजेपी घुसपैठ और राष्ट्रवाद जैसे मुद्दों को उठाकर माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। बंगाली अस्मिता और मुस्लिम वोट बैंक ममता के लिए बड़ी ताकत हैं। दक्षिण भारत बीजेपी के लिए अभी भी सबसे बड़ी चुनौती है। तमिलनाडु और केरल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता उत्तर भारत जैसी असरदार नहीं है। 2024 के लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में बीजेपी का खाता नहीं खुलना, इस सच्चाई को रेखांकित करता है। यहां भाजपा अपने गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर है। केरल में बीजेपी तीसरे विकल्प के रूप में खुद को स्थापित करने की कोशिश कर रही है। तिरुवनंतपुरम के निकाय चुनाव में मिली सफलता से भाजपा का उत्साह जरूर बढ़ा है। केरल की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को तोड़ना अभी भी भाजपा के लिए कठिन है। कांग्रेस के लिए 2026 में जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, उनमें वह केवल तमिलनाडु की डीएमके की जूनियर पार्टनर के रूप में शामिल है। भारत जोड़ो यात्रा के बाद 2024 में कांग्रेस ने वापसी के संकेत दिए थे। 2025 में पार्टी फिर से संगठनात्मक कमजोरी और आंतरिक मतभेदों से जूझ रही है। 2026 में भी कांग्रेस ठोस जीत दर्ज नहीं कर पाती, तो उसका राष्ट्रीय विकल्प बनना और मुश्किल हो जाएगा।

कांग्रेस की उम्मीद केरल और असम से जुड़ी हैं। केरल में यूडीएफ और एलडीएफ के बीच सीधा मुकाबला है। कांग्रेस के भीतर, नेतृत्व को लेकर खींचतान उसकी राह कठिन बना रही है। गुटबाजी और मुख्यमंत्री पद को लेकर अटकलें केरल में कांग्रेस को नुकसान पहुंचा सकती हैं। असम में कांग्रेस वापसी की कोशिश कर रही है। वाम दलों के लिए 2026 अस्तित्व की लड़ाई है। बंगाल और त्रिपुरा से सत्ता गंवाने के बाद अब केवल केरल ही उनका आखिरी मजबूत गढ़ बचा है। यदि केरल में वाम की हार होती है, तो राष्ट्रीय राजनीति में वामपंथ की प्रासंगिकता पर गंभीर सवाल खड़े हो जाएंगे। दूसरी ओर, ममता बनर्जी के लिए भी यह चुनाव आसान नहीं है। पंद्रह साल की सत्ता के बाद सत्ता विरोधी लहर, बीजेपी का आक्रामक अभियान और कांग्रेस-वाम गठजोड़ की चुनौती— इन सब से निपटना उनके लिए यह चुनाव बड़ी परीक्षा होगी। तमिलनाडु में डीएमके का गढ़ फिलहाल मजबूत नजर आता है। जयललिता के बाद एआईएडीएमके का बिखराव और आंतरिक संघर्ष मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के लिए राहत है। हालांकि पांच साल की सत्ता के बाद उभरने वाला असंतोष और बीजेपी के प्रयास विपक्ष को नई ऊर्जा दे सकते हैं। कुल मिलाकर, 2026 सिर्फ चुनावी वर्ष नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की नई दिशा तय करने वाला पड़ाव है।

अटलजी का देश के साथ कविता में भी अमूल्य योगदान

संजय गोस्वामी

हाल ही में अटलजी की 101 वीं जयंती पूरे देश में मनाई गई जिसमें मुझे उनकी कविता दिल को छू ली,अटल बिहारी वाजपेयी की कविता में वैचारिकता रही है देश प्रेम व आजादी व राजनीति संस्कार व लोकतंत्र पर जो कविता लिखी है वो दिनकर,निराला जैसे श्रेष्ठ कवियों के श्रेणी में अवश्य है जो उनके राजनीती करियर में भी देश को एक जुट करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है भारत के महान कवियों में रवींद्रनाथ टैगोर, कालिदास, कबीर, तुलसीदास, मिर्जा गालिब, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, सुमित्रानंदन पंत, निराला, और हरिवंशराय बच्चनरवींद्रनाथ टैगोर, कालिदास, कबीर, तुलसीदास, मिर्जा गालिब, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, सुमित्रानंदन पंत, निराला, और हरिवंशराय बच्चन जैसे अनेक दिग्गज शामिल हैं, जिन्होंने अपनी कालजयी रचनाओं से भारतीय साहित्य को समृद्ध किया और विभिन्न कालों (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल) में अपनी अमिट छाप छोड़ी है।लेकिन वाजपेयी जी भी इसी श्रेणी में हैं क्योंकि उनकी कविता में हमेशा देश प्रेम की भावना व सौहार्द पूर्ण माहौल रहा, मुझे ऐसा लगता है जितनी भी कविता लिखी है वह प्रैक्टिकल भी कर कर दिखाया है वो सिर्फ हवाहवाई नहीं है जैसे कारगिल युद्ध के बाद जीत पर पाकिस्तान व अमेरिका को खुली चेतावनी इस कविता से दि है :

॥चिनगारी से मत खेलों का
चिनगारी का खेल बुरा होता है
औरों के घर आग लगाने का जो
सपना वो अपने ही घर में सदा खरा होता है ॥"

यानी पाकिस्तान को सीधे चेतावनी दी की आतंकी गतिविधियों से बाज़ आओ नहीं तो आतंकी चिंगारी लगाई तो इसका भारत मुँहतोड़ जबाब दिया है और अमेरिका से क़ोई भी समझौता से भारत माँ का शीश नहीं झुकेगा

दरासल 'अटल बिहारी वाजपेयी जी' का पहचान 'एक अच्छे राजनीतिक नेता के रूप में है। उन्होंने पढ़े-लिखे नेताओं में गिने जाते हैं। कहा जाता है कि जब वे अपनी पढ़ाई करते थे तो, तब वे 'एआईएसएफ' के सदस्य थे। वे इस 'एआईएसएफ' छात्र संगठन में सक्रिय भूमिका निभाया करते थे। बाद में किसी कारणवश इस रास्ते को छोड़कर, 'आरएसएस' के सदस्य बन गए। और अपना पूरा जीवन उसही विचार धारा के साथ बिताए थे। राजनीति में अपना योगदान दिया और पहचान बनाया।

देश के प्रधानमंत्री के रूप में अपना योगदान दिया। वे न केवल राजनीतिक नेता थे, बल्कि एक महान् कवि भी थे। 'मेरी इक्यावन कविताएं', नाम से उनकी अपनी कविताओं का संग्रह है। जिस में से एक कविता को लेकर 'कविता में वाजपेयी का अमूल्य योगदान रहा है ।

कविवर अटल बिहारी वाजपेयी जी कहते हैं कि जिस दिन-15 अगस्त को आज़ादी मिली थी तो, आज वही दिन यह कहता है कि एक तरफ़ पूरे भारत में आजादी का आनंद उठा रहे हैं तो, दूसरी तरफ़ 80 प्रतिशत जनता, गरीब, जनजाति , आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, दलित, अल्पसंख्यक लोगों तक उस आज़ादी का फल अब तक नहीं मिला है। इस लिए आज़ादी अभी अधूरी है। जिन सपनों को साकार करने के लिए लड़े थे, वो आज तक पूरे नहीं हुए हैं। जो शपथ लिए थें, जो क़समें खाई थीं, वो भी पूरी नहीं हुई हैं। इस कथन को कवि अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अपनी कविता में निम्नप्रकार दर्शाया है।

"पंद्रह अगस्त का दिन कहताः
आज़ादी अभी अधूरी है।
सपने सच होने बाकी है,
रावी की शपथ न पूरी है॥"

यहाँ कवि कहते हैं कि आजादी की जंग में कई भारतियों ने अपना बलिदान दिये हैं। जिनके लाशों पर पग धर कर स्वतंत्रता भारत को मिली है, वो अबतक ख़ानाबदोश हैं। भारत में जो गरीबी, भूखमरी, गुलामी, दुःख, दर्द.. आदि अपना रूप बदलकर, काले बादल की भांति, पूरे देश में छाई है। इन भावनाओं को कवि अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अपनी निम्नांकित पंक्तियों में दर्शाया है।

"जिनकी लाशों पर पग धर कर
आज़ादी भारत में आई,
वे अब तक हैं खानाबदोश
ग़म की काली बदली छाई॥"

यहाँ, कवि अटल बिहारी वाजपेयी जी कहते हैं कि कलकत्ते के फुटपाथों पर आँधियों में-बारिशों में, भीगते हुए-सूखते हुए, इन समस्याओं को झेलते हुए, अपना जीवन गुजारते हैं, उनको पूछिए कि पंद्रह अगस्त के बारे में क्या कहते हैं। इन ज्वलंत समस्याओं को कवि ने अपनी कविता में दर्शाया है, जो निम्नप्रकार है।

"कलकत्ते के फुटपाथों पर
जो आँधी-पानी सहते हैं।
उनसे पूछो, पंद्रह अगस्त के
बारे में क्या कहते हैं॥"

उक्त समस्याओं से घिरे हुए लोग अपने भारतीय होते हैं, हिंदू होते हैं। हिंदू होने के नाते उनका दुःख, दर्द.. सुनते हुए यदि आप को लाज लगती है तो, सीमा के उस पार जा कर देखो, जहाँ सभ्यता कुचली जाती है। इन सभी समस्याओं को कवि अटल बिहारी वाजपेई जी ने अपनी कविता में अंकित किया है।

"हिंदू के नाते उनका दुःख
सुनते यदि तुम्हें लाज आती।
तो सीमा के उस पार चलो
सभ्यता जहाँ कुचली जाती॥"

यहाँ, कवि कहता है कि सीमा के उस पार, अपना पड़ोस देश पाकिस्तान है। वे अपने को इस्लाम कहते हैं। लेकिन इस्लाम के मार्ग पर कोई नहीं चलते हैं। वहाँ इंसान बेचा जाता है। ईमान ख़रीदा जाता है। सिर्फ डालर से खुश होते हैं। वहाँ जो भी हो रहा है वह कुरान या इस्लाम के विरोध में हो रहा है। और अपने आप को इस्लाम कहते हैं। इन आदि भावों को कवि ने अपनी कविता में दर्शाया गया है।

" इंसान जहाँ बेचा जाता,
ईमान ख़रीदा जाता है।
इस्लाम सिसकियाँ भरता है,
डालर मन में मुस्काता है॥"

कविवर अटल बिहारी वाजपेयी जी का कहना है कि जहाँ शिक्षा नहीं है, जहाँ भूखमरी है अर्थात जिन लोगों के पास मौलिक सुविधाएं नहीं हैं, उनको कुछ लालच दिखाकर मजबूरी से गलत रास्ते पर चलने को कहते हैं। इन भावनाओं को निम्नलिखित पंक्ति में दर्शाया गया है।

"भूखों को गोली नंगों को
हथियार पिन्हाए जाते हैं।
सूखे कंठों से जेहादी
नारे लगवाए जाते हैं॥"

कवि कहता है कि लाहौर, कराची, ढाका के लोग दुख से रो रहे हैं। इन सब पर दुख, दर्द छाया हुआ है।

पख्तून जाति के लोगों पर, गिलगित पर्वतीय क्षेत्र के लोगों पर दुख, दर्द से भरी हुई गुलामी छायी है। इन भावनाओं को निम्नलिखित पंक्तियों में दर्शाया गया है।

"लाहौर, कराची, ढाका पर
मातम की है काली छाया।
पख्तूनों पर, गिलगित पर है
ग़मगीन गुलामी का साया।।"

इस लिए कविवर अटल बिहारी वाजपेयी जी कहते हैं कि उपर्युक्त कई समस्याओं से भारत देश जूझ रहा है। तो यहाँ कहने का तात्पर्य है कि यदि भारत को पूर्ण आजादी मिली होती तो, ये समस्याएं नहीं होते। अतः इतने समस्याओं के सामना करते हुए स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाएं!?, फिर से कवि कहते हैं कि थोड़े दिन बाकी हैं। अर्थात थोड़े दिनों के बाद पूर्ण रूप से आज़ादी मिल जाएगी, उल्लास मनाएंगे। इन भावनाओं को निम्नलिखित कविता की पंक्तियों में दर्शाया गया है।

"बस इसीलिए तो कहता हूँ
आज़ादी अभी अधूरी है।
कैसे उल्लास मनाऊँ मैं?
थोड़े दिन की मजबूरी है॥"

यहाँ कविवर अटल बिहारी वाजपेयी जी कहते हैं कि ये दिन दूर नहीं हैं कि जिस खंडित भारत को फिर से अखंड भारत बनाएंगे। जिस गिलगित पर्वतीय श्रेणियों से लेकर मेघालय के गारो पर्वतों तक स्वतंत्रता दिवस उल्लास से मनाएँगे। इस भावना को निम्नलिखित पंक्तियों में अंकित किया गया है, जो निम्नप्रकार है।

"दिन दूर नहीं खंडित भारत को
पुनः अखंड बनाएँगे।
गिलगित से गारो पर्वत तक
आज़ादी पर्व मनाएँगे॥"

आगे आनेवाले स्वर्णिम दिन के लिए हम सबको आज से ही कठिन मेहनत करना होगा। जरूरत पड़ने पर अपना बलिदान देना होगा। सतर्क रहना होगा कि जो पाया उसमें खो न जाए। और हमने जो खोया है, उसका ध्यान रखना होगा। इन आदि भावनाओं को निम्नलिखित कविता की पंक्तियों में अंकित किया गया है। जो इस प्रकार है।

"उस स्वर्ण दिवस के लिए आज से
कमर कसें बलिदान करें।
जो पाया उसमें खो न जाएँ,
जो खोया उसका ध्यान करें॥"

निष्कर्षः यहाँ कविवर अटल बिहारी वाजपेयी जी कहते हैं कि 'पंद्रह अगस्त का दिन कहता है कि आजादी अभी भी अधूरी है। क्योंकि जिन आशाओं, आकांक्षाओं के साथ हमने आजादी के लिए लड़े थें, वो आज तक पूरे नहीं हुए हैं। हमारे देश में जो मौलिक समस्याएं; गरीबी, भूखमरी, शिक्षा विहीन, बेरोजगार ,बेघर, अर्थात 'रोटी-कपड़ा-मकान'.. आदि का भी पूर्ति नहीं हुई है। जिस के परिणामस्वरूप इस देश में दुःख, दर्द..की ग़म।

पहली महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले जिन्होंने की बालिका शिक्षा की शुरुआत

डॉ श्रीगोपाल नारसन

पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले ने कन्या शिशु हत्या को रोकने के लिए भी काम किया। उनके पति ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए। दलित महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने, छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाने के कारण जब वह स्कूल जाती थीं, तो उनके विरोधी उन्हें पत्थर मारते थे। कई बार उनके ऊपर गंदगी फेंकी गई। सावित्रीबाई फुले एक साड़ी अपने थैले में लेकर चलती थीं और स्कूल पहुंच कर गंदी हुई साड़ी बदल लेती थीं। 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ी इलाके में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की 9 छात्राओं के लिए इस विद्यालय की स्थापना की। एक वर्ष में सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिबा फुले 5 नए विद्यालय खोलने में सफल हुए। पुणे में पहले स्कूल खोलने के बाद फूले दंपति ने 1851 में पुणे के रास्ता पेठ में लड़कियों का दूसरा स्कूल खोला और 15 मार्च 1852 में बताल पेठ में लड़कियों का तीसरा स्कूल खोला। उनकी बनाई हुई संस्था सत्यशोधन समाज ने 1876 और 1879 के अकाल में अन्न सत्र चलाया और अन्न इकटठा करके आश्रम में रहने वाले 2000 बच्चों को खाना खिलाने की व्यवस्था की।

सावित्रीबाई ने स्कूल में छात्राओं को पढ़ाने के साथ-साथ समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी। उन्होंने 28 जनवरी 1853 को बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह सभा का आयोजन किया। जिसमें महिलाओं सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जाता था। सन् 1890 में महात्मा ज्योतिबा फुले की मृत्यु के बाद सावित्रीबाई ने उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया। प्लेग के मरीजों की देखभाल करने के दौरान सावित्रीबाई की मृत्यु 10 मार्च सन 1897 को हुई। उनके पिता का नाम खन्दोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मी था। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने देश के पहले किसान स्कूल की भी स्थापना की थी देश मे 19वीं सदी तक स्त्रियों के कोई अधिकार नही थे, इन अधिकारों को प्राप्त करने व अशिक्षा, छुआछूत, सतीप्रथा, बाल या विधवा-विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर देश की पहली महिला शिक्षिका बनी थीं महाराष्ट्र में जन्मीं सावित्री बाई फुले। जिन्होंने अपने पति समाज सुधारक ज्योति राव फुले से पढ़कर सामाजिक चेतना फैलाई और नारी जाति का मान बढ़ाया।उन्होंने अंधविश्वास और रूढ़ियों की बेड़ियां तोड़ने के लिए लंबा संघर्ष किया था। सावित्रीबाई फुले 3जनवरी सन1831 में महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित नायगांव में पैदा हुई थीं। मात्र 9 साल की छोटी उम्र में पूना के रहने वाले ज्योति राव फुले के साथ उनकी शादी हो गई थी, विवाह के समय सावित्री बाई फुले पूरी तरह अनपढ़ थीं, जबकि उनके पति तीसरी कक्षा तक पढ़े हुए थे।वह भी पढ़ना चाहती थी, जिस दौर में वो पढ़ने का सपना देख रही थीं, तब वंचितों के साथ बहुत भेदभाव होता था, एक दिन सावित्रीबाई अंग्रेजी की किसी किताब के पन्ने पलट रही थीं, तभी उनके पिताजी ने देख लिया, वह दौड़कर आए और किताब हाथ से छीनकर घर से बाहर फेंक दी। वे बोले शिक्षा का हक़ केवल उच्च जाति के पुरुषों को ही है, दलित और महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना पाप है,ऐसा उन्होंने उस समय कहते है बताया तो उसी दिन सावित्री फेंकी गई किताब वापस लाकर प्रण कर बैठीं कि कुछ भी हो जाए वह एक न एक दिन पढ़ना जरूर सीखेंगी।ऐसा हुआ भी,अपने मजबूत इरादों के बल पर सावित्री बाई न सिर्फ पढ़ी बल्कि सावित्रीबाई फुले देश ही नही दुनिया की पहली महिला शिक्षिका भी बन गई। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भरसक प्रयास किये थे। उनके पति ने ही सावित्रीबाई के सपने को पूरा करने के लिए शिक्षा ग्रहण करने की इजाजत दी थी,साथ ही अक्षरज्ञान भी उन्होंने ही कराया। शादी के बाद सावित्रीबाई पढ़ने के लिए स्कूल जाने लगीं, उनका काफी विरोध भी काफी हुआ। उन्हें रोकने के लिए लोग सावित्री बाई फुले पर पत्थर मारते थे। कूड़ा और कीचड़ फेंकते थे,लेकिन सावित्री बाई फुले ने हार नहीं मानी और पढ़ाई पूरी करके शिक्षिका बनने का स्वप्न पूरा किया। सावित्रीबाई को महसूस हुआ कि देश में उन जैसी कितनी ही लड़कियां होंगी जो पढ़ना चाहती है। शिक्षा ग्रहण करने के लिए बालिकाओं को संघर्ष न करना पड़े, इसके लिए सावित्री बाई फुले ने सन 1848 में महाराष्ट्र के पुणे में देश का पहला बालिका स्कूल स्थापित किया। बाद में उन्होंने लड़कियों के लिए 18 स्कूलों का निर्माण कराया।इसलिए हम कह सकते है कि सावित्रीबाई फुले एक समाज सेविका ही नहीं, बल्कि देश दुनिया की पहली महिला शिक्षक व देश के पहले बालिका स्कूल की प्रधानाचार्य भी बन गईं थी। 66 वर्ष की उम्र में सावित्रीबाई फुले का 10 मार्च सन1897 को निधन हो गया था। सावित्रीबाई ने सन 1848 से लेकर सन1852 के बीच लड़कियों के लिए 18 स्कूल खोले थे। सावित्रीबाई ने सिर्फ शिक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि देश में मौजूद कई कुरीतियों के खिलाफ भी आवाजा उठाई।उन्होंने छुआ-छूत, बाल-विवाह, सती प्रथा और विधवा विवाह निषेध जैसी कुरीतियों का विरोध किया और इनके खिलाफ जीवनपर्यंत लड़ती रहीं।

आज का राशिफल

मेष : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञनार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क : किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या : संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला : महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी इक्षचता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुम्भ : जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-2-4-6

मीन : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

50वां स्वर्ण जयंती महोत्सव आज से राजेन्द्र स्टेडियम कटिहार में प्रारंभ

- श्री श्याम मित्र मंडल आज प्रात: दस बजे श्री श्याम मंदिर अड़गड़ा चौक से निकलेगी मंगल कलश यात्रा
- भव्य दरबार बड़े.ही आकर्षक ढंग से सजाया गया है
- श्रीमद्भागवत कथा के पश्चात श्री श्याम मित्र मंडल के भजन कलाकारों के द्वारा रंगारंग मधुर भजनों की प्रस्तुति होगी

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार,कटिहार। श्री श्याम मित्र मंडल, कटिहार द्वारा तीन जनवरी प्रातः दस बजे से दस जनवरी संध्या कालीन तक बाबा श्याम जी का 50वा स्वर्ण जयंती महोत्सव 2026 स्थानीय राजेन्द्र स्टेडियम के प्रांगण मे बड़े ही धूमधाम के साथ मनाए जाने की तैयारी को अंतिम रूप दे दिया गया है। राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आचार्य गौरव कृष्ण गोस्वामी के मुखाबृंद से कथा वाचन होना है और वो कटिहार की पावन भूमि पर पधार गए हैं। भव्य दरबार बड़े ही आकर्षक ढंग से सजाया गया है। श्री श्याम मित्र मंडल के 50वे स्वर्ण जयंती महोत्सव, श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ को ऐतिहासिक बनाने के लिए श्री श्याम प्रेमी इस शीतलहरी मे भी श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए दिन रात एक किए हुए है। उत्सव को लेकर श्री श्याम प्रेमियों मे काफ़ी उत्साह का माहौल है एवं जोशो खरोश के साथ लगे हुए है। श्री श्याम मित्र मंडल सर्वप्रथम तीन जनवरी को प्रातः दस बजे स्थानीय श्री श्याम मंदिर,अड़गड़ा चौक से मंगल कलश यात्रा निकालेगी।जो कि कथा स्थल राजेंद्र स्टेडियम पहुंचेगी। उसके बाद श्री मद्भागवत माहात्म्य एवं मंगलाचरण की शुरुआत होगी। बाबा श्याम की अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। साथ ही पूजा पाठ कार्यक्रम आरंभ होगा। श्रीमद्भागवत दिव्य कथा वाचन रोजाना दिन के 3 बजे से संध्या 7 बजे तक होना है। जो कि निश्चित ही जन जन मे भक्ति और सद्भाव का संचार करेगी। पंडित सरोज जी शास्त्री के सानिध्य मे पूरे विधि विधान के साथ पूजा पाठ कराया जाएगा। पूजा मे सभी जजमानों से श्रीमद्भागवत कथा का संकल्प कराया जाएगा। 3 जनवरी से 9 जनवरी तक श्री भागवत कथा होगी। साथ ही रासलीला भी आयोजित होगी। 10 जनवरी को हवन एवं पूर्णाहुति आयोजित की गई है। साथ ही भंडारा का आयोजन भी है। प्रत्येक दिन श्रीमद्भागवत कथा के पश्चात श्री श्याम मित्र मंडल के भजन कलाकारों के द्वारा रंगारंग मधुर भजनों की प्रस्तुति भी की जाएगी। नगर को तोरण द्वारों एवं पताकाओं से सजाया गया है। भक्तजनों के जूते चप्पलों को रखने के लिए पादुकालय , शुद्ध पेयजल, चाय , शौचालय की भी व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से रोशनी की भी भरपूर व्यवस्था है साथ ही संस्था के सदस्यों के साथ साथ नागरिक सुरक्षा की ओर से एवं स्काउट एंड गाइड के भी सदस्यगण व्यवस्था को संभालने मे अपनी सेवा प्रदान करेंगे। इस आलौकिक कार्यक्रम मे कटिहार के तमाम स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा अपने अपने स्तर से श्री श्याम मित्र मंडल को सहयोग प्रदान कर रहे है। संस्था को जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस प्रशासन का भी पूर्ण सहयोग मिल रहा है। संस्था ने श्रीमद्भागवत मे आ रहे सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि महोत्सव स्थल पर वाहन लेकर नही आए, ससमय आकर

अपने स्थान को ग्रहण कर शांतिपूर्ण तरीके से भक्तिमय वातावरण

बनाए रखने मे अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। लगातार एक सप्ताह तक नियमित रूप से पूरा शहर भक्तिमय वातावरण मे डूबा रहेगा। हम सभी मिलकर इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाएंगे।

सरकारी विधालय के शिक्षकों को जल्द मिलेगा नया स्कूल

कटिहार जिले में स्कूल आवंटन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी गई है

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार, कटिहार। बिहार राज्य के सरकारी स्कूलों में इंटर डिस्ट्रिक्ट ट्रांसफर के तहत स्कूल आवंटन की प्रक्रिया एक जनवरी से कई जिलों में शुरू हो चुकी है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि 10 जनवरी 2026 तक सभी पात्र शिक्षकों को स्कूल आवंटित कर दिए जाएंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अब प्रखंड आवंटन के बाद स्कूल आवंटन की कवायद तेज हो गई है। गुरुवार से कटिहार, कैमूर,सुपौल और किशनगंज जैसे जिलों में स्कूल आवंटन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी गई है। यह पूरी प्रक्रिया ई-शिक्षा कोष पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन की जा रही है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश न हो। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ई-शिक्षा कोष के जरिए इंटर डिस्ट्रिक्ट ट्रांसफर के लिए कुल 41,689 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 27,171 शिक्षकों को जिला आवंटित किया गया। जिला आवंटन के बाद 22,928 शिक्षकों ने प्रखंडों के विकल्प भरे, जिनमें से लगभग सभी शिक्षकों को प्रखंड आवंटित किया जा चुका है। अब अंतिम चरण के तौर पर स्कूल आवंटन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, बिहार सरकार वर्ष 2026-27 के बजट में शिक्षा पर और अधिक खर्च करने की तैयारी में है। शिक्षा विभाग को दो अलग-अलग महकमों में बांटे जाने के बाद बजट का आकार भी बढ़ने की उम्मीद है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले 20 वर्षों में बिहार में शिक्षा पर होने वाला व्यय 16–17 गुना तक बढ़ चुका है। वर्ष 2005 में जहां शिक्षा पर 4,341 करोड़ रुपये खर्च होते थे।वहीं 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 72,652.44 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यानी औसतन हर साल करीब 3,632.6 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक इंद्रशेखर इन्दू आज करेंगे नर्सरी का उद्घाटन

स्थानीय ग्रामीण समाज सेवी नर्सरी उद्घाटन समारोह को ऐतिहासिक बनाने में लगे हैं

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार, कटिहार। कटिहार सदर प्रखंड के सिरनियां पुरब पंचायत अंतर्गत जाफरगंज पथलवाड़ी गांव में स्थित आशियाना सप्लायर नर्सरी उद्घाटन के लिए सज धज कर तैयार है। यह नर्सरी का उद्घाटन 3 जनवरी को दिन के 12:00 होना निश्चित हुआ है। जीविका के पंचायत कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर दीपा कुमारी ने बताया कि सरनियां पुरब पंचायत अंतर्गत पथलवाड़ी गांव स्थित आशियाना सप्लायर नर्सरी का उद्घाटन जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक इंद्रशेखर इन्दू, कटिहार सदर के बीडीओ राहुल कुमार तथा बीपीएम निक्की सेठिया ने फीता काटकर एवं नारियल तोड़कर उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर मनरेगा विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ-साथ समूह के सीएलएफ पुतुल देवी,रूमा देवी, रीना देवी, समूह के सीएम नुसरत खातून तथा जीविका परिवार के पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। नर्सरी उद्घाटन समारोह में स्थानीय मुखिया अब्दुल कयूम, समाजसेवी मोहम्मद अमानत हुसैन, जीविका दीदी यासमीन खातून सहित गांव के समाजसेवी मो० नियाम, मो० कलीम, अशफाक, असगर, मंजर, सरयू, मुकेश, शहवाज, हमीद, सईदुर, आतिश, मुजम्मिल, अयान, दाऊद दिन रात मेहनत कर नर्सरी का उद्घाटन कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में लगे हुए हैं। जीविका पंचायत कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर दीपा कुमारी ने कहा कि नर्सरी के उद्घाटन हो जाने से इस परिक्षेत्र के लोगों को इस नर्सरी का लाभ मिलेगा। पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए यह गांव, मोहल्ले,टोले में पौधा लगाया जाएगा। खास तौर पर मनरेगा विभाग के द्वारा भी पौधा रोपण कार्य का अभियान चलाया जाता है। इस अभियान के तहत इस नर्सरी का पौधा से पौधा रोपण किया जायेगा।

जिला परिवहन कार्यालय कटिहार परिसर में सड़क सुरक्षा शपथ कार्यक्रम का किया आयोजन

- यह कार्यक्रम 1 जनवरी से 31 जनवरी तक चलेगा : सुबीर रंजन

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार, कटिहार। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत जिला परिवहन कार्यालय कटिहार परिसर में जिला परिवहन पदाधिकारी सुबीर रंजन के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला परिवहन कार्यालय के सभी पदाधिकारी, कर्मचारी एवं वाहन मालिक, वाहन चालक उपस्थित रहे। सभी उपस्थित सदस्यों को जिला परिवहन पदाधिकारी सुबीर रंजन द्वारा सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिना हेलमेट के दो पहिए वाहन, बिना सीट बेल्ट लगाए चार पहिए वाहन एवं वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने का शपथ दिलाया गया। साथ ही साथ यातायात के नियम एवं प्रावधान का पालन करने के लिए वह अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करने हेतु शपथ दिलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी सुबीर रंजन ने बताया कि यह शपथ कार्यक्रम राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 की कड़ी में मनाया गया। यह कार्यक्रम 1 जनवरी से 31 जनवरी तक चलेगा। जिसमें विभिन्न प्रकार के सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस बार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा 2026 का मुख्य थीम सड़क सुरक्षा अभियान सिख से सुरक्षा टेक्नोलॉजी से परिवर्तन रखा गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना एवं मृत्यु दर में कमी लाना है।

कटिहार रेल मंडल में डांस ड्रामा और म्यूजिक का जलवा

- प्रतिभाओं ने जीता दर्शकों का दिल

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार,कटिहार। कटिहार रेल मंडल अंतर्गत स्थानीय कोसी रेलवे ऑफीसर्स क्लब कटिहार में शुक्रवार को कार्मिक विभाग द्वारा "टैलेंट हंट कम डिविज़नल डांस, ड्रामा एंड म्यूजिक प्रतियोगिता 2025-26" का भव्य आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ डीआरएम किरेंद्र नरह,रेल महिला समिति अध्यक्षा निवेदिता नरह,एडीआरएम मनोज कुमार सिंह,सीनियर डीपीओ अंजनी कुमार श्रीवास्तव द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में रेलवे कर्मचारियों, उनके परिजनों और बच्चों ने शास्त्रीय नृत्य, समूह गीत,वाद-विवाद,नाटक,लोकगीत और वाद्य-यंत्र वादन जैसी कई मनमोहक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा रेल क्लब तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कटिहार रेलमंडल के डीआरएम किरेंद्र नरह ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास और मनमोहक प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन न सिर्फ प्रतिभा निखारते हैं।बल्कि युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा और रचनात्मक सोच को भी बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दर्जनों प्रतिभागियों को रेल प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। डीआरएम किरेंद्र नरह ने कहा कि आगे भी इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि कर्मचारियों और उनके परिवारों को मंच मिल सके। मंच का संचालन रितेश ठाकुर द्वारा किया गया जबकि कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्मिक विभाग के प्रभारी चीफ वेलफेयर इंस्पेक्टर उमाशंकर सहित अन्य वेलफेयर इंस्पेक्टर की सराहनीय भूमिका रही। वही रेल प्रशासन द्वारा सभी चयनित सफल प्रतिभागियों का नाम एनएफ रेलवे के मुख्यालय मालीगांव में भेजा जाएगा। जहां गुवाहाटी में आगामी 6 फरवरी 2025 को आयोजित क्षेत्रीय स्तर के कार्यक्रम में सभी सफल प्रतिभागी हिस्सा ले पाएंगे और अपना जलवा बिखेर पाएंगे। इस अवसर पर रेलवे ऑफिसर्स क्लब में दो पाली में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीआरएम किरेंद्र नरह,रेल महिला समिति अध्यक्षा निवेदिता नरह, एडीआरएम मनोज कुमार सिंह के साथ रेलवे महिला समिति की उपाध्यक्ष पूजा सिंह, सचिव कुमकुम वर्मा,कोषाध्यक्ष शिल्पी मंडल, संयुक्त सचिव सुधा कुमारी, तिरु सिंह,आभा सिंह,प्रियंका कुमारी सहित सभी रेल अधिकारी और महिला समिति की टीम, यूनियन प्रतिनिधि वो सैकड़ों की संख्या में रेलकर्मी आदि मौजूद थे।

लायंस क्लब ने 36 लोगो के बीच सामग्री का किया वितरण

केलांचल टाइम्स.

प्रवीण कुमार, कटिहार। नया साल हमसबों के लिए नई आशा,नया विस्वास और नई उमंग लेकर आता है। लायंस क्लब पूरे विश्व मे सेवा के लिए जाना जाता है।लायंस क्लब ऑफ कटिहार के सदस्य नव वर्ष की शुरुवात ही सेवा से करते हैं। अध्यक्ष लायन काजल महासेठ ने आज ललियाही के मिशनरी ऑफ चैरिटी में महिलाओं के बीच ऊनी कपड़े,टोपी,मोज़े आदि वितरित करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों का ध्यान रखना हमसबों का कर्तव्य है। उपस्थित पूर्व अध्यक्ष लायन अनिल चमरिया, स्वर्ण चमरिया के साथ नरेश साह ने कहा कि यहाँ महिलाएं अपने इलाज के लिए आतीं है और जिनका कोई देखरेख करनेवाला नही है। वैसी महिलाओ का उचित देखभाल यहाँ होता है। पूर्व अध्यक्ष लायन संतोष गुप्ता के साथ अवधेश कुमार ने बताया कि यहाँ ऐसी महिलाये भी है जिनका अब इस संसार मे कोई नही, मिशनरी मे सिस्टर उनकी देखभाल करती है। उन्होंने कहा कि उनकी देखभाल करना हमसबों की जिम्मेदारी बनती है, समाज के अंतिम पंक्ति में गुजर बसर कर रहे। ये लोग अपनी देखभाल समुचित तरीके से नही कर पाते। क्लब के पीआरओ लायन प्रिया गुप्ता के हवाले से जानकारी दी गई कि इस कड़ी में आज 36 लोगो के बीच सामग्री का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि हर वर्ष ये वितरण कार्य लायन राजेन्द्र सर्राफ के सौजन्य से किया जाता रहा है। आज उनकी स्मृति मे यह वितरण कार्य किया गया जो आगे भी हर वर्ष अनवरत जारी रहेगा। उपस्थित अध्यक्ष लायन चारुलाता पटेल के साथ पूर्व कोषाध्यक्ष लायन पुरुषोत्तम मोदी ने बताया कि लायंस क्लब विश्व के 210 देशों में लगभग 15 लाख सदस्यों के माध्यम से 24 घंटे सेवा कार्य मे लगी रहती है। कटिहार में अबतक 10 हजार से ज्यादा आंखों के मोतियाबिंद का आपरेशन किया जा चुका है। क्लब के पीआरओ लायन प्रिया गुप्ता ने बताया कि सिरसा मे लायंस हॉस्पिटल मे मोतियाबिंद आपरेशन चालू किया है। प्रत्येक बुधवार को ऑपरेशन किया जा रहा है। इस मौके पर मिशनरी के सिस्टर ने क्लब के सदस्यों को साधुवाद दिया।

संक्षिप्त समाचार

डेहरिया पंचायत में टीबी मरीजों के बीच में फूड बास्केट का किया वितरण

प्रवीण कुमार, कटिहार। कटिहार सदर ब्लाक के डेहरिया पंचायत में राम अवतार सिंह मुखिया डेहरिया के द्वारा टीबी मरीजों के बीच में फूड बास्केट का वितरण किया गया। उन्होंने जानकारी दिया कि वर्ष 2025 के लिए डेहरिया पंचायत को टीबी मुक्त पंचायत के लिए चयनित किया गया है, जिसमें कुल 1254 व्यक्तियों का स्क्रीनिंग किया गया एवम् 217 संभावित मरीजों का जांच किया गया।अभी डेहरिया पंचायत में चार मरीजों का दवा चल रहा है। इस दौरान योगेंद्र प्रसाद पाल एसटीएस कटिहार सदर ब्लॉक ने जानकारी दिया कि प्रधानमंत्री के द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। उस अभियान के अंतर्गत कटिहार ब्लॉक में भी टीबी टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम चलाया जा रहा है।इस वर्ष डेहरिया पंचायत,दलन पूर्व एवं गर्भेली पंचायत को टीबी मुक्त पंचायत घोषित किया जाएगा।कमलेश कुमार साहू वर्ल्ड हेल्थ पार्टनर्स ने जानकारी दिया कि दो सप्ताह से अधिक की खांसी, शाम को बुखार,वजन कम होना,भूख नहीं लगना, छाती में दर्द,बलगम के साथ खून आनाये सभी लक्षण टीबी के हो सकते हैं। टीबी का जांच एवं दवा सभी सरकारी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ प्राइवेट चिकित्सक के यहां फ्री में उपलब्ध है। जहां से मरीज अपनी दवा ले सकते हैं।

भैरोगंज में आठ वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म का मामला, पड़ोसी युवक गिरफ्तार; पीड़िता को इलाज के लिए भेजा अस्पताल

बगहा बगहा पुलिस जिला अंतर्गत भैरोगंज थाना क्षेत्र में बीती रात एक गंभीर आपराधिक घटना सामने आई है . आरोप है कि 24 वर्षीय युवक ने अपने पड़ोसी के घर में घुसकर आठ वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और बच्ची के शोर मचाने पर परिजनों के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया .घटना के बाद आसपास के लोग एकत्र हो गए और इसकी सूचना भैरोगंज थाना पुलिस को दी गई . सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सीता केवट पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी एसडीपीओ बगहा कुमार देवेंद्र को दी . पुलिस ने पीड़िता के परिजनों से पूछताछ के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक संजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया है.वही घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ बगहा कुमार देवेंद्र घटना स्थल पहुंचकर पीड़िता के परिजनों से पूछताछ करते हुए वस्तुस्थिति की जानकारी ली और आरोपी युवक को कड़ी से कड़ी सजा दिलाना का आश्वासन दिया . एसडीपीओ कुमार देवेन्द्र ने बताया कि इस मामले में पीड़िता के मां संगीता देवी के आवेदन पर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है .वही गिरफ्तार आरोपी युवक संजीत कुमार से पुलिस गहन पूछताछ करते हुए अग्रेत्तर कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत बगहा भेजा जाएगा .

जिला परिषद के भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर सार्वजनिक जगहों पर चिपकाया गया आम सूचना

अंचल कार्यालय ने दिया है एक सप्ताह का समय

तुरकौलिया। जिला परिषदीय भूमि को तुरकौलिया चौक पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर लिया गया है। जिससे जिला परिषद को राजस्व की क्षति हो रही है। इसे मुक्त कराने को लेकर उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद, पूर्वी चंपारण ने अंचल कार्यालय को पत्र देकर उक्त खाता संख्या 536 व खेसरा 1110 एवं 1073 को अतिक्रमिण मुक्त करने के लिए निदेशित किया है। इसी पत्र के आलोक में अंचल कार्यालय ने कार्रवाई करने की शुरुआत की है। तुरकौलिया चौक पर खाता संख्या 536 व खेसरा संख्या 1110, 1073 जिला परिषदीय भूमि अवस्थित है। जिसे अतिक्रमणकारियों ने कब्जा किया है। इसे लेकर गत साल 9 दिसंबर को पत्रांक 1496 द्वारा उप विकास आयुक्त ने पत्र देकर खाली कराने का निर्देश दिया गया है। इसी के संदर्भ में अंचल कार्यालय द्वारा चौक, बाजार, पंप, पेड़ व विधुत पोल पर आम सूचना चस्पा कर सूचित किया गया है। चिपकाए गए आम सूचना के माध्यम से आमलोगों को सूचित किया गया है कि किसी के पास उक्त खाता, खेसरा संबंधित साक्ष्य के रुप में दास्तवेज, कागजात हो तो एक सप्ताह के भीतर कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहा गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि निर्धारित समय के बाद दखल कब्जा संबंधित कागजात उपलब्ध कराने पर कोई विचार नही नही किया जाएगा। अंचल नाजिर प्रमोद सिंह ने सार्वजनिक जगहों पर आम सूचना चिपकाने की पुष्टि की है।

नवपदस्थापित थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बिजधरी थाना में पदभार संभाला

केसरिया, पू.च। बिजधरी थाना की नवपदस्थापित थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने शुक्रवार को पदभार संभाला। इससे पहले वे हरसिद्धि की अपर थानाध्यक्ष थी। बिजधरी थानाध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद उन्होंने पुलिस कर्मियों से क्षेत्र के बारे में आवश्यक जानकारी ली। साथ हीं लाला छपरा, सतरघाट, सुन्दरापुर सहित थाना क्षेत्र में भ्रमण कर क्षेत्र के बारे में जाना। कहा कि बेहतर पुलिसिंग को लेकर काम किया जाएगा। पुलिस व पब्लिक के बीच समन्वय बना रहे इसका ख्याल रखा जाएगा। थाना क्षेत्र के लोगों से विधि व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग की उम्मीद जताई। शराब तस्करी व इससे जुड़े लोगों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की बात कही।

नालंदा जिले में अल्पसंख्यक ऋण वसूली अभियान, 19 से 24 जनवरी तक विशेष शिविर का आयोजन

नालंदा। नालंदा जिले में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने ऋण न चुकाने वाले लाभार्थियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा फैसला लिया है। आगामी 19 से 24 जनवरी 2026 तक बिहारशरीफ स्थित जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में छह दिवसीय विशेष ऋण वसूली शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर बकायेदारों के लिए राहत का अंतिम अवसर साबित हो सकता है। विभाग की ओर से संचालित मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना, एनएमडीएफसी टर्म लोन और मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक शिक्षा ऋण योजना के तहत जिले में सैकड़ों लोगों ने लोन लिया है। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से अनेक लाभार्थी नियमित किस्तों का भुगतान नहीं कर रहे हैं। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि अब किसी भी प्रकार की बहानेबाजी या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिविर में उपस्थित न होने या राशि जमा न करने वाले बकायेदारों को किसी भी स्पष्टीकरण का अवसर नहीं दिया जाएगा। ऐसे लाभार्थियों को न केवल मूल बकाया राशि बल्कि ब्याज और दंड-ब्याज भी चुकाना होगा। विभाग ने डिफॉल्टरों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की पूरी तैयारी कर ली है। जो लोग शिविर में भी अपना बकाया जमा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ दीवानी और फौजदारी मुकदमे दायर किए जाएंगे। इसके अलावा नीलामी की कार्रवाई भी की जा सकती है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि हमारा उद्देश्य लोगों को सुविधा प्रदान करना है, इसलिए यह विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। लेकिन जो लोग जानबूझकर राशि नहीं लौटा रहे हैं, उनके खिलाफ विभागीय निर्देशों के अनुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मैं सभी लाभार्थियों से अपील करता हूं कि वे अप्रिय कार्रवाई से बचने के लिए इस शिविर का लाभ उठाएं।

जन्मदिवस पर प्राप्त स्नेह, शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए अश्विनी कुमार चौबे ने जताया आभार

केलांचल टाइम्स.

भागलपुर.पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर देशभर से प्राप्त बधाई, शुभकामनाओं एवं स्नेह के लिए सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शुभेच्छाओं ने उनके हृदय को गहराई से स्पर्श किया है और यह उनके लिए अत्यंत भावुक एवं प्रेरणादायी अनुभव रहा। श्री चौबे ने कहा कि उन्हें अनेक माननीय केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं तथा शुभचिंतकों द्वारा सोशल मीडिया, दूरभाष एवं व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएं प्राप्त हुईं।

उन्होंने विशेष रूप से अपने गृह जिला भागलपुर, कर्मभूमि लोकसभा क्षेत्र बक्सर,दरभंगा तथा बिहार के कोने-कोने से प्राप्त अपार स्नेह और समर्थन के लिए कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों का आभार प्रकट किया। इसके साथ ही विपक्षी दलों के कई नेताओं द्वारा फोन पर दी गई शुभकामनाओं को भी उन्होंने सद्भावना और लोकतांत्रिक सौहार्द का प्रतीक बताया।चौबे ने कहा कि दिल्ली पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री संतोष ओझा जी सहित मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता बंधुओं द्वारा दिल्ली स्थित आवास पर आकर जन्मदिन की शुभकामनाएं देना उनके लिए विशेष रूप से भावुक करने वाला रहा।उन्होंने यह भी कहा कि देश के अनेक वरिष्ठ संतों और आध्यात्मिक गुरुओं से प्राप्त आशीर्वाद उनके जीवन की अमूल्य पूंजी है, जो उन्हें निरंतर राष्ट्र और समाज सेवा के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। श्री चौबे ने कहा,मैं उन सभी लोगों का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने अपने बहुमूल्य समय से मुझे स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद प्रदान किया। आप सभी का यह प्रेम और समर्थन मुझे देश व समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का और अधिक निष्ठा के साथ निर्वहन करने की प्रेरणा देता रहेगा।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी का साहिबगंज दौरा रद्द, सदर अस्पताल में देने वाले थे ओपीडी सेवा

केलांचल टाइम्स.

साहिबगंज। अपरिहार्य कारणों से स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी का 3 जनवरी का साहिबगंज दौरा फ़िलहाल रद्द कर दिया गया है। डॉ अंसारी ने बताया कि जिला उपायुक्त साहिबगंज हेमंत सती के बड़े पिताजी के आकस्मिक निधन के कारण साहिबगंज में प्रस्तावित ओपीडी, मेडिकल कॉलेज भूमि निरीक्षण और अन्य निर्धारित कार्यक्रमों को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।स्वास्थ्य मंत्री डॉ अंसारी साहिबगंज जिले में आगामी 3 जनवरी को स्वास्थ्य सेवाओं और मेडिकल कॉलेज परियोजनाओं की प्रगति का निरीक्षण करने वाले थे। वे सुबह 11 बजे सदर अस्पताल में ओपीडी सेवा देने वाले थे और खुद मरीजों से संवाद कर, उनकी समस्याओं को सुनकर आवश्यक उपचार करने वाले थे।हालांकि इस दुखद घटना के कारण उनके सभी कार्यक्रम फिलहाल स्थगित किए गए। डॉ अंसारी ने नागरिकों और अधिकारियों से सहयोग की अपील की है और कहा है कि वह जल्द ही साहिबगंज दौरा पुनः निर्धारित करेंगे।

♦ साहिबगंज में प्रस्तावित ओपीडी, मेडिकल कॉलेज भूमि निरीक्षण और अन्य निर्धारित कार्यक्रमों को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया

एक महीने से पेंशन की राशि के लिए बैंक का चक्कर काट रहे वृद्ध

केलांचल टाइम्स.

नरहट (नवादा)। प्रखण्ड के जमुआरा पंचायत अंतर्गत काजीपुरा निवासी रामचन्द्र चौधरी करीब 90 वर्षीय पिता त्रिलोकी चौधरी को कड़ाके की ढंड में ठेला रिक्शा पर पेंशन के लिए एक महीने से दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक ब्रांच छोटा शेखपुरा का चक्कर लगा रहे हैं। रामचंद्र चौधरी ने काफी गुस्से में मीडिया को बताया कि पिता जी को तीन महीने से पेंशन नही मिला है।

शुक्रवार को भी अपने पिता को लेकर बैंक पहुचे और पेंशन के लिए फॉर्म भरकर दिया। मैनेजर ने कागजी कमी बताकर फिर लौटा दिया जिसपर रामचन्द्र चौधरी का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया और पूरे शेखपुरा बाजार में बैंक प्रबंधक को उल्टा सीधा बोलते हुए जा रहा था। पीड़ित का कहना है कि कोई न कोई बहाना लगाकर बैंक कर्मी लौटा देते हैं। सीएसपी बोलता है अंगुठा नही लगता है मेन ब्रांच जाओ और मेन ब्रांच बोलता है सीएसपी में जाओ। पेंशन वाले लाभुक काफी वृद्ध होते हैं इधर उधर के चक्कर से काफी परेशान होते है।

पीड़ित ने वरीय अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराते हुए समस्या का समाधान की मांग की है। इधर पूछे जाने पर ब्रांच बैंक प्रबंधन संजय कुमार ने बताया कि मेरे पास कोई शिकायत लेकर नहीं आया है। आने पर समस्या का समाधान किया जाएगा।

ग्रामीणों ने कराया लावारिस गाय का प्रसव

केलांचल टाइम्स.

आग जलाकर गर्मी देते लोग

रजौली। नगर पंचायत अवस्थित पीएम एकेडमी के सामने खुले मैदान में एक गाय ने एक बछड़े को शुक्रवार की दोपहर लगभग 3 बजे जन्म दिया है।मैदान के बगल में ही रहने वाली कुमारी सीमा सिंह एवं शालू कुमारी ने बताई कि दोपहर को उनका बच्चा मैदान में खेल रहा था,तभी बच्चों ने देखा कि झाड़ी में एक गाय के पीछे बछड़े का कुछ अंश बाहर निकला हुआ है।बच्चों ने इसकी सूचना अपने परिजनों को दी।सूचना पाकर पहुंची शालू ने गाय के बछड़े के फंसे शरीर को बाहर निकालने का प्रयास करने लगी।किंतु जब बछड़ा बाहर नहीं निकला और गाय दर्द से लगातार चीख रही थी।शालू ने यू-ट्यूब पर वीडियो देखकर सरसों तेल के सहारे फंसे बिछड़े को नम आंखों से बाहर निकालने का लगातार प्रयास की और सफल भी हुई।बछड़े के जन्म देने के बाद गाय और बछड़ा दोनों ठंड से कांपने लगा,जिसे आसपास के सुखी लकड़ियां और कचरा जलाकर गर्मी दिया गया।घटना की जानकारी शालू ने अपने पड़ोसी गोलू को दी।गोलू द्वारा आसपास काफी पूछताछ किया,किंतु गौपालक की जानकारी नहीं मिल पाई।गोलू द्वारा स्थानीय थाना को इसकी सूचना दी गई है।वहीं बिपिन कुमार ने कहा कि गौपालक को ऐसी स्थिति में खुला चरने के लिए नहीं छोड़ना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि बछड़े को जन्म देते समय गाय दर्द से कराह रही थी।ऐसे में शालू ने मां की ममता को समझते हुए,बछड़े को जन्म देने में काफी सहायता की है।नवजात बछड़े को गली के कुत्तों समेत अन्य जानवरों से काफी खतरा था।इसलिए बभनटोली निवासी गोलू ने कहा कि वे अपने घर में गाय और बछड़े को सुरक्षित रखकर,उनकी सेवा में जुटे हुए हैं।साथ ही बताया कि जब गाय के असली मालिक आएंगे,तो उन्हें यह गाय और बछड़ा सौंप दिया जाएगा।

♦ यू-ट्यूब पर वीडियो देखकर सफल हुआ प्रसव, गौपालक की तलाश जारी, गाय और बछड़ा सुरक्षित

पीएम आवास योजना में 30 हजार रुपए की मांग, नालंदा में वार्ड पार्षद का वीडियो वायरल

केलांचल टाइम्स.

नालंदा। प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी जनकल्याणकारी योजना में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। नालंदा जिले के हिलसा नगर परिषद में वार्ड नंबर 10 के पार्षद का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वह लाभार्थी से 30 हजार रुपए की मांग करते हुए खुलेआम धमकी देते नजर आ रहे हैं।

लाभार्थी ने लगाई न्याय की गुहार: वार्ड संख्या 10 की निवासी सुमंता देवी, जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर निर्माण की स्वीकृति मिली है। उन्होंने एसडीओ हिलसा को लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है। आरोप है कि स्वीकृति मिलने के बाद वार्ड पार्षद शैलेंद्र कुमार उर्फ शैलू सिंह ने मोटी रकम की मांग की। जब वह राशि देने में असमर्थता जताई, तो पार्षद ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर काम रुकवा दिया और धमकी दी। इस घटना से पूरा परिवार दहशत में है।

काम बंद करने की धमकी: वायरल वीडियो 29 दिसंबर का बताया जा रहा है। इसमें वार्ड पार्षद साफ शब्दों में कहते सुने जा सकते हैं, 'तुम जहां तक आगे बढ़ोगे, उतनी ही दिक्कत तुम्हें झेलनी पड़ेगी। ना तुम्हें धनंजय मुख्य पार्षद बचाएगा और ना ही नगर परिषद। आराम से पैसा लाकर मेरे पास पहुंचा दो और काम करते रहो। नहीं तो काम बंद कर दो। 30,000 रुपए मैं लूंगा। वीडियो में पीड़िता गिड़गिड़ाते हुए कहती हैं कि उनके पास इतने पैसे नहीं हैं। इस पर वार्ड पार्षद का जवाब है, 'पैसा नहीं है तो काम बंद कर दो।' यह घटना सरकारी योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार की गंभीर तस्वीर पेश करती है। हिलसा के एसडीओ अमित कुमार पटेल ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आवेदन मिला है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। आवेदन में जान से मारने की धमकी का भी उल्लेख है, इसलिए संबंधित थाने को भी इसकी जांच का जिम्मा सौंपा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। आरोपों को वार्ड पार्षद शैलेंद्र कुमार ने खारिज कर दिया है। उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए दावा किया कि यह मेरा वीडियो नहीं है। मैं सुमंता देवी के घर के पास जरूर गया था। मैंने केवल इतना कहा कि जो सड़क पर निर्माण सामग्री गिराकर काम किया जा रहा है, उसे समेट लें। 8 फीट चौड़ी सड़क पर मटेरियल गिराकर अतिक्रमण किया गया है। हालांकि, वायरल वीडियो में साफ तौर पर 30 हजार रुपए की मांग और धमकी सुनाई देती है, जो पार्षद के बयान को कमजोर करती है।

♦ काम बंद करने की धमकी, पीड़ित ने न्याय की लगाई गुहार

नालंदा में श्रवण कुमार ने पीड़ितों को दिए चेक

केलांचल टाइम्स.

नालंदा। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने आज बिहारशरीफ प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में विभिन्न आपदाओं में अपने परिजनों को खोने वाले तीन परिवारों को सहायता राशि के चेक दिए। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ित परिवारों का है। मंत्री ने पीड़ित परिवारों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। हम हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

तीन परिवारों को मिली आर्थिक सहायता: बिहारशरीफ प्रखंड के तेतरावां गांव में सकरी नदी के तेज बहाव में बह जाने से स्वर्गीय मिथिलेश राउत के बेटे अंकुश कुमार की मौत हो गई थी। आपदा सहायता के तहत मृतक की पत्नी रेखा देवी को चार लाख रुपए का चेक दिया गया। इसी तरह बिहारशरीफ के डुमरावा निवासी मृतक बासो मिस्त्री की आश्रित पत्नी रेखा देवी को भी चार लाख रुपए की सहायता राशि दी गई। वहीं, मानपुर थाना क्षेत्र के बेलछी शरीफ गांव में वज्रपात की चपेट में आने से बुंदेल जमादार के बेटे अंकित कुमार की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना में मृतक की पत्नी सुशीला देवी को भी चार लाख रुपए की राहत राशि का चेक सौंपा गया। इसके अलावा, दीपनगर बायपास पर हुई सड़क दुर्घटना में सुखदेव विश्वकर्मा के बेटे श्रवण कुमार की मौत हो गई थी। तात्कालिक सहायता के रूप में मृतक की पत्नी शशि देवी को 20 हजार रुपए का चेक दिया गया।

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश: मंत्री श्रवण कुमार ने इस अवसर पर अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आपदा और दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों की सहायता करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "ऐसी घटनाओं में पीड़ित परिवारों को शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें तत्काल राहत मिल सके।

कार्यक्रम में मौजूद रहे गणमान्य: इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार, अंचलाधिकारी प्रभात रंजन, नगर अध्यक्ष जदयू गुलरेज अंसारी, प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव सहित कई समाजसेवी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

♦ तीन परिवारों को 4 लाख रुपए मिले, मंत्री बोले- परिवारों की मदद करना सरकार की जिम्मेदारी

जदयू के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष बीस सूत्री अध्यक्ष मोहन मंडल का निधन,जदयू कार्यकर्ताओं में शोक की लहर

केलांचल टाइम्स.

भागलपुर.जदयू के लोकप्रिय नेता, नाथनगर प्रखंड के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष स्वर्गीय मोहन मंडल जी के स्वर्गवास हो गया । उनके आकस्मिक निधन से न केवल नाथनगर प्रखंड, बल्कि पूरे जिला जदयू संगठन को गहरा आघात पहुँचा है।कार्यकारी जिलाध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता ने कहा कि वे एक कर्मठ, जुझारू एवं संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा रखने वाले नेता थे, जिन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय पार्टी को मजबूत करने और जनसेवा में समर्पित किया। स्व. मोहन मंडल जी का व्यक्तित्व सरल, मिलनसार और संघर्षशील था। वे हमेशा आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनते थे और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहते थे। संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच वे मार्गदर्शक की भूमिका में रहे और सभी को साथ लेकर चलने की उनकी क्षमता सराहनीय थी। बीस सूत्री अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया।उनके निधन से पार्टी ने एक अनुभवी, कर्तव्यनिष्ठ और जनप्रिय नेता को खो दिया है, जिसकी भरपाई कर पाना कठिन है। इस शोक की घड़ी में जिला जदयू परिवार दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करता है और ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करें।सांसद अजय मंडल, विधायक ललित नारायण मंडल, विधायक शुभानंद मुकेश, पूर्व सांसद कहकशां परवीन , पूर्व विधायक लक्ष्मीकांत मंडल ,संगठन प्रभारी प्रहलाद सरकार, वरिष्ठ नेता राजीवकांत मिश्रा, वरिष्ठ नेत्री कल्याणी शाह, हीरा पाण्डेय , पूर्व जिला अध्यक्ष अर्जुन शाह , प्रदेश उपाध्यक्ष अति पिछड़ा प्रकोष्ठ पप्पू मंडल, वरिष्ठ नेता सुड्डू साईं , प्रो. सुमन यादव, महेश यादव, प्रो. आनंद यादव , धनंजय मंडल ,गुरुचरण गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनय सिंह, उपाध्यक्ष मनोज मंडल, उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह, जिला प्रवक्ता शैलेंद्र तोमर, प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्षगण दीपक सिंह कुशवाहा, दीपक गुप्ता,नंदन राय, महेश दास,गोलू मंडल, राजीव सिन्हा, संतोष पटेल ,सोनी कुमारी, मृत्युंजय कुशवाहा , संजीव चंद्रवंशी ;प्रखंड अध्यक्षगण विजय मंडल, शाहबाज आलम मुन्ना ,किशोर कुमार, ललन कुशवाहा, गुरुदेव मंडल,बृजेश सिंह ,सदानंद कुमार ,विनय कुमार ; अमन कुमार, नीतीश कुमार, विपिन कुमार, दुर्गेश साह, सुनिता सिंह, नीलम, नीलू, विरेंद्र उर्फ वीरु, कामदेव चौरसिया, पुर्व युवा जिलाध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह, शमीम रिजवी, के साथ-साथ काफी तादाद में जदयू कार्यकर्ताओं ने गहरी शोक व्यक्त किये।

याद किए गए डॉ. रवि

♦ आधुनिक कोसी के विश्वकर्मा थे डॉ. रविः शंभू नारायण यादव

कैलांचल टाइम्स

मधेपुरा I डॉ. रवि (जन्म 1943- निधन 2021) एक सुप्रसिद्ध विद्वान, स्वाभिमानी शिक्षक, कुशल प्रशासक, लोकप्रिय राजनेता एवं सहृदय इंसान थे। उन्होंने कोसी क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे एक तरह से आधुनिक कोसी के विश्वकर्मा थे। यह बात डॉ. रवि विचार मंच के अध्यक्ष शंभू नारायण यादव ने कही। वे शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यालय में आयोजित कोसी के विकास में डॉ. रवि का योगदान विषयक परिचर्चा की अध्यक्षता कर रहे थे। परिचर्चा का आयोजन पूर्व सांसद (लोकसभा एवं राज्यसभा) एवं बीएनएमयू, मधेपुरा के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर डॉ. रमेन्द्र कुमार यादव रवि की जयंती की पूर्व संध्या पर डॉ. रवि विचार मंच के तत्वावधान में किया गया। उन्होंने कहा कि बताया कि डॉ. रवि के प्रयास से ही सन् 1981 में मधेपुरा को जिला का दर्जा मिला। कोसी क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछा और सन् 1992 में भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

डॉ. रवि का राजनीति में था विशिष्ट स्थानः उन्होंने कहा कि डॉ. रवि का प्रदेश एवं देश की राजनीति में एक विशिष्ट स्थान था। उन्होंने राजनीति की शुरुआत कांग्रेस पार्टी से की थी।बाद में वे जनता दल से रिकार्ड मतों से संसद में पहुंचे। वे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी, पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव एवं वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अत्यंत करीबी रहे।

हमेशा दिलों में जिंदा रहेंगी डॉ. रवि की स्मृतियांः कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीएसडब्ल्यू प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि डॉ. रवि हमारे प्रेरणास्रोत हैं। उनकी स्मृतियां हमारे दिलों में हमेशा ताजी रहेंगी। उन्होंने महज छः माह के कार्यालय में विश्वविद्यालय के विकास की मजबूत आधारशिला रखी। उन्होंने बताया कि डॉ. रवि पार्वती विज्ञान

महाविद्यालय के शाही निकाय के अध्यक्ष भी थे। वे ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय के प्रथम कमीशंड प्रधानाचार्य रहे और प्रधानाचार्य के रूप में ही विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति बने।

एक लोकप्रिय शिक्षक थे डॉ. रविः ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा के प्रधानाचार्य प्रो. कैलाश प्रसाद यादव ने कहा कि डॉ. रवि एक लोकप्रिय शिक्षक थे। जब वे अपनी हिंदी कक्षा में लयबद्ध होकर दिनकर के प्रबंध काव्य रश्मिरथी का पाठ करते थे, तो दूसरे विषयों के विद्यार्थी भी उसे सुनने आ जाते थे। उन्होंने कहा कि डॉ. रवि साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में अत्यधिक सक्रिय थे। वे बुद्धिजीवी विचार मंच के अध्यक्ष, राष्ट्र भाषा परिषद् के सदस्य, बिहार मैथिली अकादमी के सदस्य, सदस्य, राज्य भाषा समिति के सदस्य एवं हिन्दी साहित्य सम्मेलन, मधेपुरा के अध्यक्ष रहे। उन्होंने कई पुस्तकों की रचना की है, जो विभिन्न पाठ्यक्रमों में भी शामिल हैं।

प्रतिमा-निर्माण कार्य होगा शुरूः कार्यक्रम का संचालन करते हुए समन्वयक डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि डॉ. रवि विचार मंच का उद्देश्य डॉ. रवि के विचारों एवं कार्यों का प्रचार-प्रसार करना है।मंच के प्रयास से विश्वविद्यालय में डॉ. रवि की आदमकद प्रतिमा हेतु स्थल का शिलान्यास कुलपति प्रो. बी. एस. झा के कर-कमलों से हो चुका है। आने वाले दिनों में प्रतिमा-निर्माण का कार्य शुरू कराया जाएगा। इस अवसर पर क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक परिषद के निदेशक प्रो. मो. अबुल फजल, एम. एड. विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सी. डी. यादव, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर माधुरी कुमारी, डॉ. अंजू प्रभा, डॉ. रूपा कुमारी, संतोष कुमार आदि उपस्थित थे।

बिलकुल—इसे "जरा हटकर, धांसू और असरदार" अंदाज़ में सधे हुए अखबारी स्टाइल में पेश कर रहा हूँ

♦ विजय कुमार मंडल को मंत्री बनाए एनडीए सरकार, अति पिछड़ा समाज को मिले सम्मान : रमण वर्मा
♦ जनआस्था, विकास और राजनीतिक संदेश—तीनों का संगम बना सुंदरनाथ धाम का यह आयोजन
♦ विजय कुमार मंडल को लेकर समर्थकों की अपेक्षाएं अब और मुखर होती दिख रही हैं

कैलांचल टाइम्स

सुंदरी मठ I पूर्व आपदा प्रबंधन मंत्री एवं सिकटी के लोकप्रिय विधायक माननीय विजय कुमार मंडल ने नववर्ष और अपने जन्मदिन के पावन अवसर पर बाबा सुंदरनाथ धाम में विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान वे मंदिर के विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचे और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर अधिकारियों के साथ आवश्यक सुधारों पर विस्तृत चर्चा की। पूजा-अर्चना के उपरांत विधायक मंडल ने कहा कि "सुंदरनाथ धाम को वर्ष 2030 तक दिव्य, भव्य और आकर्षक धार्मिक-पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना हमारा संकल्प है।" उन्होंने मंदिर परिसर में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

जन्मदिन पर उमड़ा समर्थकों का सैलाबः 1 जनवरी को विधायक विजय कुमार मंडल के जन्मदिन के अवसर पर बधाइयों का तांता लगा रहा। पैक्स अध्यक्ष रमण कुमार वर्मा अपने दल-बल के साथ सुंदरनाथ धाम पहुंचे और विधायक को फूलों का बुके, अंगवस्त्र भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। हर वर्ष की तरह इस बार भी विधायक मंडल ने जन्मदिन को धार्मिक आस्था और जनसेवा से जोड़ते हुए बाबा सुंदरनाथ के दरबार में माथा टेका।

एनडीए सरकार से मंत्री बनाने की जोरदार मांगः इस अवसर पर पैक्स अध्यक्ष रमण वर्मा ने एनडीए सरकार से जोरदार मांग करते हुए कहा कि आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में सिकटी विधायक विजय कुमार मंडल को मंत्री बनाया जाए, ताकि अति पिछड़ा समाज को उसका वाजिब सम्मान मिल सके। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने चुनाव प्रचार के दौरान जनता से वादा किया था कि विजय कुमार मंडल को जीत दिलाने पर उन्हें मंत्री बनाया जाएगा। रमण वर्मा ने कहा कि अब जनता उस वादे के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रही है।

"सशक्त गांव, विकसित भारत" की ओर मजबूत कदम — आवास योजनाओं से बदली गरीबों की तक़दीर

♦ पूर्णिया सदर विधायक विजय खेमका बोले— पक्के घर नहीं, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नींव रख रही हैं केंद्र सरकार की योजनाएं

कैलांचल टाइम्स

पूर्णिया I माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प "सशक्त गांव, विकसित भारत" को साकार करने में केंद्र सरकार की आवास योजनाएं मील का पत्थर साबित हो रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आज करोड़ों गरीब परिवारों के जीवन में खुशहाली आ रही है। यह बात पूर्णिया सदर सीट के लोकप्रिय विधायक विजय खेमका ने कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना एवं पीएम-जनमन आवास योजना के तहत जरूरतमंदों को पक्के घर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन मिल रहा है। विधायक विजय खेमका ने कहा कि यह योजनाएं सिर्फ छत देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव तैयार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पक्के आवास मिलने से गरीब परिवारों का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में इन योजनाओं के जरिए ग्रामीण भारत और सुदृढ़ होगा और देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर होगा।

विश्व शांति का चेहरा बने बॉलीवुड स्टार एजाज़ खान

♦ 56 देशों में फैले वर्ल्ड पीस हार्मनी ने एजाज़ खान को बनाया यूथ आइकन, डॉ. शकील सैफ़ी बोले– "पूरी दुनिया के युवाओं की आवाज़ बनेंगे एजाज़"

कैलांचल टाइम्स

नई दिल्ली I बॉलीवुड के चर्चित अभिनेता एजाज़ खान को वर्ल्ड पीस हार्मनी का यूथ आइकन नियुक्त कर अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह ऐतिहासिक नियुक्ति वर्ल्ड पीस हार्मनी के संस्थापक, चेयरमैन एवं सैफ़ी हॉस्पिटल्स के सीईओ हाजी डॉ. मोहम्मद शकील सैफ़ी द्वारा की गई I डॉ. शकील सैफ़ी ने कहा कि एजाज़ खान केवल एक अभिनेता ही नहीं, बल्कि समाज के लिए सोचने वाला जमीनी योद्धा हैं। "एजाज़ देश, कौम और नौजवानों के लिए मेहनत कर रहा है। इसलिए हमने इसे सिर्फ भारत का नहीं, बल्कि पूरे विश्व का यूथ आइकन बनाया है।" उन्होंने

बताया कि वर्ल्ड पीस हार्मनी के 56 देशों में कार्यालय हैं, जिनमें न्यूयॉर्क जैसे अंतरराष्ट्रीय शहर भी शामिल हैं। यूथ आइकन बनने पर एजाज़ खान ने भावुक होकर कहा, "आज मुझे जिस इंसान ने यह जिम्मेदारी दी है, वो इंसानियत की जीती-जागती मिसाल हाजी डॉ. शकील सैफ़ी हैं। उन्होंने न जाने कितनों का इलाज कराया, घर बनवाए, एंबुलेंस दीं। मस्जिद हो या मंदिर—जहां इंसानियत खतरे में होती है, डॉ. सैफ़ी सबसे पहले खड़े मिलते हैं। यह पद मेरे मां-बाप और मेरे चाहने वालों की दुआ का नतीजा है। अब मेरा मकसद सिर्फ एक है—लोगों की मदद करना।" डॉ. सैफ़ी ने आगे कहा, "एजाज़ खान हमारा बेटा है और बॉलीवुड का बड़ा चेहरा भी। हम और हमारी पूरी टीम इसके साथ खड़ी है। एजाज़ के जरिए हम दुनिया के युवाओं तक शांति, भाईचारे और मानवता का पैगाम पहुंचाएंगे।" अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई इस नियुक्ति को युवाओं के लिए नई उम्मीद और विश्व शांति अभियान को नई ताकत के रूप में देखा जा रहा है।

नवजीवन के जश्न में शामिल हुए सांसद प्रदीप कुमार सिंह

♦ नरपतगंज नगर में अशोक भगत जी के पौत्र के जन्मोत्सव पर पहुंचे सांसद, नन्हे बालक को दिया आशीर्वाद

कैलांचल टाइम्स

नरपतगंज I नरपतगंज नगर निवासी अशोक भगत जी के पौत्र के जन्मोत्सव कार्यक्रम में अररिया के लोकप्रिय सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने शिरकत की। इस अवसर पर सांसद ने परिवार को शुभकामनाएं दीं और नन्हे बालक के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए उसे स्नेहपूर्वक शुभाशीष प्रदान किया। सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि बच्चों का जन्म समाज के लिए नई उम्मीद और नई ऊर्जा लेकर आता है। उन्होंने इस खुशी के मौके पर भगत परिवार को बधाई देते हुए पारिवारिक सुख-शांति की कामना की। सांसद की उपस्थिति से कार्यक्रम का माहौल और भी उत्साहपूर्ण व यादगार बन गया।

15 जनवरी को पूर्णियाँ के शांति नगर में भव्य "दही-चूड़ा भोज", तैयारियाँ अंतिम चरण में

♦ पार्टी कार्यकर्ताओं से लेकर स्थानीय गणमान्य नागरिकों तक,दिया जा रहा है सभी को सादर आमंत्रण

कैलांचल टाइम्स

पूर्णिया I मकर संक्रांति के पावन अवसर पर भाजपा की तेजतर्रार नेत्री व जिला मंत्री नूतन गुप्ता एक बार फिर सामाजिक और राजनीतिक मंच पर सुर्खियाँ बटोरने को तैयार हैं। 15 जनवरी 2026 (गुरुवार) को उनके शांति नगर, वार्ड-03, पूर्णियाँ स्थित आवास पर पारंपरिक "दही-चूड़ा भोज" का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह है। पार्टी कार्यकर्ताओं से लेकर स्थानीय गणमान्य नागरिकों तक, सभी को सादर आमंत्रण दिया गया है। आयोजन स्थल पर हाइटेक व्यवस्था, सुव्यवस्थित प्रबंधन

और पारंपरिक अंदाज़ का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक, मकर संक्रांति का यह भोज सिर्फ परंपरा नहीं बल्कि जनसंपर्क और सामाजिक समरसता का संदेश भी देगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए बीजेपी नेत्री नूतन गुप्ता के पति भाजपा नेता पंकज पटेल के कुशल मार्गदर्शन में तैयारियाँ जोरों पर हैं और पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है।

कार्यक्रमः दिनांक : 15 जनवरी 2026 , स्थान : शांति नगर, वार्ड-03, पूर्णियाँ, समय : दिन के 11 बजे से आपके आगमन तक

नववर्ष 2026 की शुरुआत बाबा वैद्यनाथ के चरणों में

♦ नरपतगंज की लोकप्रिय विधायक देवंती यादव ने देवघर में की पूजा-अर्चना, क्षेत्र की उन्नति व जनकल्याण की कामना

कैलांचल टाइम्स

देवघर I नव वर्ष 2026 के शुभ एवं पावन अवसर पर नरपतगंज विधानसभा सीट की लोकप्रिय विधायक देवंती यादव ने बाबा नगरी देवघर पहुँचकर बाबा वैद्यनाथ धाम में विधिवत दर्शन-पूजन किया। बाबा भोलेनाथ के चरणों में शीश नवाकर उन्होंने नए वर्ष की मंगल शुरुआत की और नरपतगंज विधानसभा क्षेत्र के विकास, सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर विधायक देवंती यादव ने कहा कि बाबा वैद्यनाथ की असीम कृपा और जनता के आशीर्वाद से वे नए वर्ष में भी जनसेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ती रहेंगी। उन्होंने कामना की कि बाबा भोलेनाथ की

कृपा से वर्ष 2026 सभी के जीवन में खुशियाँ, स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि लेकर आए। अंत में उन्होंने क्षेत्रवासियों सहित समस्त देशवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं मंगलकामनाएँ दीं।

अररिया जिला परिषद–22 से मंजूर आलम लड़ेंगे चुनाव, नव वर्ष पर किया घोषणा ,मचा हलचल

♦ जनता की मांग पर त्रिस्तरीय पंचायती राज चुनाव में उतरेंगे मंजूर आलम, विकास का दिया नारा

कैलांचल टाइम्स

अररिया I जिला परिषद क्षेत्र संख्या–22, अररिया से मंजूर आलम को जिला परिषद पद का मज़बूत प्रत्याशी माना जा रहा है। क्षेत्र की जनता की लगातार मांग और समर्थन के बाद मंजूर आलम ने आगामी त्रिस्तरीय पंचायती राज चुनाव में चुनावी अखाड़े में उतरने का मन बना लिया है। मंजूर आलम ने साफ शब्दों में कहा— "आपका विश्वास, मेरा प्रयास। मिलकर करेंगे क्षेत्र का विकास। एक कदम विकास की ओर।" उनका कहना है कि अब समय आ गया है कि जनता उन चेहरों को जवाब दे, जो चुनाव जीतने के बाद बस्तियों को भूल

जाते हैं। मंजूर आलम ने विकास, पारदर्शिता और जनसंपर्क को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि वे हर गांव, हर टोले और हर समस्या तक खुद पहुंचेंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंजूर आलम जमीन से जुड़े, जनसरोकारों को समझने वाले और हर वर्ग की आवाज़ उठाने वाले नेता हैं। यही वजह है कि क्षेत्र में उन्हें लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है और राजनीतिक गलियारों में उनकी उम्मीदवारी को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि जिला परिषद क्षेत्र–22 की जनता इस बार किसे विकास की कमान सौंपती है, लेकिन इतना तय है कि मंजूर आलम की एंट्री ने चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं।

नववर्ष 2026 की शुभकामनाएँ

कैलांचल टाइम्स

रेल की पटरियाँ जैसे कानों में कह गईं—
नववर्ष की आती हुई रेलगाड़ी की सरसराहट,
जिसके डिब्बों में भरे हैं
प्रेम, प्रसन्नता, आशाएँ और उल्लास—
सब कुछ नया, ताज़ा और उजला।
हर नववर्ष नया होता है,
जब तक कोई और उसे पुराना न कर दे।
बीता वर्ष बन जाता है
यादों की एक समाधि—
कुछ मीठी, कुछ कसैली।
और सारी आशाएँ, सारे स्वप्न
आ टिकते हैं
आने वाले वर्तमान के चौकोर आँगन में।
आधी रात जब फुसफुसाती है—
"नयी शुरुआत",
तो हृदय में
अनंत आशा जन्म लेती है।
और जब भोर की किरण फूटती है,
तो दुआ बन जाती है—
कि यह वर्ष प्रेम, आनंद और ओस-सी ताजगी से भरा हो।
कामना है—
आपका वर्ष अच्छाइयों और चमत्कारों से सजा हो,
आपके सपने मधुर हों,
और हृदय हल्का व प्रसन्न।
नववर्ष 2026 मुबारक—
यह वर्ष
सबसे उजला, सबसे दमकता हुआ हो।
सितारे आपका मार्गदर्शन करें
चमकती आधी रात में,
चाँद बने
चाँदी का दीया,
घोर अँधेरी रात में।
आपका पथ आशा और आनंद से प्रकाशित रहे,
हर कदम सफलता की ओर बढ़े,
और जीवन में हो
प्रगति और प्रसन्नता का वास।
इस समृद्ध सांस्कृतिक धरती पर,
जहाँ रंग-बिरंगी परंपराएँ घुलती हैं,
वहाँ एकता और प्रेम की भावना सब पर भारी पड़े।
कश्मीर से कन्याकुमारी तक,
पूरब के तट से पश्चिमी क्षितिज तक—
अनेक भाषाएँ, विचार, संस्कृतियाँ,
जातियाँ और पंथ
साथ-साथ चलें।
आपके लिए हो
एक और भी बेहतर वर्ष।
दीपावली के दीप
आपका मार्ग आलोकित करें,
होली के रंग
हर दिन जीवन को रंगीन करें।
शब-ए-बारात बने
सच्ची खुशी की रात—
जो जीवन में पवित्रता, सरलता और आत्मिक संतोष भर दे।
रमज़ान का उपवास
संयम सिखाए,
ईद की सेवइयाँ
जीवन को मिठास से भर दें।
ईद-उल-अज़हा
त्याग की भावना जगाए।
दशहरा सिखाए
धर्म, सत्य और वीरता—
कि असत्य पर सत्य की विजय हो।
क्रिसमस लाए खुशियों का संदेश,
प्रकाश पर्व दे
अंतरात्मा का प्रकाश।
सरहुल और नौरोज़ लाएँ
उर्वरता और समृद्धि।
ये सभी पर्व मिलकर
इस विविध पुष्पों के बाग़ में
शिष्टता, सौंदर्य और सुवास भरें।
तबले की थाप
और दिल की धड़कन
मिलकर
जीवन को संगीत दें—
और एक नई शुरुआत।
आपके लिए कामना है—
एक शानदार वर्ष,
जो उल्लास से भरा हो।
हृदय आनंद से,
घर-आँगन स्नेह और गर्माहट से,
और जीवन
प्रेम व आशीर्वाद से भरपूर हो।
आपके सभी सपने—
चाहे पास हों या दूर—
साकार हों।
आप सदा
प्रसन्न, निष्पक्ष और उजले बने रहें।
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ—
प्रेम और मंगलकामनाओं के साथ।

प्रो.(डॉ.)गुलरेज रौशन रहमान
प्रधानाचार्य
राजेन्द्र मिश्र महाविद्यालय, सहरसा

रणधीर वर्मा के 35वें शहादत दिवस पर 3 को भारती बंधु देंगे संगीतमय श्रद्धांजलि

कैलांचल टाइम्स

धनबाद। कोयलांचल की धरती के जांबाज नायक और आतंकवादियों के दांत खट्टे करने वाले शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा का 35 वां शहादत दिवस इस वर्ष बेहद भव्य और गरिमामय तरीके से मनाया जाएगा। 3 जनवरी को धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में देशभक्ति और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। इस वर्ष श्रद्धांजलि सभा का मुख्य आकर्षण विश्व प्रसिद्ध सूफी गायक पद्मश्री डॉ भारती बंधु होंगे। भारती बंधु अपनी रूहानी गायकी के जरिए शहीद की प्रतिमा के समक्ष अपनी भावांजलि अर्पित करेंगे। शहीद रणधीर वर्मा की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में सत्ता और संगठन के कई बड़े चेहरे भी शिरकत करेंगे। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल होंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता धनबाद सांसद ढुल्लू महतो करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक राज सिन्हा और झरिया विधायक रागिनी सिंह शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। आयोजन समिति के अनुसार शनिवार को सुबह 10 बजे रणधीर वर्मा चौक स्थित शहीद की प्रतिमा के समीप सशस्त्र पुलिस बल की ओर से सर्वप्रथम शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा, इनके बाद अतिथियों की ओर से शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसके बाद संगीतमय कार्यक्रम की शुरुआत होगी। आयोजन समिति के भृगुनाथ भगत ने बताया कि रणधीर प्रसाद वर्मा महज एक पुलिस अधिकारी नहीं, बल्कि साहस का दूसरा नाम थे।

उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को किया रवाना

धनबाद। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय परिसर से उपायुक्त आदित्य रंजन ने सड़क सुरक्षा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरकता रथ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जिले के विभिन्न स्थानों पर 31 जनवरी 2026 तक भ्रमण करेगी और लोगो को सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक करती रहेगी। मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने लोगों से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की अपील की, ताकि सड़क दुर्घटनाओ में कमी आ सके। कार्यक्रम में उपायुक्त आदित्य रंजन के अलावा डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, डीएफओ विकास पालीवाल, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार भी शामिल थे।

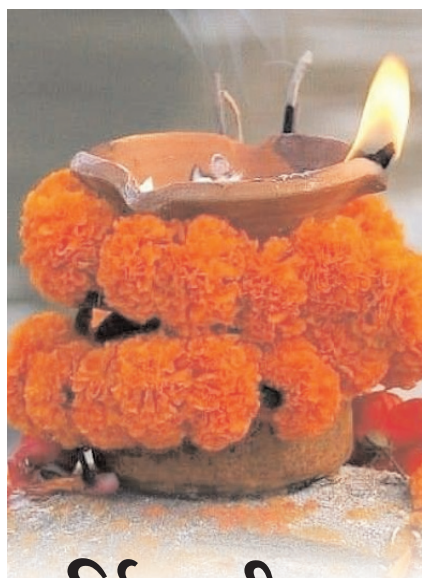

पूर्णिमा की रात भूलकर भी न करें ये 5 काम

हिंदू धर्म में किसी भी पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व होता है। ऐसा कहा जाता है कि पूर्णिमा की रात को चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से युक्त होता है और बेहद पवित्र और शक्तिशाली माना जाता है। यह तिथि चंद्रमा की पूर्ण कलाओं का प्रतीक भी होती है और इसे सकारात्मक ऊर्जा और माता लक्ष्मी के आशीर्वाद से भी जोड़ा जाता है। ऐसी मान्यता है कि पूर्णिमा की रात को आपको सात्विक और शुद्ध तरीके से रहना चाहिए जिससे चंद्रमा की ऊर्जा मिले और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा भी बनी रहे। यही नहीं ज्योतिष शास्त्र में ऐसा भी कहा जाता है कि यदि आप पूर्ण चंद्रमा की रात यानी कि पूर्णिमा की रात को अनजाने में कुछ गलतियां कर बैठती हैं तो इससे आपके जीवन में आर्थिक हानि हो सकती हैं। यही नहीं ऐसा करने से माता लक्ष्मी रूठ सकती हैं और आपके बनते काम भी बिगड़ने लगते हैं।

नाखून न काटें

वैसे तो शास्त्रों में कभी भी रात के समय नाखून और बाल काटने की मनाही होती है, लेकिन आपको पूर्णिमा की रात को ऐसा करने से पूरी तरह से बचना चाहिए। पूर्णिमा की रात को नाखून काटना अशुद्धता का संकेत देता है और इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। यही नहीं ऐसा करने से माता लक्ष्मी भी नाराज हो सकती हैं।

घर को गंदा न छोड़ें

पूर्णिमा की रात को माता लक्ष्मी के आगमन का समय भी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यदि आपका घर पूर्णिमा की रात में गंदा होता है तो माता लक्ष्मी का आगमन नहीं होता है। यदि घर अस्त-व्यस्त हो या घर के कोने में गंदगी इकट्ठा हो तो माता लक्ष्मी रूठ सकती हैं। मुख्य रूप से पूर्णिमा की रात को किचन और पूजा स्थल गंदा नहीं होना चाहिए।

दूध या दही का दान न करें

पूर्णिमा की रात को आपको भूलकर भी दूध या दही का दान नहीं करना चाहिए। यही नहीं इस दिन किसी से इन चीजों का दान लेना भी नहीं चाहिए। ऐसा करने से आपको आर्थिक हानि हो सकती है और बनते काम बिगड़ सकते हैं। दूध और दही को समृद्धि और शांति का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इन्हें पूर्णिमा की रात को किसी को न दें।

घर पर अंधेरा न करें

पूर्णिमा की रात को चंद्रमा अपने पूर्ण प्रकाश से युक्त होता है और इस दिन आपको रात के समय घर पर अंधेरा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में इसके नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं और माता लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं जिससे अनायास ही धन हानि हो सकती है। आपको पूर्णिमा की रात को घर पर दीपक भी जलाने चाहिए और मुख्य द्वार पर भी घी का दीपक प्रज्वलित करना शुभ माना जाता है।

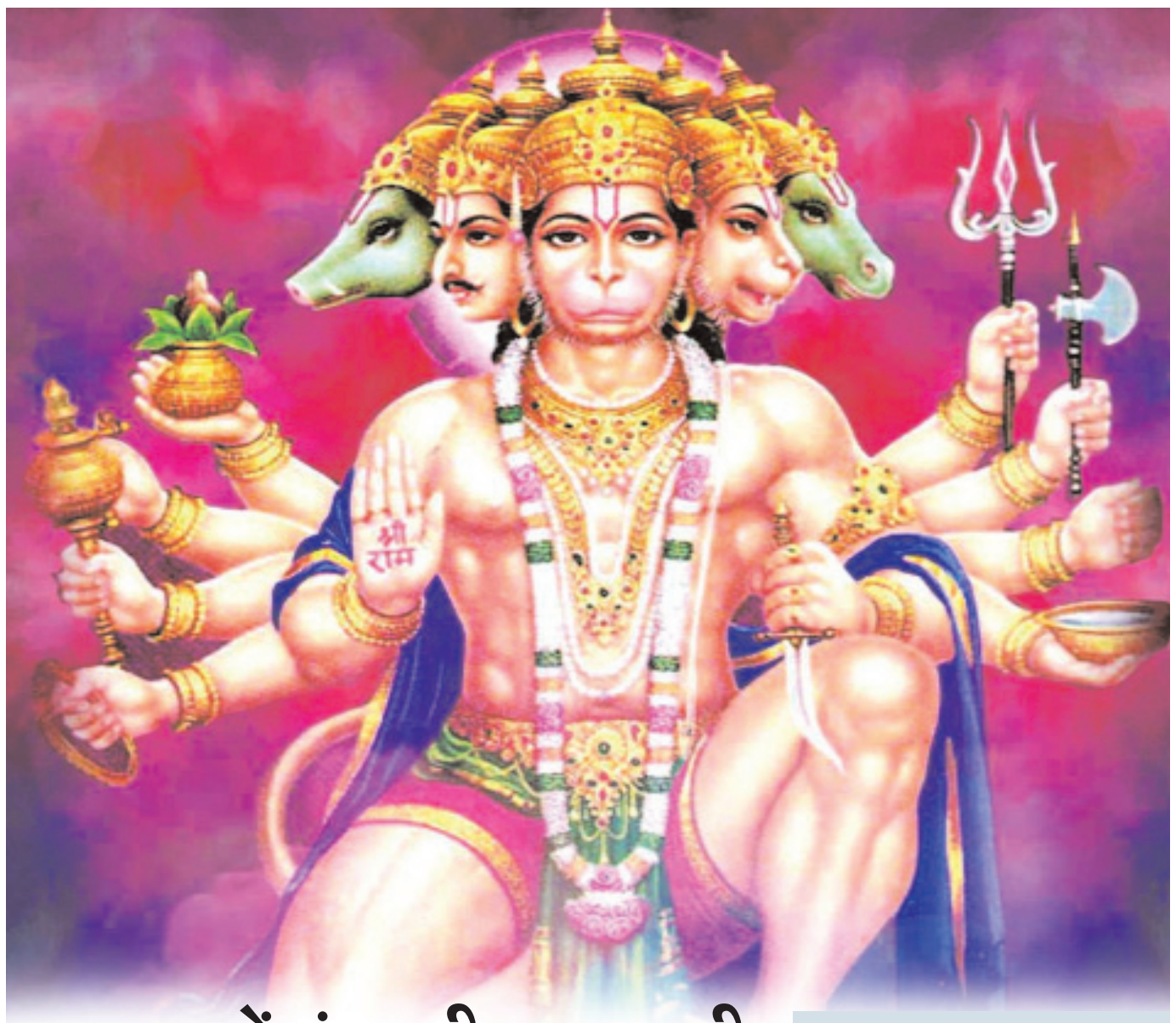

क्या घर में पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर रखना ठीक है? जानें ज्योतिष के नियम

पंचमुखी हनुमान जी को हिंदू धर्म में शक्ति, साहस और नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा का प्रतीक माना जाता हैं। उनकी पांच मुखों वाली मूर्ति विशेष रूप से पूजनीय मानी जाती हैं। पंचमुखी हनुमान जी से पांच मुख अलग-अलग देवताओं के रूप को प्रदर्शित करते हैं, लेकिन क्या इसे घर में रखना उचित है? यह सवाल कई लोगों के मन में जरूर उठता है क्योंकि इनके पांच स्वरुप उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह, पश्चिम में गरुड़, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख एवं पूर्व दिशा में हनुमान जी हैं। ऐसे में ये सभी देवता अलग-अलग रूपों का प्रतिनिधि करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि यदि आप इस मूर्ति का उचित तरीके से पूजन व सम्मान न कर सकें तो आपको इसके भूलकर भी पाने घर के मंदिर में नहीं रखना चाहिए। ज्योतिष के अनुसार पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को घर में रखने के विशेष नियम बताए गए हैं। ऐसा माना जाता है कि पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अत्यधिक ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है, जो घर के सामान्य वातावरण के लिए अनुकूल नहीं है। हनुमान जी का यह स्वरूप आमतौर पर पूजा स्थलों और मंदिरों के लिए उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि इसकी उग्र ऊर्जा को संभालने के लिए विशेष पूजा-अर्चना और नियमों का पालन करना आवश्यक होता है।

पंचमुखी हनुमान जी का महत्व

पंचमुखी हनुमान जी के पांच मुख अलग-अलग दिशाओं और तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मूर्ति में पूर्व दिशा की तरफ हनुमान ही का मूल स्वरुप दिखाई देता है। जो भक्तों को आत्म-शक्ति और साहस प्रदान करता है। मूर्ति का दक्षिण मुख जो नरसिंह स्वरुप है यह मुख भय और शत्रु विनाश का प्रतीक होता है। पश्चिम मुख जो गरुड़ देव को दिखाता है सभी प्रकार के नाग दोष और विष से हमारी रक्षा करता है। उत्तर दिशा की तरफ का मुख वराह रूप होता है जो धन और समृद्धि का प्रतीक होता है। ऊपर का मुख हयग्रीव रूप होता है जो ज्ञान और विजय का प्रतीक होता है। इन सभी स्वरूपों को एक मूर्ति में ढालकर पंचमुखी हनुमान जी बनते हैं जो अत्यंत शक्तिशाली माने जाते हैं।

घर में पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर क्यों नहीं रखनी चाहिए?

पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अत्यधिक उग्र और शक्तिशाली है। उनकी ऊर्जा इतनी प्रबल होती है कि इसे नियंत्रित करना आसान नहीं होता है। इस मूर्ति को घर में गलत स्थान पर रखने से कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने से उस स्थान की ऊर्जा बहुत ज्यादा सक्रिय हो सकती है जो ऊर्जा के असंतुलन का कारण बन सकती है। यह ऊर्जा कभी-कभी घर के सदस्यों के लिए असुविधाजनक और तनावपूर्ण हो सकती है। इस ऊर्जा के सकारात्मक की जगह कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं, जिससे लोगों के बीच आपसी झगड़े बढ़ सकते हैं और अशांति का वातावरण पैदा हो सकता है।

पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर उग्रता का प्रतीक

पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप उग्रता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में रखने से वहां का माहौल उग्र और अशांत हो सकता है, खासकर यदि उनकी पूजा विधिवत न की जाए। दरअसल इस मूर्ति की पूजा करना आसान नहीं होता है, बल्कि इसके कुछ विशेष नियम होते हैं और उनका पालन सब लोग नहीं कर पाते हैं। यदि उनकी पूजा में कोई त्रुटि होती है तो उसके जीवन में नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए विशेष स्थान होना जरूरी

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को घर में रखने से पहले उचित स्थान और दिशा का चयन करना अनिवार्य है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार, गलत दिशा या स्थान पर इस पवित्र स्वरूप की स्थापना करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा की बजाय वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। अक्सर देखा गया है कि लोग इसे बिना सोचे-समझे घर के मुख्य द्वार पर लगा देते हैं। हालांकि, यह स्थान पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता, क्योंकि ऐसा करने से उनकी ऊर्जा का सही उपयोग नहीं हो पाता और अनजाने में मूर्ति का अपमान भी हो सकता है। इस स्वरूप को घर में रखने का उद्देश्य बुरी शक्तियों से बचाव और सकारात्मकता को बढ़ावा देना है, लेकिन यदि इसे नियमों के अनुसार न रखा जाए तो इसके विपरीत परिणाम हो सकते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति कहां रखनी चाहिए

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा मुख्य रूप से मंदिरों में की जाती है, जहां उनकी ऊर्जा का प्रबंधन सही तरीके से हो सकता है। अतः यह मूर्ति मंदिरों में रखना सबसे अच्छा विकल्प होता है, जिससे उनकी पूजा नियम से की जा सके। व्यावसायिक स्थलों पर पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति रखने से आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है और यह मूर्ति नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा करती है।

मासिक शिवरात्रि के दिन करें शिव रामाष्टक स्तोत्र का पाठ, सभी कष्ट हो सकते हैं दूर

मासिक शिवरात्रि का व्रत सौभाग्य वृद्धि और मनोकामना पूर्ति के लिए उत्तम फलदायी माना गया है। हिंदू धर्म में मासिक शिवरात्रि का व्रत सौभाग्यशाली माना गया है। पंचांग के हिसाब से मासिक शिवरात्रि का व्रत कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन पड़ता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी किसी कार्य को सिद्ध करना चाहते हैं, तो मासिक शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से और पूजा-पाठ करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है और व्यक्ति का भाग्योदय हो सकता है। अब ऐसे में इस दिन शिव रामाष्टक स्तोत्र का पाठ करने का विशेष महत्व है।

शिव रामाष्टक स्तोत्र

शिव हरे शिव राम सखे प्रभो त्रिविधतापनिवारण हे विभो ।
अज जनेश्वर यादव पाहि मां शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।1।।
कमललोचन राम दयानिधे हरगुरो गजररक्षक गोपते ।
शिवतनो भव शंकर पाहि मां शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।2।।
सुजनरञ्जन मंगलमन्दिरं भजति ते पुरुष- परमं पदम् ।
भवति तस्य सुखं परमद्भुतं शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।3।।
जय युधिष्ठिरवल्लभ भूपते जय जयार्जितपुण्यपयोनिधे ।
जय कृपामय कृष्ण नमोऽस्तु ते शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।4।।
भवविमोचन माधव मापते सुकविमानसहंस शिवारते ।
जनकजारत राघव रक्ष मां शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।5।।
अवनिमण्डलमंगल मापते जलदसुंदर राम रमापते ।
निगमकीर्तिगुणार्णव गोपते शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।6।।
पतितपावन नाममयी लता तवयशो विमलं परिगीयते ।
तदपि माधव मां किमुपेक्षसे शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।7।।
अमरतापरदेव रमापते विजयतस्तव नामधनोपमा ।
मयि कथं करुणार्णव जायते शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।8।।
हनुमत- प्रिय चापकर प्रभो सुरसरिद्धृतशेखर हे गुरो ।
मम विभो किमु विस्मरणं कृतं शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।9।।
अहरहर्जनरञ्जनसुन्दरं पठति य- शिवरामकृतं स्तवम् ।
विशति रामरमाचरणाम्बुजे शिव हरे विजयं कुरु मे वरम् ।।10।।
प्रातरुत्थाय यो भक्त्या पठेदेकाग्रमानस- ।
विजयो जायते तस्य विष्णुमाराध्यमाप्नुयात् ।।11।।

शिवरामाष्टक स्तोत्र का पाठ करने का महत्व

शिवरामाष्टक स्तोत्र का पाठ करने से सभी पाप नष्ट होते हैं और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं, इस स्तोत्र का पाठ करने से व्यक्ति को यश, कीर्ति, सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है और जीवन में आने वाली सभी बाधाओं से भी छुटकारा मिल जाता है। यह स्तोत्र शत्रुओं का नाश करने वाला भी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आप इस स्तोत्र का पाठ नियमित रूप से करते हैं, तो व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

जीवन की परेशानियों से मुक्ति के लिए पौष पूर्णिमा के दिन करें ये उपाय

पौष माह की पौष पूर्णिमा इस साल 3 जनवरी 2026 को पड़ रही है। सोमवती अमावस्या के दिन भगवान शिव की पूजा का विधान है। इसके अलावा, पौष पूर्णिमा का ज्योतिष में भी खासा महत्व माना जाता है क्योंकि इस दिन राहु का प्रभाव अपने चरम पर होता है और अन्य ग्रह क्षीण पड़ जाते हैं। ऐसे में राहु के दुष्प्रभाव से बचने और जीवन की परेशानियों से मुक्ति पाने के लिए इस दिन कुछ उपाय करने की सलाह ज्योतिष में दी जाती है। इसी कड़ी में ज्योतिषाचार्य ने हमें बताया कि पौष पूर्णिमा के दिन कौन से सरल उपाय आजमाए जा सकते हैं और क्या हैं उनसे मिलने वाले लाभ।

पौष पूर्णिमा के दिन पितृ शांति का उपाय

पितरों के अशांत होने पर पितृ दोष लगता है जिसके प्रभाव से परिवार के एक-एक जन को कष्टों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर पितरों को प्रसन्न करना है और उनकी कृपा पानी है तो पौष पूर्णिमा के दिन पितृ शांति के लिए पितरों का तर्पण करें और पितरों के निमित्त दान करें एवं छोटी पूजा आयोजित करें।

पौष पूर्णिमा के दिन नकारात्मकता का उपाय

घर में नकारात्मकता का स्तर बढ़ गया है आय फिर आसपास नकारात्मक ऊर्जा प्रभावित करती है। यहां तक कि बुरी नजर लगने जैसा आपको आभास हो रहा है तो ऐसे में आपको पौष पूर्णिमा के दिन बस एक छोटा सा उपाय करना है। पौष पूर्णिमा के दिन पीपल के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीया जलाएं।

पौष पूर्णिमा के दिन कार्य पूर्ति का उपाय

पौष पूर्णिमा के दिन कार्य की पूर्ति के लिए आप तीन काम कर सकते हैं। अगर आपका कोई काम अटका हुआ है तो पौष पूर्णिमा के दिन पहला काम सूर्य को जल में तिल मिलाकर अर्घ्य दें, दूसरा काम गंगाजल से स्नान करने के बाद उस अकाम को करने के लिए जाएं और अंतिम रहू स्तोत्र का पाठ करें।

शूटिंग लीग ऑफ इंडिया से लोग इस खेल को समझेंगे और सराहेंगे : नीरज कुमार

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता और भारतीय निशानेबाज नीरज कुमार ने हाल ही में भोपाल में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 50 मीटर थ्री पोज़िशन (3P) स्पर्धा में रजत पदक जीता। इस उपलब्धि के बाद नीरज ने अपने अब तक के सफर और शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के जरिए खेल में आ रहे बदलावों पर खुलकर विचार साझा किए। पंजाब के होशियारपुर जिले के एक छोटे से सीमावर्ती कस्बे से राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का नीरज कुमार का सफर संघर्ष और धैर्य की मिसाल है। वर्ष 2014 में नेशनल कैडेट कॉर्प्स (एनसीसी) के माध्यम से शूटिंग की शुरुआत करने वाले नीरज को शुरुआती दौर में आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा और अपने माता-पिता को इस खेल में करियर बनाने के लिए लंबे समय तक मनाना पड़ा। भारतीय नौसेना में चयन उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुआ, जिसके बाद परिवार का पूरा समर्थन उन्हें मिला। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के शुभारंभ को लेकर नीरज का मानना है कि इससे आने वाली पीढ़ी को वैसी मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनके अनुसार यह लीग माता-पिता को यह भरोसा दिलाएगी कि शूटिंग भी एक सुरक्षित और सम्मानजनक करियर विकल्प हो सकता है। नीरज ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "अक्सर परिवार किसी खेल को तभी अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं जब उन्हें उस खेल में सफल उदाहरण दिखाई देते हैं। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया ऐसे ही उदाहरण स्थापित करेगी। दर्शक इस फॉर्मेट का आनंद लेंगे और धीरे-धीरे इस खेल में मौजूद भविष्य

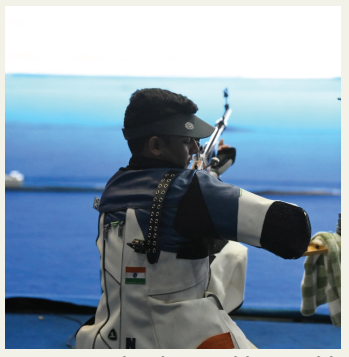

की संभावनाओं को पहचानेंगे।" उन्होंने आगे कहा, "आमतौर पर शूटिंग के दर्शक वही होते हैं जो इस खेल को समझते हैं या खुद खेल चुके हैं। लेकिन लीग के प्रसारण के जरिए बड़ी संख्या में लोग शूटिंग को जान पाएंगे और इसकी सराहना करेंगे।" नीरज के लिए इस लीग की एक बड़ी खासियत यह भी है कि इसमें घरेलू खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों के साथ खेलने और सीखने का मौका मिलेगा। उन्होंने हंगरी के विश्व चैंपियन इस्तवान पेनी और अपने भारतीय साथी किरण जाधव के साथ खेलने की इच्छा जताई। नीरज ने कहा, "हंगरी के खिलाड़ी इस्तवान पेनी और अपने भारतीय साथी किरण जाधव के साथ शूटिंग करना मेरे लिए बेहद रोमांचक होगा। अगर हम एक ही टीम में हों तो यह और भी बेहतर होगा।" राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन और तैयारी को लेकर नीरज ने राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्रों की सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने कहा, "मैंने नेशनल चैंपियनशिप के लिए कोई खास रूटीन फॉलो नहीं किया। लेकिन जहां मैं ट्रेनिंग करता हूं, दिल्ली का डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, वहां का इंफ्रास्ट्रक्चर शानदार है। हमें हॉस्टल, दिन में तीन बार भोजन और अभ्यास के लिए गोलियां मिलती हैं, जो एक बड़ी सुविधा है।" देश और विदेश में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद भारतीय निशानेबाजों के बीच आपसी रिश्तों को लेकर नीरज ने सकारात्मक तस्वीर पेश की। उन्होंने कहा, "शूटिंग एक व्यक्तिगत खेल है और इसमें हमें अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना होता है। हम दूसरों से ज्यादा खुद से मुकाबला करते हैं। यही हमारे खेल की खूबसूरती है।" उन्होंने आगे जोड़ा, "हम एक-दूसरे से मिलते हैं, बातचीत करते हैं और साथ समय बिताते हैं। रेंज पर किसी तरह की नकारात्मकता नहीं होती।" 2026 सत्र की तैयारियों के बीच नीरज कुमार का मुख्य लक्ष्य ओलंपिक पदक जीतना है। उनके अनुसार शूटिंग लीग ऑफ इंडिया सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि ऐसा मंच है जो खिलाड़ियों के प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और साथ ही दर्शकों का समर्थन भी इस खेल को मिलेगा।

मार्श और हार्डी की शानदार साझेदारी से स्कॉर्चर्स ने हरिकेंस को हराया

एजेंसी, होबार्ट

मिशेल मार्श और आरोन हार्डी के बची हुई 164 रनों की रिकार्ड साझेदारी की सहायता से पर्थ स्कॉर्चर्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में होबार्ट हरिकेंस को 40 रनों से हरा दिया। मिशेल और आरोन के बची हुई 164 साझेदारी से स्कॉर्चर्स ने 3 विकेट पर 229 रन बनाये। इसके बाद हरिकेंस की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 9 विकेट पर 189 रन ही बना पायी। इस मैच में हरिकेंस ने टॉस जीतकर स्कॉर्चर्स को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। स्कॉर्चर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके शुरुआती बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाये। फिन एलन केवल 16 रन बना पाये। इसके अलावा कूपर कॉनोली भी 4 रन ही बना पाये। । स्कॉर्चर्स ने 2 विकेट 60 रनों के अंदर ही खो दियो पर इसके बाद मैथ्यू वेड ने 18 रन पर खेल रहे मार्श का कैच गिरा दिया जिसये मैच पलट गया। । यह हरिकेंस के लिए एक महंगा मौका था, क्योंकि मार्श एक आक्रामक बल्लेबाज बन गए। इस बल्लेबाज ने इसके बाद 58 गेंदों में102 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं हार्डी ने 43 गेंदों में नाबाद 94 रन बनाये। दोनों ने मिलकर सिर्फ 84 गेंदों में तीसरे विकेट के लिए 164 रनों की साझेदारी का नया रिकार्ड बनाया।

बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल नहीं करने को लेकर सरकार से कोई निर्देश नहीं मिला : बीसीसीआई

एजेंसी, मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट रायडर्स (केकेआर) में शामिल किये जाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसे सरकार से बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल नहीं करने को लेकर कोई निर्देश नहीं मिले हैं। बीबीसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती है। पिछले महीने हुई आईपीएल नीलामी में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को केकेआर ने 9.20 रुपये में खरीदा था।उसके बाद से कई लोगों ने केकेआर के इस फैसले को गलत बताया है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं की खबरों के बाद कई लोगों का मानना है कि

आईपीएल से बांग्लादेशी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया जाना चाहिये। आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर सहित कई अन्य ने मुस्तफिजुर को शामिल करने पर केकेआर के सह-मालिक शाहरुख खान की कड़ी आलोचना की है और कहा था कि वहां हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को देखते हुए किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल कैसे किया जा सकता है। मुस्तफिजुर ने सला 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल में डेब्यू किया था। इस गेंदबाज ने अब तक 60 आईपीएल मैचों में 8.13 की इकॉनमी रेट से 65 विकेट लिए हैं। वह पिछले सत्र में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क के चोटिल होने पर उनकी जगह दिल्ली कैपिटल्स में वापस आ गये थे।

सिडनी टेस्ट होगा उस्मान ख्वाजा के15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने पुष्टि की कि इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी में खेला जाने वाला पांचवां एशेज टेस्ट उनके करियर का आख़िरी मुकाबला होगा। यह टेस्ट उनके लिए बेहद खास रहेगा, क्योंकि यही वह शहर है जहां वे बड़े हुए और क्रिकेट का सपना देखा।

39 वर्षीय ख्वाजा अपना 88वां और अंतिम टेस्ट उसी सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेलेंगे, जहां उन्होंने 2011 में टेस्ट डेब्यू किया था। शुक्रवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपने माता-पिता, पत्नी रेचल और दो बच्चों की मौजूदगी में संन्यास का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि टीम के साथियों को इसकी जानकारी उन्होंने अभ्यास सत्र से ठीक पहले दी।

ख्वाजा ने कहा कि वह इंटरनेशनल क्रिकेट से विदा ले रहे हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट खेलते

रहेंगे। वह केएफसी बिग बैश लीग में ब्रिस्बेन हीट के लिए और शेफील्ड शील्ड में क्वींसलैंड की ओर से उपलब्ध रहेंगे।

शानदार करियर और भावुक विदाई- ख्वाजा ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद और लगातार रन बनाने वाले बल्लेबाज़ों में शुमार रहे हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 16 शतक हैं और सिडनी टेस्ट में 30 रन बनाते ही वह माइकल हसी (6235 रन) को पीछे छोड़ते हुए ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक रन स्कोररों की सूची में 14वें स्थान पर पहुंच जाएंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ख्वाजा भावुक नजर आए। उन्होंने कहा,"मैंने कभी नहीं सोचा था कि रिटायरमेंट के समय मैं रो पड़ूंगा, लेकिन जैसे ही मैंने साथियों को बताया, मेरी आंखों से आंसू निकल आए। यह दिखाता है कि क्रिकेट मेरे लिए क्या मायने रखता है।"

मैदान के बाहर भी छोड़ी गहरी छाप- उस्मान ख्वाजा ऑस्ट्रेलिया के पहले मुस्लिम टेस्ट क्रिकेटर हैं। उन्होंने नस्लवाद के खिलाफ आवाज़ उठाने और दक्षिण एशियाई मूल के खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसरों की पैरवी करने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा, "मैं एक गर्वित मुस्लिम हूं, पाकिस्तान में जन्मा एक रंगीन लड़का, जिसे कहा गया था कि वह कभी ऑस्ट्रेलिया के लिए नहीं खेलेगा – आज आप देख रहे हैं मैं कहां तक पहुंचा हूं।"

संघर्षों से भरा, लेकिन यादगार सफर- ख्वाजा का करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा। 2010-11 एशेज में टेस्ट डेब्यू के बाद उन्हें कई बार टीम से बाहर किया गया। चोटें, चयनकर्ताओं के फैसले और विदेशी दौरों पर खराब फॉर्म – सब कुछ उन्होंने झेला। एक समय उनका टेस्ट औसत 25.13 तक गिर गया था। लेकिन 2015-16 घरेलू सीज़न में शानदार वापसी करते हुए उन्होंने पांच टेस्ट में चार शतक लगाए। 2018 में पाकिस्तान के खिलाफ दुबई टेस्ट में 141 रनों की ऐतिहासिक पारी और 2021-22 एशेज में सिडनी में दो शतक उनके करियर के यादगार पल रहे।

2023 एशेज के पहले टेस्ट में एजबेस्टन में 141 और 65 रनों की मैराथन पारियों ने ऑस्ट्रेलिया की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ गॉल में खेली गई 232 रनों की पारी उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में गिनी जाती है।

उस्मान ख्वाजा – करियर आंकड़े

टेस्ट: 87* मैच | 6206 रन | औसत 43.39 | सर्वाधिक 232 | शतक 16 | अर्धशतक 28

वनडे: 40 मैच | 1554 रन | औसत 42.00 | शतक 2 | अर्धशतक 12

टी20: 9 मैच | 241 रन | स्ट्राइक रेट 132.41

यादों में कैसे रहना चाहते हैं ख्वाजा- अपने करियर को लेकर ख्वाजा ने कहा, "मैं चाहता हूं कि लोग मुझे एक विनम्र क्रिकेटर के रूप में याद रखें, जिसने मैदान पर मनोरंजन किया और जिसे खेलते देखना लोगों को अच्छा लगा।"

सिडनी टेस्ट के साथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का यह जुझारू और प्रेरणादायक अध्याय समाप्त होगा, लेकिन उस्मान ख्वाजा की कहानी आने वाली पीढ़ियों को लंबे समय तक प्रेरित करती रहेगी।

संक्षिप्त

सजोर्ड मारिजने बने भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को सजोर्ड मारिजने को भारतीय महिला हॉकी टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की। डच कोच सजोर्ड मारिजने एक बार फिर भारतीय सेटअप में लौटे हैं। इससे पहले उनके कार्यकाल में भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था, जो 36 वर्षों में ओलंपिक में टीम की दूसरी भागीदारी थी। मारिजने के साथ सहयोगी स्टाफ में अर्जेंटीना के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मटियास विला को एनालिटिकल कोच नियुक्त किया गया है। विला ने 1997 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और 2000 सिडनी तथा 2004 एथेंस ओलंपिक में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व किया था। वे पिछले दो दशकों से कोचिंग से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा, टोक्यो ओलंपिक में टीम की फिटनेस और प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाने वाले डॉ. वेन लोम्बार्ड भी साइंटिफिक एडवाइजर और हेड ऑफ एथलेटिक परफॉर्मेंस के रूप में भारतीय हॉकी में वापसी कर रहे हैं। उनके साथ रोडेट विला और सियारा विला भी साइंटिफिक एडवाइजर की भूमिका में सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा होंगे। भारत वापसी पर सजोर्ड मारिजने ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "भारत लौटकर बहुत अच्छा लग रहा है। 4.5 साल बाद मैं नई ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ वापस आया हूं। मेरा लक्ष्य टीम के विकास में योगदान देना और खिलाड़ियों को विश्व मंच पर अपनी पूरी क्षमता हासिल करने में मदद करना है।" मुख्य कोच के रूप में मारिजने की पहली बड़ी चुनौती एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालिफायर होगी, जो 8 से 14 मार्च 2026 तक हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित की जाएगी।

एशेजः सिडनी टेस्ट के लिए इंग्लैंड की 12 सदस्यीय टीम घोषित, शोएब बशीर को मौका

एजेंसी, सिडनी

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। यह मुकाबला 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। एशेज सीरीज के इस निर्णायक टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में दो बदलाव किए गए हैं। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर और तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को टीम में शामिल किया गया है। 22 वर्षीय शोएब बशीर ने 2024 में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। अब तक वह 19 टेस्ट मैचों में 68 विकेट ले चुके हैं, उनका औसत 39.00 का रहा है। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम दो बार चार विकेट हॉल और चार बार पांच विकेट हॉल दर्ज हैं। खास बात यह है कि मौजूदा एशेज सीरीज में यह पहली बार है जब इंग्लैंड ने किसी विशेषज्ञ स्पिनर को टीम में चुना है। इससे पहले ऑलराउंडर विल जैक्स ही टीम के एकमात्र स्पिन विकल्प थे। वहीं 27 वर्षीय तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स ने जून 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में टेस्ट डेब्यू किया था। अब तक खेले

गए 10 टेस्ट मैचों में पॉट्स ने 29.44 की औसत से 36 विकेट चटकाए हैं, जिसमें दो चार विकेट हॉल शामिल हैं। मेलबर्न में खेले गए बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराने वाली टीम से तेज गेंदबाज गस एटकिंसन इस बार बाहर हैं। एटकिंसन हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण पांचवां टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। उधर, पांचवें टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ओपनर उस्मान ख्वाजा ने पुष्टि की है कि वह सिडनी टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। 39 वर्षीय ख्वाजा ने 87 टेस्ट मैचों में 6,206 रन बनाए हैं, जिसमें 16 शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं। उनका टेस्ट औसत 43.39 का रहा है।

पांचवें एशेज टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीमः- बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, विल जैक्स, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), जोश टंग।

वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

एजेंसी, मेलबर्न

सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स को 18 जनवरी से मेलबर्न में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। 45 वर्षीय वीनस विलियम्स लगभग 28 साल बाद मेलबर्न पार्क में वापसी करेंगी। उन्होंने यहां पहली बार 1998 में खेला था, जब उन्होंने दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना विलियम्स को हराया था। हालांकि, क्वार्टरफाइनल में उन्हें अमेरिका की ही लिंडसे डेवनपोर्ट के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन से दो हफ्ते पहले ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) में खेलने उतरेंगी, जहां उन्हें भी वाइल्ड कार्ड मिला है। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलियन ओपन से ठीक पहले वह होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) में होने वाले एक टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेंगी। वीनस विलियम्स आखिरी बार 2021 में मेलबर्न में खेलती नजर आई थीं। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला एकल में दो बार उपविजेता रह चुकी हैं—2003 और 2017 में, जब दोनों ही बार उन्हें फाइनल में बहन सेरेना से

हार मिली थी। वीनस ने कहा,"मैं ऑस्ट्रेलिया लौटकर बेहद उत्साहित हूं और ऑस्ट्रेलियन समर के दौरान प्रतिस्पर्धा करने को लेकर उत्सुक हूं। यहां मेरी कई शानदार यादें जुड़ी हैं और उस जगह पर लौटने का मौका मिलना मेरे करियर के लिए बहुत मायने रखता है।" मेलबर्न पार्क में वीनस का रिकॉर्ड 54 जीत और 21 हार का रहा है। 2026 में यह 22वीं बार होगा जब वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों के अनुसार, वीनस विलियम्स ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। इससे पहले यह रिकॉर्ड जापान की किमिको डेटे के नाम था, जिन्होंने 2015 में 44 साल की उम्र में यहां मुकाबला खेला था।

मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल 2026 की जर्सी लॉन्च की, 'विकेट पल्स' थीम से झलकी मुंबई की रफ्तार

एजेंसी, मुंबई

डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने बुधवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की आधिकारिक जर्सी का अनावरण किया। फ्रेंचाइज़ी की ओर से जारी बयान के अनुसार, नई जर्सी एक बार फिर मुंबई शहर और उसके लोगों से प्रेरित है, जो हमेशा गतिशील, ऊर्जा से भरपूर और आगे बढ़ते रहने का प्रतीक है। टीम की पहचान की तरह ही यह जर्सी भी रोज़मर्रा की मुंबई की लय को दर्शाती है, जो कभी थमती नहीं। इस सीजन में भी आइकॉनिक ब्लू और गोल्ड रंगों को बरकरार रखा गया है, जिनके साथ कोरल टच जोड़ा गया है। ये रंग गति, मजबूती और निरंतर आगे बढ़ने की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं। नई जर्सी की मुख्य थीम "विकेट पल्स" है। जर्सी के आगे और पीछे सजा नीला रंग मुंबई की लगातार चलती ज़िंदगी

से प्रेरित है—चाहे वह लोकल ट्रेन की रफ्तार हो या समंदर की लहरें। यह उस कभी न रुकने वाले जज़्बे को दर्शाता है, जो मुंबई और मुंबई इंडियंस दोनों की पहचान है। वहीं सुनहरा रंग आत्मविश्वास और निरंतरता का प्रतीक है, जबकि हल्के कोरल एक्सेंट मुंबईवासियों के आपसी अपनापन और #OneFamily की भावना को खास बनाते हैं। यह जर्सी सिर्फ एक किट नहीं, बल्कि एक कहानी है—एक शहर और उसके लोगों की, उन खिलाड़ियों की जो इस धड़कन को मैदान पर जीते हैं और मुंबई इंडियंस पलटन के उस अटूट समर्थन की, जिसकी ऊर्जा टीम को मैदान के अंदर और बाहर प्रेरित करती है। इससे पहले, मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले क्रिस्टन बीम्स को स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया था। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर बीम्स 2017 वनडे वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही थीं। अपने करियर में उन्होंने 1 टेस्ट, 30 वनडे, 18 टी-20 अंतरराष्ट्रीय और 45 डब्ल्यूबीबीएल मैच खेले। कोचिंग के क्षेत्र में भी उनका अनुभव शानदार रहा है—वह डब्ल्यूबीबीएल और द हंड्रेड में कोचिंग कर चुकी हैं, ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 महिला टीम की कोच रही हैं और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में नेशनल डेवलपमेंट लीड की भूमिका निभा चुकी हैं।

वडोदरा में 4 जनवरी को होगा 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का 55वां संस्करण

एजेंसी, नई दिल्ली

फिट इंडिया मिशन की ओर से 4 जनवरी को वडोदरा में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 55वें संस्करण का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन वडोदरा के ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित लक्ष्मी विलास पैलेस की पृष्ठभूमि में होगा। इस संस्करण का आयोजन विशेष साझेदार 'स्वच्छता सेनानी' और गुजरात सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। इस साइक्लिंग कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व भारतीय क्रिकेटर राजेश चौहान और एशियन गेम्स पदक विजेता हेप्टाथलीट नंदिनी अगसरा करेंगी। इस अवसर पर वडोदरा से सांसद डॉ. हेमांग जोशी और वडोदरा रियासत के शाही परिवार के सदस्य हिज हाइनेस समरजीतसिंहजी गायकवाड़ की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इसके अलावा वडोदरा नगर निगम आयुक्त अरुण महेश बाबू और पुलिस अधीक्षक नरसिंह कोमार भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर राजेश चौहान, जिन्होंने 1993 से 1998 के बीच भारत के लिए 21 टेस्ट और 35 वनडे मैच खेले और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 76 विकेट हासिल किए,

पहली बार साइकिल चलाते हुए फिटनेस प्रेमियों के विशाल समूह के साथ नजर आएंगे। चौहान 1990 के दशक में अनिल कुंबले और वेंकटपति राजू के साथ भारत की प्रसिद्ध स्पिन तिकड़ी का हिस्सा रहे हैं। वहीं नंदिनी अगसरा 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में हेप्टाथलॉन की कांस्य पदक विजेता और 2025 में गुमी में आयोजित एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। फिट इंडिया के नारे 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस आयोजन में योग, रस्सीकूद (रोप स्किपिंग) और सभी आयु वर्गों—विशेषकर बच्चों—के लिए विशेष फिटनेस और गेम ज़ोन भी बनाए जाएंगे। दिसंबर 2024 में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा शुरू किया गया 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान आज एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। यह पहल फिटनेस, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास को बढ़ावा दे रही है, जिसमें अब तक देशभर में 2 लाख से अधिक स्थानों पर 22 लाख से ज्यादा लोग भाग ले चुके हैं। पूर्व में इस साइक्लिंग अभियान में भारतीय सेना के जवानों, केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, जीएसटी परिषद, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के साथ-साथ कई नामचीन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। इनमें द ग्रेट खली, लवलीना बोरगोहेन, प्रियंका गोस्वामी, रानी रामपाल, रोडाली बरुआ, दीपिका कुमारी, अतनु दास, राहुल बनर्जी, मंगल सिंह चंपिया, संग्राम सिंह, शैंकी सिंह, नीतू घंघास, स्वीटी बूरा तथा पेरिस पैरालंपिक पदक विजेता नितेश कुमार, मनीषा रामदास, रूबीना फ्रांसिस और सिमरन शर्मा शामिल हैं। इसके अलावा आयुष्मान खुराना, रोहित शेट्टी, सैयामी खेर, शरवरी, अमित सियाल, राहुल बोस, मधुरिमा तुली, मिया मेल्ज़र और गुल पनाग जैसी कई मशहूर हस्तियों ने भी इस पहल का समर्थन किया है और उन्हें 'फिट इंडिया आइकन' का सम्मान दिया गया है।

हिंदी रिमेक में बनेगी 'डियर कॉमरेड' की नई टीम

फिल्म 'लापता लेडीज' से अपनी सशक्त अदाकारी के जरिए पहचान बनाने वालीं अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के करियर में अब बड़ा मोड़ आ सकता है। खबर है कि उन्हें करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन की आगामी फिल्म में कास्ट किए जाने पर विचार किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी का नाम भी सबसे आगे चल रहा है। अगर बातचीत सफल रहती है, तो यह पहली बार होगा जब सिद्धांत और प्रतिभा की जोड़ी बड़े पर्दे पर साथ नजर आएगी। रिपोर्ट के अनुसार, धर्मा प्रोडक्शन तेलुगु सिनेमा की हिट फिल्म 'डियर कॉमरेड' (2019) का आधिकारिक हिंदी रीमेक तैयार कर रहा है। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा अभिनीत यह फिल्म रिलीज के समय दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय रही थी। अब करीब छह साल बाद, इसके हिंदी वर्जन को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सूत्रों का कहना है कि निर्माताओं ने अभी फाइनल कास्ट तय नहीं की है, लेकिन सिद्धांत चतुर्वेदी और प्रतिभा रांटा इस प्रोजेक्ट के लिए सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। काम के मोर्चे पर बात करें तो सिद्धांत चतुर्वेदी हाल ही में 'धड़क 2' में नजर आए थे और 2026 में उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट लाइनअप में हैं। वह मृणाल ठाकुर के साथ 'दो दीवाने सहर में', तमन्ना भाटिया के साथ 'वी शांताराम' और फ्रेंच फिल्म 'ला फैमिली बेलियर' के हिंदी रीमेक में दिखाई देंगे।

चित्रांगदा सिंह के कॅरियर के लिए खास रहा साल 2025

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ऐसे चुनिंदा कलाकारों में शामिल हैं, जिन्होंने हमेशा संख्या से ज्यादा गुणवत्ता को महत्व दिया है। साल 2025 उनके करियर के लिए खास रहा है, जिसमें उन्होंने हाउसफुल 5, परिक्रमा और रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स जैसी अलग-अलग तरह की प्रोजेक्ट्स में काम किया। चित्रांगदा सिंह ने कहा, भले ही मेरा फिल्मी सफर बहुत लंबा या लगातार नहीं रहा, लेकिन इस बात की खुशी है कि दर्शकों ने मेरे काम को याद रखा है। मेरा मानना है कि किसी किरदार के स्क्रीन टाइम से ज्यादा जरूरी यह होता है कि वह दर्शकों पर कितना असर छोड़ता है। अपने किरदार चुनने के तरीके पर बात करते हुए चित्रांगदा ने कहा, अब धीरे-धीरे इंडस्ट्री में भी यह समझ विकसित हो रही है कि सिर्फ ज्यादा काम करना ही सब कुछ नहीं होता। कभी-कभी एक छोटा सा सीन या सीमित स्क्रीन टाइम वाला किरदार भी दर्शकों के दिल में गहरी जगह बना सकता है। ऐसा कई बार देखा गया है कि एक मजबूत सीन पूरी फिल्म के मुकाबले ज्यादा यादगार बन जाता है।चित्रांगदा ने कहा, मेरा यह भी मानना है कि सिर्फ अच्छा काम करना ही काफी नहीं होता। एक कलाकार के लिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी बनाए रखना भी जरूरी होता है। अच्छा काम और दर्शकों तक पहुंच, इन दोनों के बीच संतुलन होना चाहिए। इसलिए कलाकार को ऐसे रोल मिलने जरूरी होते हैं, जिन्हें लोग याद रखें और जिनसे उनका काम आगे बढ़े। लेकिन, वही काम टिकता है, जिसमें सच्चाई और गहराई हो। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स में चित्रांगदा का अभिनय चर्चा में रहा। इस फिल्म में उनके किरदार के लिए काफी सराहना मिली। चित्रांगदा ने कहा, मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मैंने जितना भी काम किया है, लोगों ने उसे सराहा और याद रखा है। काम ही आगे काम दिलाता है, लेकिन अच्छा काम लंबे समय तक मौके देता है और कलाकार को टिकाऊ पहचान देता है। रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स को लेकर चित्रांगदा ने महिला किरदारों के चित्रण पर भी बात की।

कीर्ति कुल्हारी की जिंदगी में फिर लौटा प्यार, एक बार फिर शुरू हुई नई कहानी

बॉलीवुड अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी इन दिनों अपनी चर्चित वेब सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज 4' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो दिसंबर 2025 में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। भले ही सीरीज को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली हो, लेकिन इस बीच कीर्ति अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गई हैं। नए साल की शुरुआत के साथ ही अभिनेत्री ने अपने सह-कलाकार राजीव सिद्धार्थ के साथ रिश्ते को लेकर एक बड़ा खुलासा कर दिया है। कीर्ति ने सोशल मीडिया पर राजीव के साथ एक वीडियो शेयर करते हुए अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि की। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, "एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है... हैप्पीन्यूईयर सभी को, हैप्पी 2026।" इस पोस्ट के सामने आते ही फैंस हैरान भी हुए और खुश भी, क्योंकि दोनों के डेटिंग की चर्चाएं नवंबर 2025 से ही चल रही थीं। रिश्ते के ऑफिशियल होते ही सोशल मीडिया पर दोनों को ढेर सारी बधाइयां मिल रही हैं। प्रशंसक उनकी इस नई शुरुआत को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि कीर्ति कुल्हारी इससे पहले अभिनेता साहिल सहगल से शादीशुदा थीं, लेकिन दोनों का रिश्ता साल 2021 में खत्म हो गया था। अब राजीव सिद्धार्थ के साथ उनके नए रिश्ते ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है।

नई फिल्म से बड़े पर्दे पर लौटेंगी अलीजेह अग्निहोत्री

सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री के करियर को एक नई उम्मीद मिलती नजर आ रही है। 2023 में आई फिल्म 'फर्रे' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अलीजेह को भले ही अपनी डेब्यू फिल्म से खास सफलता न मिली हो, लेकिन अब उनके हाथ एक बड़ा प्रोजेक्ट लग गया है। मशहूर निर्देशक विकास बहल की अगली फिल्म के जरिए अलीजेह एक बार फिर अपने अभिनय का लोहा मनवाने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह फिल्म 2014 में आई फ्रेंच हिट 'ला फैमिली बेलियर' का हिंदी रीमेक होगी। इस म्यूजिकल-रोमांटिक ड्रामा में अलीजेह के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे। खास बात यह है कि पहली बार सिद्धांत और अलीजेह की जोड़ी बड़े पर्दे पर रोमांस करती दिखाई देगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग इसी साल जून से अगस्त के बीच शुरू होगी और मेकर्स मूल कहानी की आत्मा को बरकरार रखने की योजना में हैं। फ्रेंच निर्देशक एरिक लार्टिगाउ की 'ला फैमिली बेलियर' एक भावनात्मक कॉमेडी-ड्रामा है, जो 16 साल की एक लड़की की कहानी कहती है, जो अपने दिव्यांग माता-पिता की जिम्मेदारी संभालती है। कहानी उस मोड़ पर पहुंचती है, जब एक म्यूजिक टीचर को उसकी गायन प्रतिभा का पता चलता है और लड़की को अपने सपनों व पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच कठिन फैसला लेना पड़ता है। यह फिल्म दुनियाभर में सराही गई थी और 2022 में इसे ऑस्कर में भी बड़ी पहचान मिली थी।

'धुरंधर' की दहाड़ जारी, फिर हिला बॉक्स ऑफिस

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए हुए है। एक के बाद एक कई नई फिल्में आईं, लेकिन कोई भी इसके सामने टिक नहीं पाई। इसी वजह से अगस्त्य नंदा की डेब्यू फिल्म 'इक्कीस' की रिलीज डेट भी बदल दी गई और इसे क्रिसमस के बजाय 01 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में उतारा गया। हालांकि रिलीज के बाद भी 'इक्कीस' को 'धुरंधर' के सामने संघर्ष करते देखा जा रहा है। बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखाई है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने 28वें दिन 15.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो अपने आप में चौंकाने वाला आंकड़ा है। खास बात यह है कि 25वें दिन 10.5 करोड़, 26वें दिन 11.25 करोड़ और 27वें दिन 11 करोड़ कमाने के बाद फिल्म ने दोबारा रफ्तार पकड़ ली। इसके साथ ही भारत में 'धुरंधर' का कुल कलेक्शन 739 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं दूसरी ओर अगस्त्य नंदा की 'इक्कीस' ने पहले दिन सिंगल डिजिट में ओपनिंग की है। सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने करीब 7 करोड़ रुपये की कमाई से बॉक्स ऑफिस पर खाता खोला। यह आंकड़ा एक नए अभिनेता की पहली फिल्म के लिहाज से ठीक माना जा रहा है, लेकिन 'धुरंधर' की आंधी के सामने यह फीका पड़ता दिख रहा है। अब सभी की नजरें वीकेंड पर टिकी हैं कि 'इक्कीस' अपनी रफ्तार बढ़ा पाती है या नहीं। फिल्म में जयदीप अहलावत, धर्मेंद्र और सिमर भाटिया भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

नए साल पर नानी ने बढ़ाया एक्साइटमेंट, 'द पैराडाइज' का पोस्टर रिलीज़

नए साल की शुरुआत को खास बनाते हुए नेचुरल स्टार नानी ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'द पैराडाइज' की रिलीज़ डेट का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही फिल्म का नया पोस्टर भी सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर आते ही हलचल मचा दी। इस घोषणा के साथ नानी ने 2026 में एक दमदार और ब्लॉकबस्टर एंट्री कर ली है। पोस्टर शेयर करते हुए नानी ने एक ताकतवर कैप्शन लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि 'द पैराडाइज' 26 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। उन्होंने यह भी साफ किया कि फिल्म को केवल एक भाषा तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, अंग्रेज़ी और स्पेनिश समेत कुल आठ भाषाओं में दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा। एसएलवी सिनेमाज़ के बैनर तले बन रही यह फिल्म बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। इसकी अंतरराष्ट्रीय अपील को देखते हुए, मेकर्स इसे ग्लोबल लेवल पर पहुंचाने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के प्रमोशन और अंतरराष्ट्रीय पहचान के लिए हॉलीवुड स्टार रयान रेनॉल्ड्स से भी संपर्क किया गया है। दमदार निर्देशन, मजबूत स्टारकास्ट और ग्रैंड स्केल के साथ 'द पैराडाइज' को सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक यादगार सिनेमाई अनुभव बताया जा रहा है।

दोबारा रिलीज होगी 'किस किसको प्यार करूं 2', मेकर्स का ऐलान

कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही है। यह एक दुर्लभ मामला है जब कोई फिल्म अपनी पहली रिलीज के महज एक महीने के भीतर दोबारा सिनेमाघरों में उतारी जा रही है। 14 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था, बावजूद इसके निर्माता रतन जैन को फिल्म पर पूरा भरोसा है और उन्होंने इसे शुद्ध पारिवारिक मनोरंजन करार दिया है। फिल्म को 9 जनवरी, 2026 को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में बनी इस कॉमेडी फिल्म में कपिल शर्मा के साथ वारिना हुसैन, आयशा खान, त्रिधा चौधरी, पारुल गुलाटी और मंजोत सिंह अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं। फिल्म में दिवंगत अभिनेता असरानी की भी मौजूदगी है, जो इसे भावनात्मक रूप से खास बनाती है। इससे पहले फिल्म की टीम का कहना था कि रणवीर सिंह की सुपरहिट फिल्म 'धुरंधर' के चलते 'किस किसको प्यार करूं 2' को सीमित स्क्रीन्स मिली थीं, जिसकी वजह से इसका बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन प्रभावित हुआ। अब देखना दिलचस्प होगा कि दूसरी बार रिलीज होने पर कपिल शर्मा की यह फिल्म दर्शकों का दिल जीत पाती है या नहीं।

प्रकाशक - मुद्रक एवं संपादक नंदन झा के द्वारा केलांचल टाइम्स के 1ए, प्रथम तल, साईं निवास, बुधविहार, अरगोड़ा चौक, रांची, झारखंड 834002, S H printers pvt Ltd से मुद्रित, रांची से प्रकाशित, कार्यालय - रातू काठीटांड़, टेंडर बगीचा के पास, एच.पी. पेट्रोल पंप, पीओ+पीएस- रातू, रांची, झारखण्ड - 835222. मोबाइल नंबर 7759804611, RNI NO:-JHHIN/25/A1170